श्लीपदतातेंछीजै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ एरंडनागरअवरगिलोय देवदारतिन्हवीच. समोय इहसभकोसमचूर्णकीजै सर्षपतैलसाथसोपीजै कफजश्लीपदहोवैनाश निश्चैकीजैमनमोतास ॥ अन्यच ॥ वागिलोयकोचूर्णकीजै सर्षपतैलसाथनितपीजै अथवासुंठीदेवजुदार महीनपीसकरचूर्ण. सुधार सर्षपतैलसाथकरपान श्लीपदकफजहोततिसहान ॥ अथलेप ॥ देवदारुचित्रासमलीजै लेपै. श्लीपदकफकोछीजै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सर्षपसुंठपुनर्नवापाय कांजीसोंयहलेपलगाय कफजश्लीपदहोवेनाश निश्चयआनोमनमोतास ॥ अथक्काथ ॥ अषरोटत्वचाकोक्काथवनावै गूत्रमिलायपीवैरुजजावै

॥ अथसन्निपातश्लीपदअसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वल्मीकन्याईजुउत्पतिजास कंटकयुतहोयवृद्धप्रकास सोऊत्रिदोषजश्लीपदजानो असाध्यजुलक्षणतासपछानो इकसंवत्सरऊपरजास दिनवधजावैलषियेतास अरुसोजावहुवृद्धलषावत अरुसोजेमोंश्रावदिषावत वातपित्तकफकेजोलक्षण इकठेजांमोंहोहिविचक्षण पुरुकसहितअरुकफ. युतहोय इन्हाचिन्हनअसाध्यलषसोय पुनः अतिउन्नतजोश्लीपदजानो श्रवतरहेकंडूयुतमानो कफकीवृद्धि जासमोलहिए असाध्यश्लीपदताकोकहिये अथप्रकार चौपई इकशास्त्रज्ञातायोंआषैं त्रिदोषजशोथहिंकोंयों भाषै सोकेवलकफहींतेंजानै भारीअरुजोवडोपछानै गुरुत्वमहत्वविनाकफनाहीं तातेंकफकरशोथलषाहीं अथ अन्यप्रकार चौपई सजलपृथवीपैथताजिन्हदेश सोवंगालादिदेशकहेस सदापुरातनजलतहांरहै जलनवीनसूकतनाहिंलहैं सोऊजलवहुदिनकेमांहि होंहिपुरातनशंसेनाहि काहेसकलऋतूमझार शीतलदेशरहैंसुविचार तिन्हशीतलदेशनकेमांहि रोगश्लीपदवहुप्रगटांहि अरुकफकृतभोजनजोषांहि रहैंविहारनकफकृतमांहि तिन्हकोंभीयहहोवतरोग जानलहोयहकफकोयोग अरुजुस्वभाउकफीजिंहलहिये ताहीश्लीपदहोत्तलषैये ॥ दोहा ॥ रोगश्लीपदसोकह्योजैसेंकहैनिदान तैसेंसमुझोचतुरनरकरोंचिकित्सागांन इतिश्लीपदरोगनिदानम् ॥

॥ अथसामान्यश्लीपदचिकित्सा ॥

॥ अथलेप ॥ चौपई ॥ सहदेवीमूलतालकोमूल कांजीसोंपीसेसमतूल ताकोंविधिसोंलेपनकरै रोगश्लीपदतनतेंटरै ॥ अथघृत ॥ पिंडारकतरुवंदाजढआन पीसेसहघृतकीजैपान श्लीपदचिरकादारुणजावै यहनिश्चयनिजमनमोंल्यावै ॥ अन्यचउपाय ॥ चौपई ॥ धत्तूरेकेवीजमंगावै वर्धमानमघांज्योपावै शीतलजलसोंपीवैतास श्लीपदसभप्रकारकोनाश अथवासर्षपतैलहिंसंग पीवैश्लीपदहोइसभभंग ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ पूतिकरंजूकारसपीजे वारसजीयापोतालीजै रोगश्लीपदनाशपछान अपनेमनयहनिश्चयठान ॥ अथचूर्ण ॥ सातपानकेपत्रमंगावै सलवणभुन्नकरकल्कवनावै तप्तनीरसोंकीजैपान श्लीपदरुजकोहोवतहान ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ रजनीचूर्णगुडजुमिलाय गोमूत्रसोंनित्यपिलाय वर्षएककोश्लीपदजावै अवरजुकंडूकुष्टनसावै ॥ अथअविलेह ॥ पुनर्नवात्रिफलामघमधुपाय चाटेश्लीपदचिरकोजाय ॥ चूर्ण ॥ दोनोंवलादुग्धसोंपीजैं रोगजुश्लीपदतातेंछीजैं अन्यच ॥ चौपई ॥ सप्तपर्णकीत्वचामंगाय वांसवीजसमचूर्णवनाय एकमासपर्यंतसुपीवै नाशश्लीपदरुजकोथीवै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ हरडेंएरणतैलमं

झार पक्ककरैपुनचूर्णसुधार गोमूत्रसोंपीवैतास होयश्लीपदरुजकोनाश ॥ अथमोदक ॥ चौपई ॥ दंतीअरुचित्रामघापिप्पल यहसमपीसोअर्धअर्धपल वीसहरडपुनपीसमिलावै दोइपलगुडमधुसंगरलावै मोदकवांधयथावलषाय रोगश्लीपददारुणजाय ॥ अथपिप्पलादिचूर्ण ॥ मघपीपलसुंठीसुरदार त्रिफलाअरुपुनर्नवाडार दोदोपलयहऔषदलीजैं वृद्धदारुसभकेसमदीजैं चूर्णयहकांजीसोंपान नितउठषावैकर्षप्रमान श्लीपदवातरोगमिटजावै अरुभस्मकरुजनांहिरहावै ॥ अथवृद्धदारुचूर्ण ॥ चौपई ॥ त्रिकुटात्रिफलाचवकगिलोय दालहलदगोषुरुसंजोय वरुणाअरुअलंबुसाठान यहसवलेसमभागप्रमान सभसमवृद्धदारुकोचूरण करोइकत्रसभनकोंपूरण कांजीसोंइककर्षप्रमान षावैहोवैश्लीपदहान आमवातस्थूलताजाय अरुचवातजकफरोगामिटाय गुल्मकुष्ट. कोहोइहैनाश इहप्रकारगुणजानोतास ॥ अथनिरगुंडयादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ निर्गुंडीतिंतडीकपछान अग्निमंथपुनलीजैजान इन्हतीनोकेपत्रपिसावै मूलपुनर्नवाकोसंगपावै वकायणत्वचागोषुरुठान इकइकपलइन्हकोंपरिमान पषाणभेदातिसमाहिरलाय पीससर्भाइककल्कवनाय सभतेंद्विगुणाविधारालीजै सभइकपात्रमोकठेकीजे झालिमंडपुनतामोपाय सभीइकठेधरेवनाय सर्षपतैलमध्यदि. नसात धररापैघटमोंइंहभांत तानंतरसर्षपतैलहिंसंग कर्षप्रमाणपीयरुजभंग दिनइक्कीसपानकरजोय श्लीपदवर्षपचासकोषोय ॥ अन्यच ॥ पिप्पल्यादिचूर्ण ॥ चौपई ॥ मघपीपलत्रिफलासुरदार सुंठी. अरुपुनर्नवाडार यहसमदोयदोयपललीजैं सूक्ष्मपीसिसुचूर्णकीजैं सभसमवृद्धदारुपीसाय करइकत्रकर्षइकषाय कांजीसेतीपीवैतास श्लीपदगुल्महोइहैनाश उदावर्तभस्मकरुजजावै अजीर्णपांडुमंदाग्निमिटावै ॥ अथकाकादिन्यादिक्ष्यार ॥ चौपइ ॥ काकादनीकंडयारीकंडयारा लवाकाकजंघामदारा कदंवपुष्पिशुकनाशाडार यहसभसमलीजेंहितधार सभामिलायदग्धयहकीजै भस्मगूत्रसंगक्ष्यार. लहीजै काकोदुंवररसतिंहपावै क्वाथमैनफलपलजुमिलावै शुकतरुकोरसमेलेतास यथावलपावै श्लीपदनाश अपचीगंडमालविषजावै अरुचसंग्रहणीरोगमिटावै इन्हऔषदहिंतैलसिद्धकर लेनसवाररोगसोऊहर ॥ अथस्वरसादिघृत ॥ चौपै ॥ सुरसात्रिफलात्रिकुटाजान देवदारुगजपीपलठान सभ. हीलवणविडंगमिलावै चित्राहोजुचवकरलावै गुगुलवरचपाठायवक्ष्यार पिपलामूलसंगतिसडार कर्षकर्षइन्हकोपरमान षटपलवृद्धदारुतिंहठान प्रस्थएकदशमूलीक्वाथ दधिमंडप्रस्थप्रस्थघृतसाथ मंद अग्निसोंपायपकावै तीनकर्षमात्रानितषावै श्लीपदअपचीअर्बुदनाशै अंतरवृद्धगंडमालविनाशै ग्रह. णीशोथगुदरोगनसावे अग्निवधेजुउदरकृमजावै कफअरवाततेंउत्थितजोय मांसरक्तकेसंयुतहोय अव. रमेदकेआश्रयजानो ऐसोश्लीपदनासपछानो ॥ अथदंतीघृत ॥ चौपई ॥ तृवीअवरलेदंतीमूल पलपलयहठानोसमतूल चित्रात्रिफलाविडंगपतीस अर्धअर्धपलपावोपीस पलइकथोहरदुग्धमिलावै इककुडवघृतपायपकावै खावैविंदुमात्रघृततास होवतश्लीपददारुणनाश ॥ अवृद्धदारुघृत ॥

॥ चौपई ॥ वृद्धदारुत्रिकुटासमपाय घृतअरुकांजीपायपकाय षावैरोगजुश्लीपदनाशै अग्निवधैवहुक्षुधाप्रकाशै ॥ अन्यच ॥ अथमहावृद्धदारुघृत वृद्धदारुसोदोयपलआन सुंठीइकपलकरोमिलान दालहलदपुनर्नवापाय मघपीपलत्रिफलाचित्राल्याय अर्धअर्धपलइनकोलीजै प्रस्थएकघृतआनमलीजैं मंदअग्निसोंतासपकाय खावेश्लीपदरोगनसाय वातगृध्रसीकेरुजनास आमवातकटिशूलविनास पांडुअवरजोशोथमिटाय अग्निअवरवलवर्णवधाय अथविडंगादितैल चौपई ॥ वायविडंगमरच

सुरदार चित्राअर्कसुंठपुनडार सभहीलवणपीसतिंहदीजै तैलमिलायपकायसुलीजै बलअनुसारतैलसो षावै श्लीपदरोगनाशहोइजावै यवकटुतैलकूर्मकोमास ऐसोपथ्यदीजियेतास श्लीपदइहप्रकारनाहिं जावै अग्निक्रियाकरताहिमिटावै ॥ दोहा ॥ चिकित्साश्लीपदरोगकी वंगसेंनअनुसार भाषसुनाईसभ नकोंभाषारचीसुधार इतिश्रीश्लीपदरोगचिकित्सासमाप्तं

॥ अथश्लीपदरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ श्लीपदरोगाविचारकेपथ्यापथ्यपछान जैसेंभाषेग्रंथमोतैसेंकरोवषान ॥ अथपथ्यं ॥

॥ चौपई ॥ रुधमोक्षस्वेदअरुलेपन लंघनछर्दअवरपुनरेचन पुरातनसठीतंडुलपथ्य यववृंताकपटोलकुलत्थ लसनपुनर्नवासुहांजणाजान वालमूलिकापथ्यपछान अवरकरेलेएरंडतैल पक्तेयसोभीपथमेल कटुदीपनतीक्षणजोवस्तु श्लीपदरोगाहिंपथ्यप्रसस्तु ॥ दोहा ॥ पथ्यसलीपदरोग केकीनेभलेंउचार ताकेसभीअपथ्यअवसुनलीजैउरधार अथअपथ्यं चौपई पिष्टअन्न अरुदुग्धविकार घृतदधितक्रलहोमतिसार गुडविकारजेतेलषलीजै मिसरीसक्करषंडकहीजै जलजीवनकोमासपछानो गुरु सनिग्धभोजनलषमानो विंध्याचलनदियनकोतोय सिंधुनदीजलजानोसोय दोहा श्लीपदपथ्यापथ्यसभभाषैसकलवनाय वैद्यचिकित्सातवकरैप्रथमहिपथ्यधराय ॥ दोहा ॥ श्लीपदरोगवषान्योप्रथमहिकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकैपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिश्लीपदरोगसमाप्तम् ॥

॥ अथश्लीपदकर्मविपाकनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ जोब्राह्मणकेंदेवैगारी घटादिभारदेवैसिरभारी श्लीपदरोगताहिनरहोय तासउपायकहोसुनसोय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्ववर्णएकपलकुंभवनावै धान्यरासिपरताहिधरावै तहां ब्रह्माविष्णुरुद्रकोंभजै गोघृतादिकरहवनसुसजै देइविप्रकोंदाक्षिणायुक्त श्लीपदरोगसेंहोवेमुक्त ॥ इति श्लीपदकर्माविपाकः ॥

॥ अथश्लपिदज्योतिषं ॥

दोहा संगलवुधअरुशुक्रजोतींनइकठेहोन जन्मकुंडलीचक्रमोंपडैइकग्रहितौन रोगजुश्लीपदजांनियेहोतअ वरयसंजोग तीनोकीपूजाउचितभावकरतकटरोग इतिज्योतिषम् ॥ इतिश्री चिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषायां श्लीपदाऽधिकारकथनंनामपंचपचासत्तमोऽधिकारः ॥ ५५ ॥

॥ अथइस्त्रीरोगनिदाननिरूपणं ॥ प्रथमप्रदररोगनिदानवरननं ॥

॥ दोहा ॥ प्रदररोगनिदानसुनजोइस्त्रिनकोंहोय जोलक्षणयाकेकहेप्रगटवषानोंसोय ॥ चौपई ॥ प्रथमहिताकेकारणकहों जिन्हकारणकरउपजितलहों इस्त्रिनकोंहोइरक्तप्रवाहि प्रदररोगनामहैताहि सोविरुद्धभोजनतेंजानों अतिमद्यादिपानकरमानो अतिमैथुनअतिशोकजुकरै अतिमारगचलनोश्रमधरै होवतगर्भपाततेंसोऊ बहुतभारचुकणेकरहोऊ भोजनपरभोजनकरजोई अश्वसुआरीबहुधरसोई अतीक्ष्णशदिवास्वप्नअविधात होतअजीरणतविख्यात इन्हकारणतेंप्रद्रप्रगटावे वृद्धहोयवहुरुजउपजावे

॥ अथप्रदरसामान्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ स्त्रीकोरुधिरनानापरकार चलतरहैऋतुमांहिसंचार तिसकरहाडजुफूटतजाने सर्वशरीरमेंपीडामाने असोकारणजिहहोइजाय प्रद्ररोगतिहकह्योसुनाय

॥ अथवृद्धप्रद्रउपद्रववर्णनं॥

॥ चोपई ॥ दुर्बलताश्रममूर्छाकरै त्रिषादाहप्रलापजोधरै तंद्रापांडुवरणकरसोय तातेंइहप्रकारुजहोय याकेभेदहैचारप्रकार तिन्हकोविवरोकरोंउचार कफजअवरपित्तजलषपैये वातजसन्निपातसुभनैये

॥ अथकफजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ पीतवरणहोयरक्तप्रवाह अन्नगवेधुकारसरंगताह आमात्यापिछजुरक्तानिकाशै कफजप्रदरइहभांतप्रकाशै

॥ अथकफजप्रद्रचिकित्सा ॥

॥ चोपई ॥ प्रद्ररोगजोइस्त्रिनहोय प्राणहरननारिनकोसोय तामोंयत्नभलीविधकरै अदाहिवमनश्रेष्ठलषधरै रसइक्षूगंगाजलपान तर्पणवस्तूहितकरमान ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ सौराष्ट्रीत्रिफलापीसवनाय आनवस्तुतिहमाहिरलाय लोध्रमुलठीनिंबगिलोय मुस्थरसमचूर्णकरसोय मधुरलायकरषावैतास कफजप्रदरहोवैतवनाश ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दालहलदकोकल्कवनावै मधुमिलायकरतासखुलावै श्वेतप्रदरकोकीजैनास बंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अन्यच ॥ रोहीतकमूलचूर्णमधुसंग पीवैश्वेतप्रदररुजभंग ॥ अन्यच ॥ आमलकीवीजचूर्णपीसाय मधुशरकरामिलायसोपाय स्वेतप्रद्रकोहोवैनास रोगजायमनहोयहुलास ॥ अन्यच ॥ काकजंघाअर्ककरपास इन्हकेमूलसमपीसोतास तंडुलजलसोंपीवैसोय पांडूप्रदरनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ गजकेसरकोचूरणकीजै तक्रसाथतींनदिनपीजै स्वेतप्रदरकोहोइहैनास निश्चयकीजैमनमोंतास

॥ अथपित्तजलक्षणं ॥

॥ चोपई ॥ पीतनीलअरुणतताऊ रक्तजवारंवारश्रवाऊ पैतजलक्षणएतेजान ग्रंथनिदानमेंकोनप्रमान दाहादिपित्तकेलक्षणजेते प्रदरपित्तमोंलपहोतेते

॥ अथपित्तजउपाय ॥

॥ चोपई ॥ हरणरुधिरशरकरामिलाय अरुमधुमेलताहिपीवाय पित्तजप्रदरनाशतवहोय निश्चेकीजेमनमैंसोय ॥ अन्यच ॥ लोध्रमजीठअरधावेफूल नीलोत्पलसभलेसमतूल चूर्णपिवेदुग्धकेसंग

प्रदरपित्तकोहोवेभंग ॥ अन्यच ॥ सुंठमुलठीचूर्णकीजै मधूशर्करासंगमिलीजै दधियुतपीवेनारीजोय पित्तजप्रदरनाससतिसहोय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ चंदनवकमउशीरमुलठी लाक्ष्याधावैकरोइकठी नीलोत्पलककडीकेवीज कदलीफलवदरीफललीज पद्मकाष्टपद्मकोकेसर अवरवटजटासभहीसमकर चूर्णकरमधुसंगमिलावै तंडुलजलसोंपीदुःखजावै ॥ अन्यच ॥ कपित्थपत्रवांसाकेपत्र मधुशकरासोंपीसइकत्र नितप्रतिइस्त्रीपीवैतास पित्तजप्रदरहोइतवनाश ॥ अन्यच ॥ अशोकत्वचासहदुग्धपकावै शीतलपीवैपित्तजजावै ॥ अन्यच ॥ वलाअंसुमतिअवरउशीर कौडमुनक्कापावोधीर दुग्धसंगजोपीवेनारी प्रदररोगत्तिसनाहिविचारी ॥ अन्यच ॥ मुलठीचंदनकुरंटकेवीज चूरणतंडुलजलसोंपीज प्रदरपित्तकोकीजैनास ॥ वंगसैंनमतकीनप्रकास ॥

॥ अथवातजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ रूक्ष्यअरुणरंगफेनलजोय अल्यअल्यश्रवपीडाहोय ऐसोरक्तश्रवैजिसनारि ताकोंजानोंवातविकारे

॥ अथवातजप्रद्रचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मघांमंडमहूसमआन मुत्थरजवलेकल्कवनान गुडजलसंगजुपीवेतास प्रदररोगतिसहोवतनास ॥ अन्यच ॥ मुलठीउत्पलककडीवीज अवरशतावरीतामोदीज विदारीकंदइक्षुकोमूल यहसभलेपीसोसमतूल पुनशतधौतघृतताहिमिलावै योनिअंगशिरलेपनलावै वातजप्रदरहोइहैनाश अवरउपायकहोसुनतास ॥ अन्यच ॥ मुद्गपर्णिसोंतैलपकावै ताहितैलकोवस्त्रलगावै योनिमध्यपुनधारैसोय वातजप्रदरनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ नीलोत्पलजीराजुमुलठ सौवर्चलमुधुमोंकरोइकठ दधिसोंचूर्णपीवैतास वातजप्रदरहोइहैनाश ॥ अन्यच ॥ तिलचूर्णशूकरवसारलाय दधिघृतसंयुततासपकाय मधुयुतपीवेप्रदरनसावै यहनिश्चयअपनेमनल्यावै ॥ अन्यच ॥ रसकुलत्थरसशूकरमास यहमिलायसमपीवैतास वातजप्रदरनाशतवहोय मनमोंनिश्चाल्यावैसोय ॥ अन्यच ॥ सुंठमुलठीतैलमिलायमिसरीपुनदधितासमपाय संगमधाणीमंथनकरे पीवेवातप्रदरतिसटरे ॥ अन्यच ॥ निंवतैलदुग्धकेसंग पीवेवातप्रदरहोयभंग ॥

॥ अथसन्निपातजलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मधुघृतइवहरतालवरणजो प्रगटहोयअसरूपरक्तसो तासवरणमज्जाइवभासै सन्निपातअसरूपप्रकाशै सन्निपातकोंजानअसाध्य याकोंलषियेमहाउपाध्य

॥ अथअसाध्यलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ रक्तनिरंतरश्रवतोरहै त्रिष्णादाहअवरज्वरलहै इस्त्रीक्षीणरक्तहोइजावै दुर्वलतावहुतनप्रगटावै असइस्त्रीरोगणिलषपाय वैद्यचिकित्सातजउठजाय

॥ अथशुद्धरजलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जाहिमहीनेमोंइकवार इस्त्रिनहोवेरक्तप्रचार अल्पनहोयबहुतनाहिंहोय पांचरात्रिलगरहिहैसोय याहिशुद्धरजकरैंउचार अवरहुंचिन्हशुद्धरजनार सहेरुधिरइवरक्तनिकासै अथवालाक्षा-

रसइवभासे अरुवस्त्रनकोंरंगसुधरै तिसरक्तकोंभीश्रेष्टउचरै ॥ दोहा ॥ प्रदररोगवरननाकियोवैद्यककेअ-नुसार इहविधिचिन्हपछानकैपुनकीजैउपचार ॥ इतिप्रद्रनिदानम् ॥

॥ अथत्रिदोषजादिसर्वप्रदरउपाय ॥

॥ चौपई ॥ अवस्थ्यातरुणातियाहेजोय पतिसेवनजिसाकियानहोय ताकोउपजैप्रदरविकार अल्प-उपद्रवतासविचार रक्तपित्तविधानकेसंग औषधिवैद्यकरेतिसचंग ॥ अन्यच ॥ त्रिफलादालहलदअरु-वासा वचदूर्वाअरकौडयवासा यहसमक्काथहिंमधुजुमिलावै सीतलकरपुनताहिपिलावै सर्वप्रकारप्र-दरहोयनाश तासचिकित्साकीनप्रकाश ॥ अन्यक्काथ ॥ चौपई ॥ दालहलदकिरायतामुस्थर विल्वर-सौंतभिलावैसमधर अर्कदलवासासंगमिलावै क्काथकरैमधुपायापिलावै प्रदरसर्वसहशूलबिनाश अव-रहुंज्वरकोहोवेनाश ॥ अन्यच ॥ अथयूषघृत ॥ चौपई ॥ महुमाषकोयूषवनाय यहवस्तूतिसमाहिरलाय रासनामुत्थरमघ।जुपावै अवरविल्वतिसमाहिरलावै घृतसिद्धकोजेइनकेसंग पीवेप्रदररोगहोयभंग ॥ अन्यच ॥ कास्मरीमुद्गगुडूचीआने वदरीफलजुमुलठीठाने दुग्धपायघृतसिद्धकराय पीवेघृतरुजप्र-दरनसाय ॥ अन्यच ॥ मूसेकीविष्टापीसावै दुग्धसाथताकोंपीवावै रुधिरनदीप्रवाहामिटजाय सुखअ-रुशांतिप्रगटहोयआय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ चौरोलमूलरसौंतपिसाय मधुरलायकरताकोंपायतंडु-लजलसोंपीवैसोय नाशसर्वप्रदरकोहोय ॥ अन्यच ॥ कुशामूलतंडुलजलसंग तीनादिवसपीवैरुजभंग ॥ अन्यच ॥ अम्मीवीजचूर्णकरलीजै दोइदिनतंडुलजलसोंपीजै सर्वप्रदरकोहोइहैनाश तासउपायकी-नप्रकाश ॥ अन्यच ॥ नीलोत्पलअरुताकोमूल तंडुलरक्तजवायणतूल अवरजवाहांगेरीठान यहस-मचूर्णकरोसुजान मधुमिलायकरचाटैसोय नाशप्रद्ररोगकोहोय ॥ अन्यच ॥ रसौंतबालाक्षाचूर्णकीजै-अजादुग्धसौंताकोपीजै प्रद्ररोगकोहोइहैनाश दुःखजायतनसुखप्रकाश ॥ अन्यच ॥ मुषकविष्टादा-धिसोंपीजै प्रद्ररोगतासकोछीजै लोहितप्रद्रनाशहोइजाय असगुणताकोकह्योसुनाय ॥ अन्यच ॥ चौलेरीमूलकोचूर्णकीजै मधुरलायदुग्धसंगपीजै प्रदररोगजोसर्वप्रकार नाशहोयमननिश्चयधार ॥ अन्यच ॥ वलाअवरकुशाकोमूल चूरणकोजैसमयहतूल तंडुलजलसोंपीवैतास प्रदररोगहोयता-कोनाश ॥ अन्यच ॥ पलचारमुलठीआंनपिसाय पलप्रमाणतिहशर्करापाय तंडुलजलसोंकर्षप्रमाण पीवेनितहोयप्रदरकीहान ॥ अथघृत ॥ काश्मरीवटजटादोदंतआिन घृतइन्हकेसंगकरोपकान नितहीं-पीवैघृतकोंजोय रुधिरप्रद्रनाशतवहोय ॥ अथपुष्पानुगचूर्णम् ॥ चौपई ॥ पाठाजंवूअंवमंगावै पाषाणभेदअंवष्टकीपावै रसौंतमोचरसमुत्थरपतीस वाल्हीकपद्मकेसरसंगपीस लोधरगेरीसुंठीठान मरचकायफलपीसमिलान कटुकीकोगडविल्वजुधावै मंजीठकायफलद्राक्षरलावै अर्जन-रक्तचंदनजुमुलठ पुष्यनक्षत्रमांहीकरकठ मधुरलायतंडुलजलसंग पीवैहोयरोगयहभंग प्रदरअर्शभा-गैअतिसार योनिदोषरजदोषनिवार स्वेतनीलरंगपीतप्रद्रजो नाशहोयमनलेहुसमझसो अथअशोक-घृत ॥ चौपई ॥ अशोकत्वचाप्रस्थइकआन आढिकजलमौंकरैपकान पादशेषरहैसोजवै तलेउ-तारछाणिएतवै पुनअजाक्षीरतंडुलजलआनै जीवकरसभंगरारसठानै यहसभघृतसमताहिरलावै पुन-यहचूर्णपायपकावै जीवनीयद्राक्षफालसेघाल रसौंतमुलठशतावरिडाल मूलअशोकचुलाईमूल अर्ध-अर्धपलयहसमतूल पलजोअष्टशरकरामिलाय पुष्यनक्षत्रमंदाग्निपकाय वलअनुसारतासकोंपावै सुन-होएतेरोगनसावै प्रद्रनीलसितकृष्णाविनाशै कुक्षशूलकटिशूलसुनाशै योनिशूलमंदाग्निमिटावै-

पांडूरुजकशतानरहावै कासश्वासरोगहोइनास आयुस्वलप्रगटैतनतास श्रीभगवानविष्णु यहभाष्यौं लोकनकेहितहितसोंआष्यो ॥ अथशीतलकल्याणघृत ॥ चौपै ॥ कुमदअवरपद्मकजुउशीर गोधूमरकशालीलेवीर मुदगपार्णित्रापुसकेवीज कदलीफलमुल ठलेलीज काकोलीअरजीवकआने शालपर्णीपुनमुत्थरठाने नीलकमलअरुकंदविदारी ताल-कोमूलशतावरीडारी पायवलाआतिवलाकोमूल वस्तूलेवेसभसमतूल अवरजुकाश्मरीमेलेआन अर्ध-अर्धपलसकलसमान प्रस्थजुघृतपयप्रस्थजुचार दोयप्रस्थजलतामोडार पायपकायनिताप्रतिषावै प्रदर-गुल्मरक्तमिटजावै रक्तपित्तहलीमकनाशै कामलावातरक्तसुविनाशै मंदज्वरअरुचपांडुभ्रमजोय याघृ-तपानहुतेंनाहिंहोय ॥ अथशाल्मलीघृत ॥ चौपई शालमलिपुष्पनकोरसआन पृष्टपर्णिरसतामों-ठान काश्मरीचंदनरसवाचूर्ण प्रस्थएकघृततंहकरपूरण मंदअग्निसोंताहिपकाय षावैप्रद्ररोगमिटजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ गजकेसरअरुचंदनचूर तोषाक्षीरशरकरापूर यहसमचूरणषावैजोय नाशप्र-द्ररोगकोहोय ॥ अन्यच ॥ अथशतावरीघृत ॥ चौपई ॥ शतावरीरसलेप्रस्थप्रमान प्रस्थएकघृततामो-ठान प्रस्थदोयतिसदुग्धमिलावे इनवस्तुनकोकल्करलावे जीवनीयगणवलामुलठी नागवलादोयसा-रिवाकठी चंदनपद्मकभषडेलीज कंदविदारिकौंचकेबीज शालपर्णिअरपृष्ठजोपर्णी कर्षकर्षसभव-स्तूधरणी कास्मरीपावेपलपरिमान पावेशर्करासवहिसमान मंदअग्निसोंसिद्धकराय वलअनुसारनि-ताप्रतिषाय रक्तपित्तअरहिकाश्वास वातजपित्तक्षयीअरकास अंगदाहशिरदाहजुहोय रक्तपित्ततेंउप-ज्येजोय मूत्रकृच्छ्रसभप्रदरविकार इनरोगनकोंमूलतेंटार इतिप्रद्ररोगचिकित्सा

॥ अथयोनिरोगउत्पत्तिलक्षण ॥

॥ दोहा ॥ मिथ्याहारविहारकरस्त्रीकोयोनिविकार वायुपित्तकफदुष्टहोईऋतवीजंदेतविगार ऋत-वावीजंदोषतेंहोवतयोनीरोग अथवादेवकेदोषतेंजानोत्रेविधयोग सोहैवीसप्रकारकोंग्रंथनिदानसुकीन सो सभलिखीविचारकेलक्षणनामसुचीन ताहूकोसभउत्पत्तिनामप्रमानसुजान चर्कऋषीजहविधकहेभिन्नभि न्नतिहिमान चौप उदावर्तविलुतावंध्याजांन परिप्लुलवातलाकरीप्रमान लोहितक्षयादुप्रजाविनीपुत्रघ्नीअर पित्तलावामिनिअत्यानंदाकर्णिनीकहिये कर्णिकाआतिचरणालहिये अनार्तवस्तनीखंडिताजान अंडि नीविवृतासुचिवक्रामान अथयोनिनामविभागलक्षणम् ऋतुमोंलहूजकष्टसोंआवे रुधिरफेनयुतचलेवधाव उदावर्तसोयोनीकहिये निश्चैकरयहमनमोलहिये १ जाहिऋतूनाहिआवैकवही वंध्यायोनिनामति. हतवही २ जोयोनीनितपीडारहै विलुतयोनिताहूकोकहै ३ मैथुनमाहिभगपीडाहोय परिप्लुत योनिजानियोसोय ४ जाहियोनिकठोरअतिहोई शूलरहैनितवातलासोई ५ जाहियोनिदाहबहु. रहै रक्तचलैलोहितक्षयाकहै ६ जाहियोनिश्रवकुपितसोरहै दुप्रजायिनीनामसुकहै जिहयो निरुधिरपवनसंयुक्त वीर्यचलैसोवामिनीरक्त ८ नाभिगर्भस्थिरजातारहै पुत्रघ्नीनामतिंहयोनी-कहै ९ जाहियोनिमोदाहवहुहोइ पक्वजाइज्वरपित्तलासोइ १० मैथुनसेंजिसतृप्तसुनाहि अत्यानंदायोनोकहाही ११ कलीफूलसीजोनाजिहहोई रुधिरकफचलैकर्णिनसोई १२ प्रथम. पुरुषतेंजाहूयैांन त्यागेवीर्जसुचर्णिकतान १३ जाहियोनिवीर्यनहिरहै अतिचरणायोनिगुणिज-नकहै १४ अर्धेसमभगदीर्घआकार अनार्तवयोनिताहिविचार १५ जाहित्रियाकुचछोटे. जान अस्तनोयोनिताहूकिमान १६ जिसकीयोनिखंडितहोय मैथुनमेअघलटकेसोय

खंडितयोनिताहिकोजान आगेअंडनीकरोवषान १७ जाहियोनिछिद्रसूक्ष्महोई अंडनीयोनि. कहियतसोई १८ जाहियोनिछिद्रदीरघहोई विवृतायोनीकहियेसोइ १९ जाहूंमुखसूईसमजान सूचीवकत्रायोनिसुमान ॥ २० ॥

॥ अथइस्त्रीकेयोनिरोगोंकाक्रमयत्न ॥

॥ चौपई ॥ तगरकंडयारीसैंधालौन देवदारुकुठकाढातौन तैलपायपकायइहराखै ताहितै. लतूंवाभगराखै विप्लुतारोगताहितेंजाय योनिविकारसोमोक्षरहाय पित्तहरऔषधसोघृतमाहि भग-सेंकैपित्तरोगनसाहि आमलीरसमोंमिश्रीडाल दशादिनपीभगदाहकोंटाल भांगरेकीजढचूर्ण-कीजै तंडुलजलसोंपीदुखछीजै रादपडतयोनीहटजाइ भावप्रकाशमोंकहीवनाइ नींवपत्राकिर-मालापत्र वासापत्रपटोलकेपत्र जलमोमलयोनीतिहधोइ योनिदुर्गंधतबरहैनकोइ ॥

॥ अथान्यइस्त्रीरोगनिदानम् ॥

॥ दोहा ॥ इस्त्रीरोगनिदानकीव्याख्याकरोंबनाय योनिदोषयाकोंकहैंताहिदेहुसमुझाय ॥ चौपै प्रथमहियाकेकारणआषों ग्रंथनिदानमतीसमभाषों ॥ अथकारणनिरूपणं ॥ चौपई ॥ अलक्ष्य पुरुषजोसंगजुकरै अरुकृतदोषहुतेंसंचरै अरुपराचीनकर्मअनुसार वीर्यदोषतेंभीसविचार इन्हकार-णतियसोनिनमांहिं केतकबहुतरोगप्रगटांहि भेदयाहिवातादिकचार अवरभेदभीकरोंउचार वात-जपैतजकफजपछान सन्निपातजसोकरोंबषान ॥

॥ अथइस्त्रीकेयोनिदोषाचिकित्सा ॥

अथचूर्ण ॥ चौपै ॥ वरचकलौंजीजीराआन मघवांसासैंधापुनठान अजमोदाचित्रायवक्ष्यार यहस-भसमलेशरराडार यहचूर्णपीवैजलसंग योनिशूलहोइजावैभंग ॥ अन्यच ॥ रासनावांसाअसगंधपिसावै दुग्धमिलायपकायसुपावै योनिशूलकोहोइहैनाश निश्चैकीजैमनमोंतास ॥ अन्यउपाय ॥ गुडूचीदंतीत्रि-फलाआन इन्हसमक्काथकरैजुसुजान योनीतासक्काथसंगधोय शतपुष्पामूलजुलेपैसोय अंतरप्रविष्टयोनि-होइजास बाहरनिकसेलपियेतास ॥ अन्यच ॥ मूषकवसालेपजोकरै वाहरनिकसीभीतरवरै अथवातयुत योनिनाम ॥ दोहा ॥ उदावर्त्तावंध्याविप्लुताापरिप्लुतावातलाजोय इनपांचनमोंजानियोवातजपीडाहोय-

॥ अथवातजयोनिदोषलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ फैनजरजसकष्टजोत्यागै नष्टहोयरजपीडाजागै पुरुषसंगअतिपीडाहोय बंध्याभीह्वोइजा-वैसोय कर्कसयोनिजुअकडीरहै सूचिवेधइवपीडालहै वातजयोनिदोषयहकह्यो पैत्तिजसुनोजिसीविधि-लह्यो इतिवातजयोनिदोषलक्षणं

अथवातजयोनिदोषाचिकित्सा ॥

॥ अथगुडूचीघृत ॥ चौपै ॥ गुडूचीत्रिफलानिशामंगाय अभीरुशुकनासासंगपाय श्रीपर्णीजुद्राक्ष-विल्वजान कासमर्दकाफालसेठान अवरसहचरीआनमिलाय वस्तूलेसभकल्कवनाय यहसभकर्षकर्षपर-मान प्रस्थपायघृतकरैपकान मर्दनपानकरैनित्यजास बातविकारयोनिकोनाश ॥ अन्यच ॥ प्रस्थएकतिल-तैलजुलीजै एकप्रस्थगोमूत्रामिलीजै दुग्धचतुर्गुणतामोपाय गडूच्यादिसभकल्करलाय मंदअग्निसोंतैलप-कावे भगराखेसभरोगनसावे

॥ अथपैतिजयोनिनाम ॥

॥ चौपै ॥ लोहितक्षयाइकयोनिजान दुःप्रजायोनीदूसरीमान तीसरीवामनीयोनिकहिये पुत्रघ्नीसुचतुर्थीलहिये पित्तलापंचमीयोनीजोय पित्तपीडाइनयोनिमोंहोय

॥ अथपैतजदोषलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ रक्तसदाहसक्षोभनिकासै इस्थितगर्भहिंतुरताविनरशैं रक्तयोनिकोक्षयहोइजावै योनिसुपी. तवरणदरशावै दाहपाकज्वरयुक्तरहान पैतिजकेयहलक्षणगान

॥ अथपैतजचिकित्सा ॥

॥ चोपै ॥ शतावरीघृतजुबलाकोतेल मलैयोनिदुःखपित्तजठेल ॥ अन्यच ॥ काश्मरिसमकोगडकर क्काथ घृतजोपकावैताकेसाथ ताहीघृतकोमर्दनकरे पित्तजरोगयोनितेटरे रक्तविकारयेनिकोजाय इसप्रकारतिसकह्योउपाय ॥ अन्यच ॥ पित्तप्रदरकीऔषधजेती पित्तजयोनिमोजानोतेती ॥ अन्यच ॥ स्निग्ध स्विन्नहोययोनीजवहि दुस्थितकोस्थितकरियेतवहीं मधुरौषधसोंघृतवातेल सिद्धकरैपिचुधारेमेल अथ वावेसवारतिहधारे पित्तजरोगयोनिकेटारे

॥ अथकफजदोषलक्षणं ॥

॥ चोपै ॥ मैथुनकरजातृप्तनमानै शीतलयोनिसकंडुपछानै पुरुषसंगतेंप्रथमहिजोय वीर्यत्यागजुदेवेसो य यातेंवीर्यहिंप्राप्तनथावे तासयोनिपिछलालपपावे एतेलक्षणकफजपछान सन्निपातजसुनकरोंवषान

॥ अथकफजदोषचिकित्सा ॥

॥ अथकफजयोनीनाम ॥ दोहा ॥ अत्यानंदाकर्णनीचरणाअतिचरणामान इनचारोंकफवेदनाजानोवैद्यसुजान ॥ चौपई ॥ कफजविकारयोनिदरशावे औषधउष्णरौक्षहितगावे ॥ वर्तिका ॥ मधमरचां कुठलवणशतावर करैपीसवर्तिकावरावर अवरमाषतिसमाहिरलाय प्रादेशमात्रजुवर्तितवनाय ताकोंयोनिमध्यलेधरै कफजविकारयोनिकोहरै

॥ अथसन्निपातजयोनिनामलक्षणं ॥

॥ दोया ॥ अनार्त्तवअरतनीखंडिताअंडिनीविवृताजोय छठीजुसूचीवकत्रारोगत्रिदोषतेंहोय चौपई एलाधावैजंवूल्यावै मंजीठसर्जरससमपीसावै इसचूरणकोमर्दनकरै दोषदुर्गंधयोनिकोहरै ॥ अन्यच ॥ सर्वसुगंधवस्तुकोआन चूर्णकीजितिन्हकोजान योनिमांहिमर्दनसोकीजे दोषदुर्गंधयोनिकोछीजे योनिरोगयववातजजाने स्नेहस्वेदतिसमोंहितमाने वातहरनऔषधलपपावे तिनसोंघृतवातैलपकावे ताहितैलपिचुराखेभगमों वातजरोगनासहोयक्षणमों ॥ अथजोनिविकारनाशनधूप ॥ चौपई ॥ जंवूवा वेपत्रमंगावे शूरणपत्रसमपीसमिलावै धूपयोनिकोंदेवैतास सर्वविकारयोनिहोइनाश ॥ अथलक्ष्मणा घृत ॥ चौपई ॥ लक्ष्मणाचंदनलीजैलोधर उशीरपद्मकाष्टतामोंकर दोनोरजनोवचकपूर कुठपद्मकेसरसंगपूर दोइसारवामालतीफूल मुलठमांसीविडंगलेतूल देवदारुअरपाठालीजै पर्पटमुत्थरतामो दीजै शतपुष्पासमलेहुमिलाय कर्षकर्षजहचूरणपाय घृतएकप्रस्थपयप्रस्थजुचार यहपकायकरलेहुसुधार होयपुष्ववरषावैतास नाशबालग्रहकीनप्रकाश वंध्यापायपुत्रतिसहोय योनिदोषतिसरहैनकोय अथवाइनकेकाथकेसंग पकावेघृतजोषायनिसंग ॥ अथफलघृत ॥ चौपई ॥ दोइसहचराजुत्रिफला

आन शुकनासापुनर्नवाठान दोनोरजनीअवरगिलोय शतावरिमिदरासनाजोय कर्षकर्षयहचूरणपाय प्रस्थएकघृतताहिमिलाय चारप्रस्थपयपायपकावै षावैनारिदुःखयोनिमिटावे विवृतनिसृतयोनिविकार नाशहोंहिनिश्चैमनधार अवरदोषभीनाशजुहोय नारीगर्भप्राप्तहोयसोय ॥ इतियोनिरोगचिचित्सा ॥

॥ अथकंदरोगकारणं ॥

॥ चोपई ॥ कंदरोगकेकारणकहों दिवास्वप्नक्रोधपुनलहों अतिव्यायामअतिमैथुनजान दांतअ. वरनखक्षततेंमान भगमोंउपजितकुचलाकार कंदरोगतिसनामउचार योनिहुतेंपूरक्तनिकास कंदरोगइह' विधिलषतास सोभीवातजपैतजजान कफजअवरसन्निपातजमान

॥ अथवाताकंदरोगलक्षणं ॥

॥ अडिल्यछंद ॥ फूटीरूखीयोनिरहैसोवातजकहिये दाहरोगज्वरयुक्तहोयसोपैतिजलहिये नीलपु. ष्पइवकंडुसहितजोकफजपछानो सर्वलिंगसंयुक्तरहैसन्निपातजमानो ॥ इतिकंदरोगानिदानम् ॥

॥ अथकंदरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ सनेहक्रियावातजमोंठान पित्तजमोंरेचनपरमान कफजहोयतौवमनकरावै त्रिदोषजती, उपनायसुनावै ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाक्वाथमधुभगमोंपूर कंदरोगहोइजावैदूर ॥ अन्यच ॥ गेरीसुरमार. जानिविडंग कायफलआंवगुलीधरसंग मधुरलाययोनिकोंपूर कंदरोगहोइजावेदूर ॥ अन्यच ॥ हरड निंबसोंपूरेजोय कंदरोगनाशतवहोय ॥ अन्यच ॥ शूरमांसवामींडकमास षावेहोइकंदकोनाश ॥ अन्यच ॥ मूषिकमांससोंतैलपकावै वस्त्रभिगोययोनिधरवावै कंदरोगकोहोवैनाश तासचिकित्सा, कीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ जलसीपीमासातिंतिडीपकावै लेपेकंदनाशहोइजावै वैद्यचतुरजोउष्णादिवाय तौभीकंदरोगनरहाय ॥ इतिकंदरोगचिकित्सा ॥

॥ अथइस्त्रीसोमरोगनिदानं ॥

॥ चोपई ॥ सोमरोगजोइस्त्रिनहोय ताकेकारणवरणोंसोय अतिमैथुनअतिगमनतेंजान अतिही शोकतेंताहिपछान अरुविषदोषहुंतेंप्रगटावै अभिचारहुतेंयहकारणगावै इन्हकारणजलतनमंझार क्षोभप्राप्तिहोइकरेविकार श्रवतेश्रवतमूत्रअस्थान असप्राप्तहोवैलषमान निर्मलशीतलजलगंधविन अत्सयकरश्रवैहैनिशदिन तातेंतनदुर्बलहोइजाहि शिरषालीजिसहोवतताहि मुखअरुतालुसूकतो रहै मूर्छाजृंभाकोंवहिगहै त्वचाजुरूष्यप्रलापसुनावै क्षुधावधैसोनांहिअघावै भक्ष्यभोज्यचोक्ष्यअरुलेहि भोजनचाहकरहैजोएहि इन्हभोजनकरतृप्तनथीवै सोमरोगयानामकहीवै सोमरोगइस्त्रिनकोंहोइ तन समार्थिताषोवैसोइ सोमनामअर्थयहजान इहविधिभाषेग्रंथनिदान इस्त्रिरोगनिद्रानवषान्यो ज्योंनि- दानभाष्योत्योमान्यो ॥ दोहा ॥ इस्त्रीरोगनिदानकीभाषाकरीविचार करैचिकित्सासमुझयहजातें मिटैविकार ॥ इतिइस्त्रीसोमरोगनिदानम् ॥

॥ अथइस्त्रीसोमरोगचिकित्सा ॥

॥ चोपई ॥ कदलीकेफलपक्वमंगावै मधुशरकरामिलायमथावै धात्रीफलरसपायषवाय सोम रोगनाशहोइजाय ॥ अन्यच ॥ चूर्णमाषमुलठीआन विदारीकंदमधुशर्कराठान यहसमदुग्ध- मिलायजुपीवै सोमरोगनाशतवथीवै ॥ अन्यच ॥ विदारिशतावरिसमपीसाय फलकदलीको-

पक्कामिलाय दुग्धसाथकरहैसोपान होवतसोमरोगकीहान पीडासाहितसोमरुजजाने तालीसपत्रए-लासंगठानै मदरासंगजुपीवेनारी सोमरोगनहिरहितविचारी ॥ दोहा ॥ इस्त्रिरोगउपाययहवंगसें नअनुसार समुझचिकित्साजोकरैउठैनकोपविकार इतिइस्त्रीसोमरोगचिकित्सा ॥

॥ अथइस्त्रीमूत्रातीसारलक्षणं ॥

॥ चोपई ॥ सोइसोमरजसंयुतहोय वारवारतियमूत्रेसोय जोसोमरोगवहुतदिनरहै मूत्रअतीसार ताहिकोकहै मूत्रवधनसेंवलनरहाय मूत्रअती सारताहिकोगाय ॥

॥ अथइस्त्रीमूत्रातीसारचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तालवृक्षकीजढहिंमंगाय विदारीमुलठछुहारापाय समऔषधपीसमहीनसुकरै मिस रीसहितमिलायसुधरै एकटंकभरपायप्रभात मूत्रअतीसाररोगनरहात ॥ अन्यच ॥ पवाडजढलेतंडुल-रसपाय पीवैमूत्रअतिसारनसाय ॥ अन्यच ॥ मूसलीश्वेततालवृक्षमूल केलापक्करलायसमतूल दूध संगपीवैजोकोई मूत्रातीसारनासतिसहोई ॥

॥ अथभगसंकोचनउपाय ॥

॥ चौपई ॥ तुंवीपत्रलोधरसमपसि भगलेपेसंकुचितसुदीस ॥ अन्यच ॥ वेंतकूमलीकोकरक्काथ गाढाहोयभगधोतिससाथ ॥ अन्यच ॥ मूषकवसायोनिमलवावै कन्याइवनारीदरशावै ॥ अन्यच ॥ फलपलासरुंवलफलआन पीसतैलमधुकरोमिलान लेपनयोनितासकोंकरै योनिसंकुचतगाढताधरै ॥ अन्यच ॥ मुंद्रफूलखैरसारामिलाय हरडजायफलमाजूपाय अवरसुपारीआंनरलीजै सभसमवस्तू-चूरणकीजै महीनपीसवस्त्रसोंछान योनिधरैसंकोचप्रमान पुनः क्रौंचजढहिकाकाढाकरै भगधोवै-संकोचअतिधरै पुनः भंगपीसपोटलीवनाय भगमोराषसंकोचकराय पुनः मोचरसाअतिपीस बनावै योनिधरैसंकोचकरावे पुनः आंवलेजढवंवूलजढआन वेरजढअरुवांसाजढमान माजूफल-कुरंटऔटाय तिहजलधोइसंकोचकराय पुनः दधिसुंठीलेयोनीधोवै संकोचभगनिश्चैकरहोवै पुन-फटकडीकाजोफूलमंगाय माजूफलतिहसाथरलाय पोटलिकरगभमोंजोसरै योनिसंकोचनिश्चैकरधरै

॥ अथलोमसातनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ दोइभागशंखकोचूरण हरतालएकभागकरपूरण कदलीकेरसलेपैतास लोमसमस्तः नकोहोइनास ॥ अन्यच ॥ भागपांचशंखकोचूरण हरतालएकभागतहांपूरण पलासभस्मइकभाग पछान सभहोइकत्रचूरणठान यहलेपेजुरोमगिजरांहि अवरहुभीयोंभाषसुनाहि ॥ अन्यच ॥ शंख-चूर्णकरपूरमिलाय यवक्षारमनछलहरतालरलाय यहसमतैलपकायमलावे निर्मूलसमस्तलोमहोइजावैं.

॥ अथस्तनकठोरकर्णविधिः ॥

॥ चौपई ॥ कणाअवरअलंवसाआन दोइसमतैलहिंकरोपकान कुचनमलैअरुलेनसवार कठ-नस्तनश्रीफलआकार ॥ अन्यच ॥ श्रीपर्णितैलकुचमर्दनकीजे अरुनसवारतासकोलीजै कठनस्तन-गजकुंभन्याय होवेंताविधिकहींसुनाय

॥ अथस्तनरोगनिदानं ॥

॥ चौपई ॥ नारिनकेस्तनदोयप्रकार अदुग्धसदुग्धजुताहिविचार गर्भनिश्रवरप्रसूताजोय तासु-तियास्तनदुग्धसुहोय गर्भप्रसूतीज्ञाननजाने तासतियास्तनअदुग्धसुजाने विवृतनाडीमुखकेद्वार दोष करैस्तनमोसंचार मासरुधिरकोदूषितकरे स्तनमोंशोथआनसोधरे शोथवृद्धपीडायुतजोय जैसेंरुधिर मांसपिंडहोय जैतेलक्षणविद्रधिजान स्तनरुजमेंतुमसोइपछान वाह्यविद्रधिपांचप्रकार लक्षणरक्तजवि-नाविचार

॥ अथस्तनरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ रोगपीडजिसकेस्तनहोइ जलौकनरक्तनिकालेसोइ ॥ अन्यच ॥ विद्रधिरुजकीऔ-षधजेती वैद्यविचारकरैसभतेती ॥ अन्यच ॥ स्तनरुजदेषेआमविकार उपायकरेमतिकेअनुसार पि-त्तहरनसभऔषधजोय तिहसंयोगहिंकरेजुसोय व्रणवतक्रियाजुकीनीपाछें स्तनरुजहोवततातेंआछे अन्यच ॥ लेमघचूर्णजलमोंपाय तप्तलोहतिसमाहिवुझाय तासहिजलकोकरैहैपान स्तनरुजकीति सहोवतहान अन्यच चौपई वरुणापत्रपीसजलसंग घृतसोंलेपकरेरुजभंग अन्यच विशालामू-ललेपजोकरे स्तनकीपीडातातेंटरे ॥ अन्यच ॥ कुआरगंदलरजनीलेपावै लेपैस्तनपडिामिटजावै ॥ अन्यच ॥लेहुककोडीवंध्यामूल धत्तूरेफलकरसमतूल स्तनकेऊपरलेपैतास होयशूलपीडाकोनाश

॥ अथस्तनवृद्धकरणउपाय ॥

॥ चौपई ॥ कोमलवरणापत्रमंगावै करमर्दनकररसनिकसावै सोइस्तनपरमर्दनकीजै स्तनकी वृद्धीहैंहिलषीजै

॥ अथकुस्मजननविधि ॥

॥ चौपई ॥ गृहचिरइस्थितयज्ञजुमाल तिसआंवपत्रपीसजलनाल पीवैकुस्मजुउपजितनार यहनि श्चयकीजैचितधार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ मरचांपीवैमदरासंग कुस्मप्रगटहोयनारीचंग ॥ अन्यच' कटुतुंबीकेवीजपिसावै दंतीवीजअपामार्गरलावै मघामयनफलगुडसमपाय पीसवर्त्तिकाकरोवनाय थोहर. दुग्धयवक्षारमिलावै योनीमध्यसोवटीधरावै तौभीकुस्मप्रगटहोइतास तासउपाअसकीनप्रकाश अन्यच मालकंगुणीपत्रपिसावै भुंनघीउसोंजाहिवनावै शीतलजलसोंकीजैपान कुस्मनाश्किोउपज्योमान ॥ अन्यच ॥ सुरराजवृक्षकेवीजपिसावै जलसोंपियेकुस्मप्रगटावै ॥ अन्यच ॥ जोइस्त्रीकोपुपपन-आवै मछीमांसभक्षणरुजजावै पुनः नितकांजीवातिलवामाष नितसेवनदधिहोइऋतखाप पुनः अथवामालकंगुणीराई विजयसारफुनवचमिलाई शीतजलसोंपीसैताहि दिनसातपाइपुपपवलआहि इतिकुस्मजननविधिः

॥ अथवंध्याचारप्रकारवर्णनं ॥

॥ चौपई ॥ वद्धकुक्षागर्भश्रावाकहिये गर्भपातमृतवत्सालहिये वद्धकुक्षात्रियसातजुदोष ताकोव-र्णोंरोगफुनमोष जिहात्रियगर्भमुखतिलकृतहोय वीरजतामोपडैनसोय ताहिपरीक्ष्याइहविधजानो ऋतू-कालसिरपीडामानो औषधयाविधकरैसुत्रीय कर्पासवीजसुहागालीय मुर्गीअंडेसंगतिहपीस गहरा-खरलगोलीकरलीस सोगोलीपोटलकरवाहि तीनदिवसऋतनिसदिनमाहि जोनीकेभीतरतिहधरै

चौथेदिनमज्जनफुनकरै तियकमुखतिहरोगविनासै गर्भत्र्प्राशतिहउदरप्रकासै दूसरवायूज्योनिविकार. गर्भमुखहिंसोवंधकरडार तिहकरऋतूसमयमंझार मस्तकपीडाहोयत्र्प्रपार ताहित्र्प्रौषधीयहाविधजानो तिलत्र्प्ररुतैलाहिंगसमत्र्प्रांनो तीनदिनवसटंकटंकप्रमान चौथेदिनसोस्नानप्रधान इहविधत्र्प्राशगर्भप्रगटावै इस्त्रीवंध्यागर्भसुपावै तीसरमासवृद्धिकरगर्भ मुखवंधहोतनारीविधसर्भ ताहिपरीक्ष्याभोगमंझार हृदयपीडहोवतसुवचिार चिकित्सातांकीइहीप्रमान हाथीनषकीभस्ममंगान कौडेतेलमोताहिमिलावै ऋतूकालजोनीमोलावै चौथेदिनास्नानकररहै गर्भरहैइहउपायऋषकहै चौथोरोगकीटककरभाषै सोभीरजसभपूर्णचाषै तिसकरभोगसमेवूचिार कटिमोपीडाहोतत्र्प्रपार ताहिउपायसज्जीसावूनऋतुत्रैदिवसनितधोवैजून कीटमरैत्र्प्राशामनधरै गर्भहोयइस्त्रीविधकरै पंचमदाहयुतदोषविकार. सोदाहशुक्रकोंरक्तकरडार ताहिपरीक्षियायोंहिउचारै भोगसमैपीडापगधरै तिहउपायगुडकालाजीरा दालचीनीगुटकाकरधिरा ऋतूकालत्रैदिवसमंझार जोनिमाहिनिसदिनतिहधार पुनगर्भधारकीहोवैत्र्प्राश ग्रंथकारमतकियोप्रकाश षटसोंसीतलजिहजोनीपरै सिथलपैडकछुसुधनहिधरै कुर्कुटविष्टामघामंगाय गुटकाकरऋतुकालसमाय तीनदिवसजोनीमोराखै सिथलहरैफुनगर्भप्रकासै मातृदोषतासमोकहै सर्वत्र्प्रंगतिसपीडारहै भयमें रोमखडेहोइजावै स्वप्नत्र्प्रधिकशांतीनहित्र्प्रावे मणित्र्प्ररुमंत्रतंत्रप्रधान टूणात्र्प्रौषधजानप्रमान तिसकरहोवैगर्भकीत्र्प्राश सातप्रकारइहकीनप्रकाश पुनमृतवत्साकहीप्रमान जाहिवालकहोवतहान तिहउपायप्रायश्चित्तहिकहै कर्मविकामतिसोलहै गर्भश्रावगर्भपातमंझार इस्त्रीउपायजानमनधार ॥

॥ त्र्प्रथगर्भउत्पादनविधिः ॥

॥ चौपई ॥ पुष्यनक्षत्रकेमंझार पुतलीस्वर्णपुरुषत्र्प्राकार स्वर्णत्र्प्रष्टपलकीकरकोय त्र्प्रष्टजुपलपत्रलीजैसोय त्र्प्रग्निमध्यपुतलीसुतपाय ताहुदूधमोंलेयवुझाय रितकेसमयपीवेपयसोय चिरंजीवपुत्राहिंप्राप्तहोय ॥ त्र्प्रन्यउपाय ॥ चौपै लक्ष्मणावटजटादुग्धपीसाय विंदुवामनासाजुचढाय रितुकेसमययहकरैविधान कंन्याजन्मेतियकोंमान ॥ त्र्प्रन्यच ॥ वलात्र्प्रतिवलात्र्प्रवरमुलठ पायशरकरापीसइकठ मधुघृतदुग्धमिलायजुपीवै पुत्रप्राप्ततिसनारीथीवै ॥ त्र्प्रन्यच गजकेसरपूगीफलत्र्प्रान दोनोसमयहचूरणठान दुग्धसहितपीवैरितुकाल सुंदरउपजैताकोंवाल ॥ त्र्प्रन्यच ॥ इसीक्काथसमपयघृतपाय रितुकालपीवेतीयगर्भधराय ॥ त्र्प्रन्यच ॥ मवांमरचत्र्प्राद्रकगजकेसर यहसमपीसैकरैइकत्तर घृतसोंपीवैरितुकेकाल गर्भधरैसुंदरहोइवाल वंध्याभीजोपीवैयाहि गर्भधरैनिश्चयलषताही ॥ त्र्प्रन्यच ॥ दधिघृतदुग्धातिलनकोतेल करसोंमथैपात्रमोंमेल सहसघचूर्णपीवैरितुकाल जन्मे तांकोसुंदरवाल ॥ त्र्प्रन्यच नितइकपत्रपलासकोलीजै ताकोसूक्ष्मचूरणकीजै दुग्धसहितनितगर्भणिपीवै पुत्रपराक्रमिताकोथीवै ॥ त्र्प्रन्यच ॥ पुष्यनक्षत्तरकेमंझारै मूललक्ष्मणाकोजुउपारै कन्यासोंजुपिसावैसोई दुग्धसघृतसोंपीवैजोई स्नातारितजोकरहैपान जन्मेपुत्रताहिकोमान ॥ त्र्प्रन्यच ॥ कुडवएकलीजैतिलतेल कुडवएकवृषमूलसोमेल यहपकायरितत्र्प्रंतमंझार पीवैताहिजोवंध्यानार पुत्राहिंप्राप्तनारिहोइसोय यामोंसंशयनाहिनकोय ॥ त्र्प्रन्चच ॥ पुत्रजीवमूलसपत्रपिसावै पीसदुग्धमेंताहिपकावै रितांतनारिपीवेतिसजोय दीर्घायुपुत्रप्राप्ततिंहहोय ॥ त्र्प्रन्यच ॥ पुष्यनक्षत्रजाहि.

दिनआवैं सितकंडयारीमूलपिसावै दक्षिणनासाकेसोद्दार पीवैपुत्रजन्मेतिसनार ॥ अन्यच ॥ वटकीजटाअसनप्रवाल चूर्णकरैसमतीनोडाल गौसवर्णवत्साइकरंग पिवैतासदुग्धकेसंग पोवेपुष्यनक्षत्रहिंमांहि जन्मेपुत्रशास्त्रयोंगांहि रोमराजीवामेअंगजास जानलहोकन्याहोइतास रोमराजदिहने. अंगजोय पुत्रताहिइस्त्रीकोहोय इतिगर्भोत्पादनविधिः

॥ अथपौरुषीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ शालीतंडुलदुग्धकेसाथ भोजनकरैजुनरसुनगाथ अथवामाषकोभोजनकीजै दृढहोएवीर्यसोसुनलीजै आनंदयुक्तपुरुषहोयजबै दृढधीर्यतुमजानोतबै योनिरोगकहेबीसप्रकार उनतें. योनिजुशुद्धानिहार ऋतुकालयुग्मदिनजानेशुद्ध विचारभोगंकरअपनीबुद्ध ताहिसमेकुक्षीमंझार स्थितवीर्जहोयदेषविचार भोगसमेयहमंत्रउचारे सोहमलिख्योजुग्रंथमंझारे मैथुनश्रमनहिजवतकजाय ऊर्धमुखहोयनारिरहाय अधिकवीर्जतेंसुततुमजानो ऋतूअधिकहोयकन्यामानो ऋतवीर्जहोय जवहीसमान तातेंभिंडुलाउत्पतजान वीर्जपरेदोयधाराहोय उत्पतयुग्महोततवसोय इसाविधइस्थितगर्भकीजान आगेऊैषधकरोंवषान अथमैथुनसमयकामंत्र ॐआहिरासिआयुरसिसर्वतः प्रतिष्ठासिद्धचतान्विदधातुब्रह्मवर्चसाभवे दितिब्रह्माप्रजापतिर्विष्णुः सोमः सूर्यस्तथाश्विनौभगोथमित्रावरणोवीरं ददतुमेसुतं इसमंत्रकाभोगसमेउच्चारणकरे अथफलघृत चौपै मुस्थरकुठकौडत्रिफलाय दोनोरजनीवरचमिलाय मघकाकोलीक्षिरिकाकोलि मेधारासनादंतीघोली देवदारुप्रयंगुमुलठाविडंग अजमोदाविशालाउत्पलसंग दोइचंदनजुसारवादोय वंशलोचनशतावरिसंजोय महामेदाकटफलअरुहिंग जातीपुष्पशरकरासंग यहकर्षकर्षघृतप्रस्थमिलावै चतुर्गुणदुग्धसुपायरलावै पुष्यनक्षत्रजवैलपपाय गोमयअग्नेताहिपकाय ताम्रपात्रमोताहिधरावै अथवासुष्टकलशमोपावै यहघृतपुरुषपानकरैजोय बृषभन्यायइस्त्रिनमोंहोय वंध्याइस्त्रिपीवैजास गर्भधरैनिश्चैकरतास अस्थिरगर्भापीवैजोय इस्थिरगर्भनारिसोहोय अल्पायुपुत्रवतीजोपीवै चिरायुपुत्रजन्मेसुखथीवै फलघृतनामयाहिकोजान भारद्वाजऋषिकीनवषान इतिफलघृत अथमहाफलघृत ॥ चौपै ॥ मंजीठमुलठकुठात्रिफलाय मेदावरचअरशर्करापाय अजमोदादोइरजनीआन क्षीरकाकोलीउत्पलठान हिंगुकौडअसगंधदोइचंदन कुमुदद्राक्षसमयहदुःखकंदन कर्षकर्षइन्हकोपरिमान घृतइकपायप्रस्थसुनस्यान दुग्धशतावारिरसपुनलीजैं चतुर्गुणघृतमोपायपकीजैं इसघृतकोजोऊनरपीवैं इस्त्रिनमोंवृषभइवथीवै वंध्यापियेपुत्रतिसहोय कन्याजननीसुतजनैसोय अस्थिरगर्भाषावैजास इस्थिरगर्भहोइहैतास मृतपुत्रानारिजोषाय जीवनपुत्ररहैसुखपाय अल्पायूसुतहोइदीर्घाय इतन्योकोंयहघृतसुखदाय मूललक्ष्मणावैद्यसुजान सोभीयहघृतकरैमिलान ॥ अथशतावरिवृत ॥ चौपई ॥ लेयशतावरिअवरविदारी भषडेमाषमकरटीडारी भिन्नभिन्नइन्हकोंकरैकाथ काथप्रस्थप्रस्थघृतसाथ चारप्रस्थसंगदुग्धमिलावै मंदअग्निसोंताहिपकावै जोगुणपूर्वघृतकरैवषान सोऊयाकेघृतमोंजान ॥ अन्यउपाय ॥ चौपई ॥ विधारामूलघृतदुग्धपकावै पियेपुरुषअसगुणलेषपावै ताहूकेवीर्यकेसंग उपजैपुत्रसुष्टबहुचंग ॥ इतिगर्भोत्पादनपौरुषीचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथगर्भवतीलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ छर्दहोयअंगपीडाजास थुकथुकीरहेनिरंतरतास रोमहर्षसभतनमोंदेषें स्तनमोंश्याम-ताआनसुपेषे मनमोंग्लानिहोवतजास उदरशब्दविनरहेतिनतास नेत्रकुक्षिहोयमैलनिषिद्ध गर्भणीलक्षण-जानप्रासिद्ध

॥ अथइस्त्रीगर्भप्रथममासादिचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ गर्भिणीप्रथममासमंझार करतरहैसुनयहउपचार मुलठीशाकवृक्षकेवीज काकोलीसु-रदारुलीज दुग्धसंगनितकरेजुपान चिकित्साप्रथममासकीमान पुनद्वितीयमासपरयंत अस्मंतकश्याम. तिलपयतंत त्रितीयमासयहकरउपचार सोमवल्लीशतावरीडार दोनोयहसमपीसरलावै दुग्धसाथपीवै-योंगावै चतुर्थमासयहकरउपचार वंदापयस्यादुग्धाहार पंचमसारवाउत्पलप्रयंगु यहसमपीस पियेपयसंग षष्टममोंयहकरउपचार अनंतासारवारासनाडार पद्मुलठीपीसामि-लावै दुग्धसाथसमपानकरावै सप्तममोंसिंघाडेभेह द्राक्षमुलठीसितामिलेह यहसमपीसदुग्ध-सोंपान करवावैऐसैंलषमान अष्टमाविल्वकंडयारीदोय कपित्थपटोलइक्षुसंजोय यहमूलदुग्धसि-द्धकरैपान मैथुनअष्टममोंनहीमान जोअज्ञानसोंमैथुनकरै तौगर्भपातितहोइभूपरगिरै अथवावा-लअंधहोइजावै वधरमूकवाकुवजाथावै नवमेंमासमाहियोंजान अनंताअवरमुलठआन सारवाअ-वरपयस्यापावै दुग्धसाथयहचूरणपिवावै दशममासजवप्राप्तथीवै सुंठपकायदुग्धसोंपीवै यहजुचि-कित्साकीनउचार गर्भिणिकोबहुहैहितकार ॥

॥ अथगर्भशूललक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मासएकादशप्रविशैजवै शूलहोयगार्भिणिकोतवै ॥

॥ अथगर्भशूलयोनीशूलचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ ताकीऔषधकरोंवषान सुंठदुग्धसोंकरहैपान ॥ अन्यच ॥ शिवाक्षीरकाअ-रुसुरदार उत्पलमजीठमुलठोडार यहसमपीसदुग्धसंगपान शूलशांतिहोवैयोंजान ॥ अन्यच ॥ सिताविदारीकाकोलिय क्षीरकाकोलीसमयहकीय अवरमृणालतासभोपाय चूर्णपीसमहीनवनाय दुग्धसाथयहकीजैपान द्वादशमासशूलकीहान ॥ अन्यच ॥ कासाकुशाएरणकोमूल गोषुरमू-लसभीसमतूल दुग्धमिलायपकावैतास खायेससिताशूलहोइनाश ॥ अन्यच ॥ कसेरूउ. त्पलपद्मासिंगारै एरंडजीवनीशतावरिडारै इन्हसमसोंजुदुग्धपकाय पायशरकरापीदुःखजाय ॥ अन्यच ॥ उदुंबरविल्वप्रयंगुलेलीजै अवरवटजटापायपकीजे गर्भिणिनारपानकैरतास होइहैगर्भशूलकोनाश ॥ अन्यउपाय ॥ पतितगर्भाजोहोवैनार ताकोभाषोंसुनउपचार करहैसोय. मद्यकोपान तासविकारसभहोवैहान ॥ अन्यच ॥ मुथ्रसिंगाडेपद्मकलीजै उत्पलषष्टीतं-डुलदीजै मुद्गमुलठीतासमोपावै दुग्धशर्करापायापिलावै गर्भशूलकीपीडाजाय अवरगर्भच्युत-पीडामिटाय हिंगुमवांपाटलीपतीस चवकाभिडंगसिुंठीपसि मेदारासनासभसमलीजै पीसलेप-जोनिपरकीजै कोमलयोनिहोयहैतास योनिशूलभीहोवैनाश अन्यच ॥ भंगरामूलविल्वमदरा-संग लेपैयोनिशूलहोयभंग॥ इतिगर्भशूलाचिकित्सा ॥

॥ अथगर्भणीज्वर अतीसारचिकित्सा ॥

॥ अथक्वाः ॥ चौपई ॥ चंदनमुहूंउशरिमुलठ पद्मसारवाकरोइकठ इन्हसमहूंकोकीजैक्वाथ पीयेशरकराअरुमधुसाथ गर्भिणिनारीकोज्वरजावै तासचिकित्सायोंलषपावै ॥ अन्यच ॥ चंदनलोधरद्राक्षमंगावै सारिवासमकोक्वाथवनावै पायशरकरापीवैतास गार्भिणिज्वरकोहोवेनाश ॥ अन्यउपाय ॥ अजाक्षीरसोंसुंठामिलावै गर्भिणिनारिविष्मज्वरजावै ॥ अन्यच ॥ अंवअवरजंवूसमक्वाथ लाजासत्तूमेलोसाथ मधुरलायपुनचाटैसोय संग्रहणीनाशगर्भिणिकोहोय ॥ क्वाथ ॥ वालाअरलूवताउंउशीर रकतंचदनधनियांपर्पटवीर मुथरजवांहागिलोयपतीस कीजैक्वाथसभीसमपीस ज्वरनाशैपीयेगर्भिणिनार जायअतीसाररक्तअतिसार ॥ अन्यउपाय गोधामांसपकायजुषाय वातपित्तकफजमिटजायऐतेरोगहोयहैनाश अवरवालग्रहदोषविनाश ॥ अन्यच ॥ पारावतकीविष्टाआन तंडुलजलसोंगार्भिणिपान गर्भपातउपरंताविकार नाशैगर्भश्रावानिरवार ॥ इतिगार्भिणिज्वराचिकित्सा ॥

॥ अथगार्भिणीउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ जबइस्त्रीकोगर्भगिरजावै सोकारणइहदुःखप्रगटावै दाहशूलहोयपसलीपीर पृष्टपीडहोयजानोधीर जोधर्महोयवहुनविचार मूत्रमंदहोइउतरेधार सोउउपद्रवनामवषानो गर्भगिरेतेंउत्पतजानो

॥ अथगर्भिणीस्त्रीकेअफारेकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ वरचरसोंताहिंगुकालालौन इनमैदूधऔटावैतौन पीवेइस्त्रीअफाराजाय चर्कऋषीइहकहैउपाय

॥ अथगर्भिणीकेमूत्रउत्तरणेकायत्न ॥

॥ चौपई ॥ कुशामूलपुनदूर्वामूल तीजोपायतिहकासजढतूल गौदुग्धमोंताहिपकाय पीवैइस्त्रीमूत्रछुडाय

॥ अथगर्भश्रावगर्भपातलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जिन्हकारणतैंगर्भश्रवावै तिन्हकारणकोप्रथमसुनावै अविघातहुतैंभयतेजान तीक्षणभोजनतेंपुनमान तीक्षणपानहुतैंभीसोय गर्भश्रावइस्त्रिनकोंहोय मासचारलगद्रवेसुश्रावै पंचम षष्टशरीरगिरावै

॥ अथगर्भश्रावगर्भपातचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥गर्भश्रावकेआदिउपाय करैतुगर्भश्रावनाहिंथाय शीतलजलसिंचनअरुस्नान शीतललेपनशीतलपान अरुशरकरासाहितपयपीवै इन्होउपायकरश्रावनथीवै ॥ अन्यच ॥ रक्तकमलकोमूलमंगावै सितामुलठीतिलजुरलावे दुग्धसाथयहकजिंपान पतितागर्भसोस्थिरकरमान ॥ अन्यच ॥ कुठशालिपरणीकोमूल छागमूत्रसोंपीसमतूल गर्भपातसोनाशविकार वैद्यकशास्त्रहिंकीनउचार ॥ अन्यच ॥ जीवनीयगणयुतजुपकावे अथवादुग्धपकायपिलावे तातेगर्भनासनहिहोय वंगसैनमतजानोसोय

॥ अथजिसइस्त्रीकावायुकर्केगर्भसूकजाइ ॥

तिसकालक्षणयत्न ॥ चौपई ॥ जिहइस्त्रीवायूगर्भसुकाय पेटवैठसूकादरसाय इहकारणतिसकरणेजोग दूधमांसरसपुष्टकरभोग दूधपानकरैरुचिलाइ गर्भविकारउपरतेंजाइ

॥ अथगर्भणीमूढगर्भनिदानलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मासलखोजोबालकगर्भ जोइस्त्रीनवदशमोंसर्व बालकउपजैयाराहिंवार रोगगर्भनिश्चोजियधार गर्भश्रावकेकारणजोय उनकरमूढगर्भभीहोये जोइस्त्रीउदरमोंवायूकोपै कुक्षियोनिबहुशूलजुरोपै मूत्रवंधदुष्टताकरै चारप्रकारमूढतावरै सोप्रकारपवनकरजानो चा॰अथवाअष्टकरमानो कीलकप्रतिखुरपरिघअरुवीज मूर्द्धबाहुचरणपसरीज आठप्रकारबालककुक्षरहै गर्भवासइहविधिवुधकहै पवनकोपतेंशय्यात्यागे योनिद्वारमोंआनसुलागे तातेंमूढजुगर्भकहाय निदानग्रंथमतदियेवताय अष्टमैंभिन्नभिन्नतिंहलहौं आठप्रकारकेलक्षणकहौं

॥ अथकीललक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ चरणभुजाअराशिरयहतीन योनिद्वारहोयआनसुलीन योनीमुखमोंकीलकीन्याय आंनलगेसोकीलकहाय

॥ अथप्रतिखुरलक्षणं ॥

चौपै हस्तपादभगवाहरआय तौजानोप्रतिखुरलषपाय २ योनिमूढमैंअर्गलन्याय लागेपरिघसुनामकहाय ६

॥ अथवीजलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ योनिमूढदोभुजशिरअटके बीजगर्भतिहजानवुद्धकरके योनिमूढमेंपठिजुअटके अथवा पसलीताहीअटके योनिमूढतवनीचिजाय पसलीपीठयवहिअटकाय आठप्रकारमूढथर्भहिकहै उत्पत्तिताहिपरीक्षाअहै

॥ अथअन्यप्रकारमूढगर्भलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ वातमूढगर्भरुजकरै योनिजठरमोंपीडाधरै मूत्ररोधवातप्रगटात योनिमध्यप्रगटतउत्पात डिंगोटेढोगर्भसुकरै वालकआनद्वारमोंधरै योनिद्वारसोवालरुकावै नहिनिकसेवहुदुःखप्रगटावै शिरअरुजठरपीठसोंसोऊ एकहस्तइकभुजसोंवोऊ अथवादोइकरदोइभुजसंग एकोपाददिपादनसगं योनिज अंगनभगकोद्वार रुकेवालदुःखदेतअपार

॥ अथमूढगर्भअसाध्यलक्षणं ॥

चौपै ॥ शरीरनसासभहोवतश्याह मूढगर्भकेलक्षणताह नीचेशिरहोयनारीतास यवनकरैयहकष्टप्रकाश तातेंनारिशीतलहोयजावै निरलज्जहोइवहुव्याकुलपावै गर्भनाशतासकोकरै अथवागर्भहिसोपरिहरै यहगतिताकीकीनवषान आगेंसुनहोंपुरुषसुजान केतीनारिनकोंजुस्वभाय गर्भहुतेंवहुरुजप्रगटाय केतीकोजुगर्भहोइनाश रोगदूरहोइजावैतास

॥ अथमूढगर्भचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मूढगर्भनारीजवजाने सीघ्रचिकित्साताकीमाने दाईचतुरजुऐसीहोय वालकवहुतजनावेजोय ऐसीकोतत्कालवुलाय करैचिकित्साताकीआय अपनोहस्तयोनिमोधरै डींगोवालकसूधाकरै जीवतवालकवाह्यनिकारै पाछेऔषधयोनिमोधारै यातेंगाढीभगहोइजाय ऐसीऔषधकरैवनाय

॥ अथमृतगर्भनिदानं ॥

॥ चौपै ॥ पिताभ्रातवासुतवास्वामी जासतियाहोययमपुरगामी अथवाकोऊधनहरजावै अथवा चोटशरीरलगावे इनकारणहोयकष्टजुभारो तातेंमृतगर्भाहोयनारी उदरमोंबालकमृतहोयजवै बहुतकष्ट होयनारिनतवै

॥ अथमृतगर्भलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जासउदरबालकमरजावै उर्धश्वासदुर्गंधसुश्रावै अचलगर्भहोयशोथशरीर प्रसववेदनान हिंहोयधीर वैठनपर्सामूत्रसुजान इनकानासजोहोवतमान उदरकठोरअरसीतलजास भ्रमतृष्णाक्रमपी डातास वरणतासपीतवास्याह उदरबालमृतलक्षणताह जतनकरैपरजामेंनांहि असइस्त्रीमृतप्रापतथाहि

॥ अथमूढगर्भमृतगर्भचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जाकोगर्भमृतकहोयजाय चतुरवैद्यतिसकरैउपाय चिकित्सायोनिद्वारसोकरै चातुरताअपनी अनुसरै शस्त्रसाथतिसगर्भछिदावै ऐसेबालमृतकनिकसावै जैसेनारीकीरक्ष्याहोय करैचिकित्साऐसेंसोय जीवतबालजुगर्भलषावै अरुताकीमातामरजावै तौनारिकोउदरछिदाय जीवतबालककोंनिकसाय अरु- तिर्यकगर्भनारीजिसहोय तासउपाकहोसुनसोय तासगर्भमर्दनअनुसार आनधरावैयोनिद्वार अरुनारीकी- रक्ष्याकरै असचतुराइअपनीधरै उदरगर्भमृतरहिननदेय शस्त्रछेदवाहिरकरतेय अथवाऔषधवेगअनुसार बाहिरमृतकगर्भसुनिकार मृतकगर्भजोनहिनिकसावै तौताकीजननीमरजावै

॥ अन्यप्रकार अथमृतगर्भलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ जिसइस्त्रीउदरबालमरजाय तिसतेयोनीमुखहिरुकाय कुक्षशूलवापूर्वविकार ताहीमृ- तवालकमनधार

॥ अथमृतगर्भयत्न ॥

॥ चौपई ॥ जिहगर्भहिमोंबालकमरै दाईताहिजुगतीयहकरै भगमोंपैनानस्तरडाल मृतवालगर्भ- केअंगउखराल जुगतीसेंतिहवाहिरनकरे नहिकाटैतवइस्त्रीमरे पुनः उष्णनारिकरभगकोधोवै घृतवा- तैलकेसंगभिगोवै मर्दनकरैजुसहजसुभाय फिरशूलादिकनाहिरहाय पुनः कटुतुंबीपत्रअवरलेलोधर समपीसैदोनोअतिहितकर लेपकरैयाहीभगहीको दुःखकाटसंकोचसुभगको पुनः पलासपापडा(फलजुउदंबर कायफलसमकूटोअस्यंतकर तिलतैलरलाइभगामोंलेपै गाठीहोइभगकछूनरोपै याही- विधइकीसदिनकरै भगकोकवीरोगनहिंवरै पुनः सर्पकांचलीकुठफुनसरसों तीनइकत्रपीसअति- हितसों कटुतैलमेंलभगधूनींदेय रोगसकलइस्त्रीहरलेय पुनः कलिहारीकीजढऔटाय तिहजल- हस्तपादलेपाय मृतवालककादोषहरैसो भावप्रकाशमतकहासुहितसों.

॥ अथगर्भच्यवनचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कष्टवतीनारीजोहोय प्रसूतगर्भहोवेनहिसोय ताकोसुनोउपायवताऊ मंत्रयंत्रआदि कदर्शाऊ अथमंत्रः ओंइहामृतश्चसोमश्चीचत्रभानुश्चभाविनि उच्चैश्रवाश्वतुर्वगोंमंदिरेनिवसंतुते इदममृत- मपांसमुधृतंवैतवलघुगर्भमिमंविमुंचतिस्त्री तदनलयवलार्कवासवस्तेसहलवणांवुधैर्दिशंतुशांति मुक्तापा- शाविपाशांच मुक्तासूर्येणरश्मयःमुक्ताःसर्वभयाद्गर्भएह्येहिमाचिरमाचिरस्वहा इतिमंत्रः ॥

॥ अथयंत्र ॥

१६	२	१२
६	९	१४
८	१८	४

॥ चौपई ॥ मंत्रपढैजलपरसतवार ताहिपिलावैकष्टनिवार अरुलिखयंत्रदिषावैतास मुंचगर्भहोइसहितहुलास ॥ अन्यउपायलेप ॥ फालसेजढशिलाजीतमंगावै बाशालिपर्णिजढकोंपीसावै नाभिनाभितललेपनकरै सुखसोंहोइप्रसूतिदुःखटरै ॥ अन्यच ॥ लांगलिमूलतुषजलहिंपिसावै हाथपादलेपैसुखपावै ॥ अन्यच ॥ तालमषाणेकीजढआन सितासहितचर्वणमुखठान सोचर्वणतियकांनोपूर सुखप्रसूतिहोइदुःखहोइदूर ॥ अन्यच अपामार्गकीशिखामंगावै योनिलेपप्रसूतलषावै लेपपाठामूलफालसेमूल लेपेहोइप्रसूतिविनशूल अन्यच मूलशालिपरणीअनवावै नाभिनाभितलयोनिलिपावै सुखप्रसूतगार्भिणीनारी यहनिश्चैअपनेमनधारि अन्यउपाय अंगुलीमाहीलपेटेकेश अंगुलीकंठकरेपरवेश घर्षणतेसुखउपजेनारी प्रसूतजनेक्षणतेंसुविचारी ॥ अन्यच ॥ केवलपाठापत्रपिसावै ताहिदुग्धसोंनारिपिवावै सुखसोंप्रसूताहोवैसोय पहनिश्चयआनोमनजोय ॥ अन्यच ॥ वासापत्रकोरसनिकलावै योनीलेपकरेसुखपावै ॥ अन्यच ॥ मुलठीअवरवियोरामूल पीसोमधुमिलायसमतूलपीवेताकोघृतकेसंग सुखप्रसूतहोवैदुःखभंग ॥ अन्यच ॥ इक्षुकोउत्तरमूलमंगावै इस्त्रीतनसमतंतुमिनावै सोवांधेगर्भिणिकटमांहि सुखप्रसूतिहोसंशयनाहि ॥ धूप ॥ कटुतुंबीवीजसरषपसमआन सर्पकंजलेआनमिलान यहतीनइकत्तरपीसवनाय कटुतैलमिलायभगधूपधुपाय सुखप्रसूतिताहोवेनार यहनिश्चयअपनेमनधार ॥ अन्यच भुर्जपत्रगुग्गुलसमआन पीसेचूर्णसमदोऊठान गर्भणिउरूमध्यधुपावै सुखप्रसूतिहोवैदुःखजावै

॥ अथइस्त्रीप्रसूतिक्रियाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ चतुरतीयप्रसूतिमंझारै स्वहस्तसाथवालकहिनिकारै गर्भणिकेदोइपार्श्वदवावै वालककोंवाहिरनिकसावै कंपावैगर्भणिकोजोय तौभीजन्मवालकोहोय अरुमर्दनतैलयोनिमोंकरै तौभीजन्मवालकोपरै

॥ अथइस्त्रीप्रसूतानंतरउपाय ॥

॥ चौपई ॥ वालकवाहरनिकसरहैजवै उदरउष्णतोयासिंचयतवै अवरजुयोनिनिपीडनकरै योनितेरुधिरवाह्यकरधरे यातेंउदरविकारविनाशें वैद्यकमतयाभातिप्रकाशें अरुरक्षाकरेवातविचार मतउपजैकोइरोगविकार जाहिसमेरक्षानहीकरे मकल्लकरोगआनसंचरे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लंघनश्वेदनमर्दनजान यहविधरात्रीतीनप्रमान कटुतीक्षणउष्णवस्तुकेसंग दुग्धकाढलेवेअतिचंग पायशर्करापीवेनारी अवरजवागूपियेविचारी उदरशुद्धिकरताकेपाछे यवक्षारआनमनधारेआछे उष्णजलवाघृतकेसाथ पीवेनारीयहसुनगाथ

॥ अथप्रसूतानंत्रमकल्लकरोगउत्पतिलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जाहित्रियाकोवालकहोय रूक्षवस्तुबातलचरैजोय तीक्षणवस्तुषिपलामूलादि मिलैनाहिजोहरैउपाधि ताकोवायुनाभिकेनीचे वादोनोपसलीकेवीचे रोकेरुधिरजुगांठउपजाय मकल्ल-कनामतासकोगाय हृदयअवरजोनाभिमंझार उदरपक्काशयकोपरिहार गांठकरैअरुशूलतिहवरै अवरअफारमूत्रबंधकरै ताकोवैद्यमकल्लककरकहै कठिनरोगगुणियनतिहलहै

॥ अथमकल्लकरोगाचेकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ त्रिकुटाअवरत्रिजातकलीजै धनियांपायजुचूरणकीजै पुरातनगुडकेसंगजुखाय रोगमकल्लकतातेंजाय ॥ अन्यच ॥ यवअरकोलकुलत्थमिलाय मुद्गमाषषशमूलरलाय आढकज-लसोंक्काथवनावे पादशेषरहेवस्त्रछनावे तक्रमेलकरयूषजुकीजै कर्षप्रमानघृतमोंभुंनलीजै जीरालवणजुसं-गरलाय शालीभातकेसाधखुलाय अथवाकीजैनारीपान रोगमकल्लकहोवतहान अवरप्रसूतीरुजसभ-नाशै जैसेशंकरत्रिपुरविनासे ॥ अन्यच ॥ अग्निमंथप्रसारणीलीजै मेषशृंगीनिर्गुंडीदीजै अवरसुंठले-स्वरसकढाय कटूतैलमोंभुंनवनाय हिंगूजीरकतासरलावे ताहिस्वरससोंपथ्यखुलावे अथवाकीजैनारीपान रोगप्रसूतीहोवतहान इतिमकल्लक

॥ अथअन्यप्रकारप्रसूतिकारोगनिदानं ॥

॥ दोहा ॥ मिथ्याहारक्लेशकरविष्मअासनफुनजान रोगप्रसूतीहोतहैअजीर्णतेंतियमन चौपै प्रसूतिसम-यजन्मेजोवाल पवनप्रवेशकरैतिंहकाल तातेंकीजैतैंनाविचार होयनजायवातसंचार जोकदाचित-प्रविसेवात कुक्षस्थानकरैउत्पात शूलअफाराज्वरप्रगटावै अंगमर्दत्रिष्णाउपजावै तनभारिजुकंपअ-तिसार शोथप्रलापहोवेतिसनार वालकजन्महुयेउपरंत जेजाकोनहिंयत्नकरंत तिसइस्त्रीयहहोंहि-विकार तातेंकीजैयत्नविचार यहप्रकारप्रसूतिवृतंत भाषसुनायोसभहिलहंत कछुआगेभीकरोंवषान-जिन्हकरजोगप्रसूतीहान ॥ इतिप्रसूतिकानिदानम् ॥

॥ अथप्रसूतिकारोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ दशमूलक्काथसंगचूर्णपतीस पीवैहोइप्रसूतरुजषीस ॥ अन्यच ॥ यवलेकोलकुल-त्थरलाय अवरजुशालीमूलमिलाय यूषवनायजुपीवेनारी रोगप्रसूतदिंतजुटारी ॥ अन्यच ॥ अगुरपिप्पली पिपलामूल देवदारुमुत्थरसमतूल महीनपीसतक्रकेसंग यूषवनावेवहुअतिचंग घृतपाययूषजोपीवे-नारी प्रसूतीरुजसभदेतजुटारी ॥ अथपिप्पल्याद्यंघृतं ॥ मघांपिप्पलामूलजुआनें चित्राचविकगजपी-पलठाने धनियामुत्थरवरचामिलाय हरडहरिद्राभार्गीपाय देवदारुइंद्रयवलीजै दोयजवानीविल्वकथ-दीजै पंचकोलअरुकुलत्थविडंग वृहतीपंचलवणधरसंग यहसववस्तुभागसमलीजे प्रस्थएकघृतता. मोंदीजै प्रस्थदोयदधिदुग्धमिलावे मंदअग्निसोंताहिपकावे घृतकोमर्दनकरेशरीर रोगप्रसूतिहरेसो-धीर प्रसूतिरोगसभनाशैतैसैं इंद्रवज्रतेंपर्वतजैसैं जोनिरोगहैवीशप्रकार मर्दनतेंसभटारैनार ॥ अन्यच ॥ लघुकंडचारीएरणमूल संुठीकणाक्काथसमतूल मधुमिलायकरपीवैतास होयप्रसूतिरोगकोनाश ॥ अन्यच ॥ पंचमूलिकोक्काथबनावै सलवणतैलउष्णसंगापिलावै होयप्रसूतिरोगकोनाश ऐसोंगुणल-षलीजैतास ॥ अन्यच ॥ अवरवातहरक्काथपिलावे वंधनस्वेदमर्दनकरवावे अन्यच नीलनीबल्कल-

कल्कवनावे घृतवाकांजीसंगपिलावे प्रसूतातियाकाशूलविडारे यहनिश्चयअपनेमनधारे ॥ अन्यच ॥ वायविडंगकाचूर्णकीजै वासीजलवाघृतसंगपीजै कृमिजरोगनारिनकोजाय वंगसेंनमतादियोवताय ॥ अन्यच ॥ सहचरीमुथ्रकौडपटोल विल्वगडूचीवालातोल काथकरेमधुपायपिलावे ज्वरअरशूल-प्रसूतिकोजावे ॥ अन्यच ॥ वालाधनियांमुथ्रउशीर स्योनाकवलाअरपर्पटधीर चंदनरक्तगिलोयजवाहां अवरपतीसरलावेताहां यहसमकीजैकाथवनाय पीवतरोगप्रसूतीजाय गर्भणीरुजकोभीयहटारे ग्रंथकार मतयाहिउचारे ॥ अन्यच ॥ पंचमूलकाथमंझार लोहतपायताहिमोंडार पीवेयहभीहितहैतास अवरउ-पायकरोंप्रकाश ॥ अन्यच ॥ तप्तलोहमदरामोंपावै सोपीवैप्रसूतरुजजावै ॥ अन्यच ॥ गिलोयसहचरीमुथ्रनागर तजपत्रवलापंचमूलधर यहसमकाथमधुपायपिलावै वातविकार प्रसूतीजावै ॥ अन्यच ॥ कुलत्थसहचरीपुष्करमूल काथकरेयहलेसमतूल हिंगुलवणसोंता-हिपिलावै रुजप्रसूतिसहज्वरभगजावै ॥ अन्यच ॥ मुत्थरगुडूचीसहचरिआन भद्राउत्कट-सुंठीठांन यहसमकाथमधुसहितपिलावै प्रसूतिशूलज्वरनाशकरावै ॥ अन्यच ॥ वरचकुठसुंठसुरदार मघांकायफलमुत्थरडार हरडकिरायताधनियांजवांहां गोपुरुगजपिप्पलदेताहां अवररलावेकर्कटशृंगी-कौडधमाहापायसुचंगी जीरांश्यामागिलोयपतीस कंडचारीसमऔषधपीस अष्टविशेषकाथसोकीजै संधा-हिंगुसहितसोपीजै प्रसूतीशूलवातमिटजावे ज्वरमूर्छाकासकंपशिरघावे प्रलापदाहत्रिष्णाहोइनाश अतीसारतंद्रासुधिनाश ॥ अन्यच ॥ दशमूलमिलायजुदुग्धपकावै पादशेषशरकराररलावै इहविधिनारी-पीवैतास प्रसूतिउपद्रवहोवैनाश अन्यच सुंठपिप्पलीपिप्पलामूल एलाहिंगुभिडंगीतूल रासनावरचजवा यणपतीस यहपीवैघृतसोंसमपीस अथवायाकोकाथपिलावे रोगप्रसूतीकोमिटजावै ॥ अन्यच ॥ वात-हरनसोंदुग्धकढाय दशदिनपियेप्रसूतदुःखजाय ॥ अथशिरोरोगउपाय ॥ चौपै ॥ विजोरामूलमल्लकामूल मूथाविल्वपीसेसमतूल लेपेसीसरोगमिटजावै ताकेगुणअंसेलपपावै ॥ अथरेचनचूर्ण ॥ चौपै ॥ त्रिकुटा' हौचवकचित्राय पिपलामूलविधारापाय दोइरजनीजीरायवक्षार तीनोलवणपीसतिहडार यहसमचूर्णतप्त जलसंग पीवैरेचनहोंहिअभंग ॥ अन्यच ॥ अथपंचजीरकगुडः ॥ हौवेरशतावरीजीरालीजै वदरीफ-लपुनधनियादीजै दोयजवानीमेथिकापावे हिंगुपत्रीकदेवरलावे चवकपिप्यलीपिप्यलामूल चित्रापावे-तामोतूल पलपलभरसभवस्तूपाय सभीकूटकरकल्कवनाय मुत्थरशुंठीकुठपुनलीजै चारचारपलमानध-रीजै शतपलगुडघृतप्रस्थमिलावे एकप्रस्थतिहदुग्धरलावे मंदअग्निसोंलेयपकाय वलअनुसारनिताप्रति-खाय रोगप्रसूतीतोंजाय योनीरोगसभदेतहटाय ॥ अथखंडनागर ॥ चौपै ॥ लेवेघृतपलअष्टप्रमाण दोयप्रस्थातिहदुग्धमिलान सुंठीअष्टपलपावेतास खंडरलावेपलपंचास मंदअग्निसोंतासपकाय पाछेचूर्णय-हजुमिलाय धनियांपावेपलजोतीन शतपुष्पापलपंचसुलीन त्रिकुटामुथ्रचविकविडंग भंगुराअरदोयजीरेसंग पंचपंचजहभागधरावे खंडमाहिजोपीसरलावे स्निग्धपात्रमोंधरेवनाय वलअनुसारनिताप्रतिखायतृषाछर्दज्व-रदाहजुशोप श्वासकासकोंकरेजुमोप अरुचीप्लीहाकृमिरुजहरे कामअग्निसंदीपनकरे प्रसूतीरुजसभदेतह-टाय औषधीसिद्धादियोजुवताय ॥ अथसौभाग्यसुंठी ॥ सुंठीपलजुअष्टपीसाय घृतपलवीसलेतासमिलाय आढकदुग्धतासमोंपावे खंडपचासपलआनरलावे शतावरीत्रिकुटाजीगआने त्रिसुगंधयवानीमुथ्रठाने शतपुष्पाचविकअवरलेचित्रा पलपलपीसलेपावोमित्रा मंदअग्निसोंसिद्धकरावे लेहिरूपकरपात्रधरावे वलअनुसारप्रातउठखाय प्रसूतीरुजसभदेतहटाय आयूवलअरवरणप्रकासे वलीपलितकोदूरविनासे

युवाअवस्थास्थिरकररारखे अग्निवृद्धीकरग्रंथजुभाखे रोगमकल्लकशूलाविडारे आमवातकेरुजसभटारे सौभाग्यकरीयहसुंठीजानो वंगसेनमतकह्योसुमानो इतिप्रसूतिकाचिकित्सा

॥ अथप्रसूतिउपद्रव ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरअतिसारजुशोथअफार तंद्राशूलअरुचीविचार वलक्षयक्षीणमांसकोयोग कफ-अरवातकेउपजैंरोग उपरंतप्रसूतीउपद्रवजानो वैद्यकमतकहेसोंईपछानो

॥ अथक्षीरशोथलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ केतेरोगस्तनमंझार प्रगटावतकफवाताविकार जिन्हकरदुग्धनष्टहोइजावै कृशताजो-स्तनमोंदरशावै रक्तमांसइस्थितहोइदोष दुग्धस्तनकरडारेशोष

॥ अथक्षीरविवर्धनाविधिः ॥

॥ चौपई ॥ भूमिकूष्मांडकोंमूल सूक्ष्मपीसैमेंदेतूल दुग्धसाथधात्रीपीवाय वधेदुग्धवालकतृप्ताय ॥ अन्यच ॥ कमलअवरतंडुलसमआन दोनोसूक्ष्मचूरणठान दुग्धसाथपीवैतिसजोय दुग्धवधैवाल-हिंसुखहोय ॥ अन्यच ॥ आनेवनकरपासकोमूल कटुतुंवीमूललेहुसमतूल यहचूर्णकांजीकेसंगपीवै दुग्धवहुतधात्रीस्तनथीवै ॥ अन्यच ॥ कंदविदारीरसकोपीवै तोभीदुग्धअधिकवहुथीवै ॥ अन्यच ॥ मघांसुंठअजवायणआन दोइरजनीदोइजीरेठान विडसौंचलअरुपिपलामूल चवककरोचूर्णसमतूल-कांजीसाथहिंपीवेनारि आमवातकफजायविकारी अग्निवधैपयहोयानिरोग सोदुग्धपानहोइवालकयोग ॥ अन्यच ॥ सेफालपत्रअरुथोंहरपत्र अपरोटपत्रसमचित्रेपत्र कांजीसंगपकायपिवावै दुग्धवधैकफवा तनसावै

॥ अथगर्भदूरकरनेकाउपाय ॥

॥ चौपई ॥ तालीसपत्रअरगेरीलीजै दोदोटंकप्रमाणधरीजै महीनपीससीतलजलपावे ऋतुचौथे-दिनपानकरावे तासनारकोंगर्भनहोय निश्चयजानोमनमोंसोय ॥ अन्यच ॥ ऋतूसमेदिनचौथेमाहि पर्पटमधुघृतआनोताहि महीनपीसभगलेपनकरे नारीगर्भकभीनहिधरे ॥ अन्यच ॥ गाजरवीजकलौं-जील्याय पुरातनगुडकेसाथखुलाय गर्भगिरेनारीसुखपावे वैद्यग्रंथमतयाहिवतावे ॥ अन्यच ॥ चौले-रीजढपीसवानाय तंडुलजलसोंपानकराय ऋतूसमेंदिनपीवेपांच होवतवंध्याजानोसांच ॥ अन्यच ॥ ऋतूसमेंजढनिंवकीलेय विधिसोंभगमोंधूनीदेय तासतेंवंध्याहोवतनारी ग्रंथकारमतदेषविचारी ॥ अन्यच कटुतुंवीसर्पपसपकंज तोनइकत्रकीजैसंग कटूतैलमोपायपिसाय भगमोंधूनीदेयवनाय गर्भपातहो-वेतत्काल विधवाकोमनहोयनिहाल पीपलवायविडंगसुहागा तीनोसमपीसैइकभाग ऋतूसमेदिन-पांचहींखाय गर्भउदरमोनहीरहाय गुडपुरातनइकटंकसुलीय ऋतूसमोदिनपंद्रांपीय इसकरताकों-गर्भनरहै भावप्रकाशमतयेहीकहै ॥ अन्यच ॥ निंवोलितेलतूंवाभरलेय पांचदिवसयोनीमोंदेय स्त्री-कोगर्भरहैनहिजान चर्कचिकित्साकीनप्रमान ॥ इतिगर्भपातनउपाय ॥

॥ अथइस्त्रीपुरुषवशीकरणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वटपीपलल्तागृहआन निजरितरुधिरसाथपीसान सोसुकायगोरोचनपावै नारीमाथे तिलकलगावै जिसजिसपुरुषींहेदेषैसोय सोसोपुरुषतासवशहोय

॥ अथपुरुषरुचिउपजावनविधि ॥

॥ चौपई ॥ रजनीदोइकमलकोकेसर देवदारुसमपीसानिकटधर नारीयोनिलेपकरैसोय तातैंबहु रुचपुरुषहिंहोय ॥ अन्यउपाय ॥ नाडिसहितजोकमलपिसावै दुग्धसाथगुटिकाबंधवावै योनिमांहि' गुटिकाधरैसोय सुरकन्यासमनारिहोय

॥ अथमुखसुगंधकर्णउपाय ॥

॥ चौपै ॥ शुष्कइंदीवरफूलमंगावै तंडुलजलसंगतासपिसावै सायंसमेताहिकोंपाय मुखसुगंधहोवैलषपाय

॥ अथदेहवलीपलतानिवारणउपाय ॥

॥ चौपै ॥ निरगुंडीअवरधतूराआन वासाश्रीफलएकसमान इन्हकेपत्रमरकटीमूल अरुकोमल दूर्वासमतूल रजनीस्वेतसर्षपापाय सभसमपीसनवनीतामिलाय देहमलैझुरडीहोइनाश वंगसेंनमतकीनप्रकाश

॥ अथस्त्रीपुरुषविद्वेषानिदानं ॥

॥ चौपै ॥ पुरुषतियाकोहोयविद्वेष तासकोवरणौंग्रंथजुदेष विद्वेषहोतहैंतीनप्रकार भिन्नभिन्नसोंकहेंउचार दैवदोषतेंएकहिजानो अदक्षपुरुषकृतदूसरमानो तंत्रमंत्रअरऔषधिजोय करेसपत्नी तसिरसोय लगननक्षत्रविरुद्धजोहोय विवाहकरेनरतामौंजोय तातैंउपजितजोयविकार दैवदोषकृततासविचार कालनेमनहिताकोजानो किसीसमेमौंउत्पतिमानो

॥ अथविद्वेषदैवदोषचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ तंडुलभातकीपुतलीदोय लेवनायअपनीबुधजोय गंधधूपवस्त्रादिकजेते आनैयुक्तकरे सभतेते घृतवर्तीकोदीपजगावै मालाशुक्लपुष्पपहिरावै चारवर्णकीध्वजाबनाय चारकोणमौंतास धराय नारीपूजनदर्शनकरे चतुपथमार्गमांहितिसधरे अर्द्धप्रदोषसमेयहकीजै तातैंद्वेषरोगसवछीजै याहिमंत्रतिससमेउचारे आगेलिखियोग्रंथमंझारे हुंहुंवशीकुरुष्वस्वाहा ऐसीविधकोंकरेजुकोई दैव दोषतेंमुक्तसुहोई

॥ अथअदक्षपुरुषकृतद्वेषचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ लाजावंतीमूलमंगाय गजमदअरकर्पूरमिलाय अंगमोनारीलेपनकीजै अवरनारीनव संगामिलीजै मनोहरधूपधुपायेअंग ऐसीनारीनवलेसंग भूषणवस्त्रपहिरेगात अरुशृंगाराकियेसुनवात गृहभीतरयहखेलकोंधारे परसपरसुंदरवचनउचारे आपसमेकरेवस्त्रक्रीडा घरकीजोसभत्यागेव्रीडा ऐसीखेलजोदेखेजवही वसीहोयनरताकेतवही कुमारीभोजनपाछैदेवे ताहूतेंनरकोवसलेवे ऐसीविधको मनमोधारे अदक्षपुरुषकृतदोषनिवारे

॥ अथसपत्नीकृतविद्वेषचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ श्वेतपुनर्नवाकालेमूल मयूराशिखायुप्रियंगूफूल अम्लसंगतिसकाथवनाय दुग्धआनति समाहिरलाय योनीधोवेताकेसाथ यहाविधिपाछैकरसुनगाथ पिष्टअवरलेशूकरमास वितास्तिप्रमाण पुतलीकरतास गंधधूपदीपादिकजेते आनयुक्तकरसभहींतेते पुतलीपूजनविधिवतकरे अपनेमनमो-

निश्चधरे रात्रीप्रहरएकपरिमान मंत्रनकरत्यागेश्मशान कुमारीभोजनकजिपाछै तातेंमनमोंसुखहोय आछे यहमंत्रतिससमेउचारे निश्चिकश्रपनेमनधारे मंत्रः अघोराक्षप्रियंजननी हुंहुंवशीकुरुष्वस्वाहा ऐसीविधिवनावेजोई द्वेषसपत्नीकृतहरसोई नागार्जुनयहतंत्रउचारे सोइलिखेयाग्रंथमझारे इतिइस्त्रीरोगनिदानचिकित्सा

॥ अथइस्त्रीरोगेयोनिरोगेपथ्यापथ्यअधिकारनिरूपणम् ॥

॥ दोहा ॥ पथ्यापथ्यरक्तापित्तकेसोऊप्रद्रकेजान पुननालिखेयहजानकैलीजैसमुझपछान ॥ दोहा ॥ वातव्याधकेपथअपथजेऊप्रथमवषान योनिरोगकेसोलखोअवरहुंसुनोसुजान पथ्यं सठीचावलमुंगभनी जै लाजासत्तूकनकलहीजै दुग्धमषीरखंडनवनीत चंदनकस्तूरीलिहूमीत कदलीफलधात्रीफलजानो. अवरपनसफलद्राक्षपछानो कस्तूरीकर्पूरजोचंदन विधिसोइन्हकोकीजिलेपन वुटणाशीतलपवनपछान अरुसुगंधजलकोइसनान अथगर्भणिपथ्यं दोहा त्रितरहिताप्रियवचनपुनरुचिप्रियकरनविहार अन्नपानाप्रि यपुनलषोएतेपथ्याविचार ॥ अथगर्भणिअपथ्यं ॥ चौपई ॥ स्वेदवमनअरुवस्तुजु क्षयार रात्रिगमनवहुषेदविचार कठनासनअरुकलहपछान अप्रियदर्शगुरुभोजनमान शोक क्रोधभयव्रतनिराहार मार्गचलनअपथ्यविचार कावजकटुतीक्षणजुकपाय असभोजुनजुअपथ्य-कहाय मोक्षणरक्तमहिषकोमास सींधाशयनअपथलषतास अकालजाग्रनपुनसुनलीजै गर्भणितियाअ पथ्यकहीजै भारउठानवातलजोषाय वामनकुवजांधजवालकजाय जोतियापित्तलवस्तूंषाय सझुरडी-कृशकपोलसुतजाय जोतियाकफकरवस्तूंषावे सहस्वेतकुष्टपांडुसुतजावे ॥ दोहा ॥ योनिरोगअरुगर्भ.-णीपथ्यापथ्यअधिकार वरनसुनायेसमुझकैलीजैनिजउरधार इस्त्रीरोगवषान्योप्रथमहिंकह्योनिदान पुनहिंचिकित्साभाषकेपथ्यापथ्यवषान ॥ इतिइस्त्रीरोगेपथ्यापथ्यअधिकारसमाप्तम् ॥

॥ अथकर्मविपाकेयोनिविकारदोषकारणउपाय ॥

॥ अथकारणं ॥ चोपई ॥ जोतियभर्तासंगमंझार संतुष्टनकरहैनिजभरतार योनिविकारताहिप्रगटावै तासउपाययौंभाषसुनावै॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ कामदेवकीप्रतिमाजोय रूपेकीवनवावैसोय तिथि त्रयोदशीताहिपूजाय ब्राह्मणकोंदेवेहितलाय योनिदोषतेंमुक्तिकहावै कर्मविपाकग्रंथयोंगावै ॥ दोहा ॥ योनिदोषवर्णनाकियोकारणसहितउपाय प्रदरदोषकेरोगकोंभाषोंसुनाचितलाय ॥ इतियोनिरोगदोष. कारणउपाय ॥

॥ अथकर्मविपाकप्रदररोगदोषकार्णउपाय ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जोभरतातेंमोजनआदि पावैमिष्टअन्नवहुस्वादि प्रथमस्वामीवि-नदीएजोय आपहिंषावैऐसीसोय अरपरवधूकलंकलगावै यारप्रीतकरसुतहिंमरावै ताकोंप्रदररो-गप्रगटात करहोंतासउपायविख्यात ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ सोपयस्वनीगौमंगावै वत्सेस-हितभलैंपूजावै करसंकल्पविप्रकोंदेय रक्तश्रावप्रदरमिटतेय इस्त्रिनकेयहदोषसुनाये अरुउपा-यकहिप्रगटजनाये जोअसमर्थदानमोंहोय करैंकरायपाठजपसोय ॥ दोहा ॥ इस्त्रिदोषवषान्यो-कारणसहितउपाय जैसींग्रंथमतीलहीभाषारचीवनाय ॥

॥ अथयोनिविकारदोषमाह ॥

॥ दोहा ॥ जोतियहोवेकुटिलमनपतिवैरनदुराचार योनिविकारतिहतियाकोंआनकरैपरिहार तिहउपायज्योतिषकह्योनिश्चैकरजियजांन भोरउठतसतप्रक्रमापतिकोंइश्वरमान चर्णधोएपदपूज-करताहिकरैजलपान चालीदिनकेअंतरेयोनिरोगकीहान ॥ इति ॥

॥ अथकर्मविपाकेइस्त्रीरोगगर्भश्रावदोषकारणं ॥

॥ अथकारणं ॥ चौपई ॥ जेऊसपत्नीवैरअनुसार वालकहूंकाकरैसंहार ताकोगर्भश्राव-होइजाय ताकोअैसेंकहोंउपाय ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णजनेऊदशवनवावै पलप्र. माणकेयोंलषपावै पुनयारांपलरूपालेय ताकोपात्रघडायधरेय गांढप्रवरसमयज्ञपवीत मोतीयुक्त-करैसहप्रीत पंचगव्यसोंतिन्हैन्हिलाय घृतवारजतपात्रधरवाय पुनश्रीविष्णुचतुर्भुजजजै अरुपुनाविष्णुमंत्रकोभजै गोघृतमिसरीतिलमंगवावै विष्णुमंत्रसोंहवनकरावै सहितदक्षिणाविप्राहिंदेय गर्भ श्रावकेदोषमिटेय॥ दोहा॥ गर्भश्रावकेदोषकोकारणकह्योउपाय प्रसूतइस्त्रीजोदुग्धविनताहिंकहोंसमुझाय ॥इतिगर्भश्रावउपायसमाप्तम् ॥

॥ अथइस्त्रीगर्भश्रावज्योतिष ॥

॥ दोहा ॥ दोइमासजवजानपडगर्भउदरमोहोय फुनउपायसोतियकरैभावभगतसंजोय सातोग्रहकी-वंदनामासमासक्रमनेम जपपूजाअर्चासहितब्रह्मभोजअतिप्रेम तृतीयमासशुक्रहिकरैविधविधानसोंसेव सूरजभौमअरुदेवगुरुचंदशनीबुधदेव सातोंमासनसातग्रहपूर्वविधानसोंभाव दोषदूरदशअंतरेपूर्णगर्भ-ठहराव पतिहितनेममनाइगुरुप्रेमभक्तजियजान गर्भश्रावकोदुषहरैहोतसर्वकल्यान ॥ इतिज्यो-तिषम् ॥

॥ अथकर्मविपाकेइस्त्रीरोगप्रसूतादुग्धकारणउपाय ॥

॥ अथकारण ॥ चौपई ॥ जोकोदुग्धमांगणेआवै तिंहनहिदेयनिराशपठावै तिसीदोषहोवैपयहीन तासउपायसुनोपरवीन ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ स्वर्णछृंगिरूपपुरीजान असगापूज्येदेयद्विजदांन अरुद्विजचरणनकोजलपीवै कुचहिलगायदोषविनथीवै ॥ दोहा ॥ दुग्धहीनातियहोषकोका-रणकह्योउपाय स्तनपाकजजोदोषहैसोसुनहोचितलाय ॥ इतिप्रसूताइस्त्रीदोषकारणउपायसमाप्त-

॥ अथकर्मविपाकेइस्त्रीरोगस्तनपाकदोषकारणं ॥

॥ चौपई ॥ मत्तजुयौवनकरतियहोय कुचपरपुरुषदिपावैसोय स्तनपाकदोषताहिप्रगटावै तासउ-पायसुनोयोंगावै ॥ अथउपाय ॥ चौपई ॥ गौरीकोव्रतकरहैसोय सिंधूरआदिसोंपूजैजोय अरुवहु अन्नदानसोकरै स्तनपाकदोषतातेंनिरवरै ॥ दोहा ॥ स्तनपाककोदोषअरुकारणकह्योउपाय दुग्धहीन-तादोषकोंभाषोंसुनाचिलाय ॥ इतिस्तनपाकदोषकारणउपायसमाप्त ॥

॥ अथान्यप्रकारकथनम् विधमैथुनकी ॥

॥ चौपई ॥ जाविधवलवीरजकोहोई कुबतवाहनामकहुसोई मुजांमअन्नकरसोइकहावत वीर्यपातवहुरोगनसावत योगीश्वरमतऐसाहोई वीर्यरुधिरमेंभेदनकोई वीरजसकलदूरहोजावे सोनर-निश्चैकरमरजावे अथवासिथलइंद्रिआंहोई निजनिजकामकरेंनहिसोई जेकरवीरजथिरतापावे

रोगरहितबहुआयुदिखावे ताकरवीरजरक्षाकरिए आगेकारणसोमनधरिए नीचेवृषनमांसजोहोई आव-
तरुबिरताहुमेंसोई मैथुनबलकरश्वेतपछांनो वीरजनामरुधिरगतजानो जोभोजनऔषथवाहोई वीरज-
वृद्धीकरसुनसोई गरीवदामदाखमनभावे अंजीरफगूडाखंडसुखावे तिलसक्करठागिरिहोई सिंवल-
बीजछिल्लजढसोई दूधछुहाराकेलाजांनो मेथीमिसरीमधूपछांनो सर्वतघृतगोकामनभावे हलवांनमां-
सवाअंडेखावे कुर्कुटअजावृषनजोहोई अंडेचटकआदहितसोई उटंकनबीजअंजीरांजांनो रूमीकटू-
सौंफहितमांनो केसरकुछइंद्रजौहोई आद्रकत्रिकुटाहालमसोई सलगमबीजगोंगलूजानो गंढेबीज-
मूलिआंमांनो दारचीनीजढपांनसुखाय बहमनअकरकरामनभाय दोइमूसलीहिंगूभावे अजुआंनभ-
खड़ास्यालीखावे छिलकाजढकिक्करकाभाय कौंचबीजखिरनीजढखाय गिलोईबिल्वबीजमनभावे
भस्मफुलादकांतबाखावे गूंदसिंहाडाचंदनजोई मुलठीतवासीरहितहोई बांसाऔरआंवलाजांनो
वीरजवृद्धीकरसभमांनो औरसंजोगीऔषधहोई वीरजघृद्धीकरसुनसोई कुचलेतोलेतीनमंगावे
भिगोयदूधछिलकाहटजावे तौपुनिमर्चपुटकंडाल्याय तोलाडूडडूडसमपाय कटूसौंफडिडतोलापावे
गोलीमासेतीनबंधावे प्रभातएकनितखावेकोई निश्चैवीरजवृद्धीहोई भखडाकौंचबीजमंगवावे सौंफवि-
धारासंगरलावे जढकिक्करकीसंगरलाय लेसमचूरणपीसवनाय आधसेरगोदुग्धमंगावे तासंगप्रातनिता-
प्रतिखावे तोलेपांचमाषणमंगवाय अर्धभागघृतगोकापाय इक्कीमासेमधूमिलावे करइकत्रदिनदिन-
प्रतिखावे सेरदूधऊपरकरपांन निश्चैवीरजवृद्धीमांन अलसीमेथीबीजमंगावे तोलेतीनतीनसमपावे
मासाडूढमर्चसंगपाय नीरपायकरक्काथचढाय मधूमेलपीवेनितकोई निश्चैवीर्यवृद्धीहोई कुलंजनसुं-
ठीलौंगमंगावे दालचीनीगजापिप्पलपावे क्योडामूलीबीजमंगाय बीजगोंगलूसंगरलाय कदूंगिरीज-
ढपन्हीपावे पत्रसंभालूमघारलावे चीजवहोटीतासंगदीजें तोलेचारचारसमलीजें नारंगी
कागुद्दापावे गिरीचिलगोजासंगरलावे छेछेतोलेदोइमंगाय अवरकलौंजीसक्करल्याय कोकनऔ-
षधसंगरलावे सतारांतोलेतींनमिलावे मधूमेलनितसेवेकोई निश्चैवीरजवृद्धीहोई इक्कीमा-
सेप्रतिदिनखावे त्रैतोलेतकसेवनभावे देषबलाबलसेवेकोई स्तंभनवीरजवृद्धीहोई माउललहमअर्क-
बनवावे गोकादूधताहुमेपावे रसगन्नास्यालीरसपाय नरिदाखकासंगरलाय गोघृतमेलतोलकरल्यावे
पंदरापंदरातोलेपावे करइकत्रफुनिसोगडकाय होवेचासऔषधीपाय दोकंडेआरीकीजढल्यावे श्वेतमू-
सलीकीजढपावे तिंदुकागिरीताहुमेपाय तोलाडूडडूडसमल्याय छवीतोलेनीरमिलाय चाढअगन-
फुनिसोगडकाय चौथाहेसाजवरहजावे मलेसुद्धकरपुनेरखावे मिसरीतोलेसाठमंगाय करेचासताहू-
मेपाय तौफुनिऔषधपीसरलावे संघाडागरीबदांममंगावे कौंचबीजपुटकंडाल्याय धनिआंककडसिं-
गीपाय तोलेचारचारसमलीजें तोलेतींनमर्चसंगदीजें कबाबचीनीदारचीनीपाय लौंगपांनजढ-
लाचील्याय मघजलपत्रीसंगरलावे दसदसमासेतोलमिलावे दोतोलेनितसेवेकोई संध्यासमेवीर्यअति-
होई देहपुष्टसभदोषहटावे इतनाबलागिनतीनाहिआवे पाकाविक्रमाजीतिजोई सेवनकरेअधकबल-
होई गूंदखैरकासुंदरल्यावे सैरदोईघृतवीचभुनावे कबाबचीनीजलपत्रील्याय दारचीनीजढपांनमि-
लाय अकरकरासोसंगरलावे चौदांचौदामासेपावे जैफललौंगमंगावैकोई तोलेतींनतींनसमहोई
असगंधमूसलीकालील्यावे सुंठीछेछेतोलेपावे कंकोलचारतोलेसंगपाय सक्करमिसरींदूधमंगाय
द्रोदोसेरताहुमेपावे पीसऔषधीसभीरलावे गूंदमेलघृतपायपकाय दोईवखतानितसेवनभाय विक्रम-

जीतीपाकवनावे सेवेवीरजवृद्धीपावे उटंकनवीजगिरिमंगवावे दोतोलेफुनिऔरमिलावे कौंचवीज-असगंधमंगाय किकरअंढसतावरीपाय कवावचीनीवहुफलीमंगावे सतसतमासेतोलमिलावे मासे-तींनलौंगसंगपाय पीसदूधघृतसंगमिलाय चाडअगनपरचासवनावे कस्तूरीतोलेदोइमिलावे सुंठी. तोलेतींनमिलाय करइकत्रवरपाकवनाय दोइवखतसेवेनितकोई वीरजवृद्धीवलअतिहोई अजादृ-षनलेचीरवनावे पांचसेरगोदुग्धमिलावे गडकायदूधआधारहजाय तौतिलकालेवीचरलाय सोतिल-छायावीचसुकावे इकीमासेप्रतिदिनखावे अर्धभागामिसरीसंगपाय वीरजवृद्धीवलप्रगटाय भखडावी-जमषाराल्यावे मिशरीमेलभागसमपावे दसदसमासेपीसवनाय दूधमेलफुनिसोगडकाय मैथुनकर-पीवेनरकोई वीरजवृद्धीवलअतिहोई मचिकवजिपीसकरलीजे अजामूत्रत्रैभावनदीजे अजामूत्र. संगपीसेकोई लिंगलेपकरवलअतिहोई पांचसेरगोदुग्धमगावे दोतोलेघृतवीचरलावे वदांमछुहा-रापिस्तालीजे गरीचिरौंजीतामेदीजें मिसरीवहूफलीमंगवावे सुंठीकृष्णमूसलीपावे तोलाएकएक-समपावे विधिवतमावाताहिवनावे रातसमेदोतोलेखाय वीरजवृद्धीवलप्रगटाय पांचोअंगकौंचके-ल्यावे वीजउटंकनवीचरलावे लेसमचूरनपीसेकोई अर्धभागमिसरीसंगहोई दूधसंगादिनदिनप्रति-खावे निश्चेवलवीरजप्रघटावे जैफललौंगनाजफलल्याय ईसवंददारचीनीपाय तोलाडूडडूडसम-पावे चूरणसोंवलवीरजआवे तिलमखीरलेपीसवनाय त्रैमासेनितचटनीखाय निश्चेवलवीरजप्रघ टावे सुगमकरसुखउपजावे संघाडावीजमखाराल्याय वीजाविल्वफुनिकौंचरलाय मूलीवीजउटंकन ल्यावे गंडेवीजिकोडकेपावे लेसमचूरनखंडरलाय सेवेवलवीरजप्रघटाय सुगमयतन ऊटकटारेकैीजढल्यावे लजालुकीजढसंगरलावे कृष्णमूसलीकौंचीमिलाय वोडवृक्षकी दाडीपाय दारुहर्दलतामेदीजें लेउमऔषधचूरनकीजें भागवरावरखंडरलाय दूधसंगत्रे. मासेखाय मोचरसलेकरकडाहवनावे अथवाकडाहचिरौंजीखावे जंगीहरडहरडवाहोई कडाहक. रेनितसेवेकोई असगंधकडाहनिताप्रतिखावे निश्चेवलवीरजप्रवटावे कुकडांडकीजरदील्याय गड. कायदूधसेवेवलदाय दारचीनीमिघजैफलल्यावे कस्तूरीमेलभागसमपावे पीसमधूयुतराखेकोई लिंग. लेपकरअतिसुखहोई भेडहोएवावकराहोई इनकापित्तापीसोसोई लिंगलेपकरसूकेजवहीं मैथुनक, रसुखइपजेंतवही गुंजाश्वेतमधूमंगवावे लिंगलेपकरसुखउपजावे जाप्रकारमैथुनमनभावे नारीअधि' कमनोरथपावे

॥ वीरजस्तंभनविधि ॥

॥ चोपै ॥ जाप्रकारविधस्तंभनहोई इमसाकनाममतफारससोई दोईमूसलीकौंचमगावे उटंक. नवीजमषारापावे रहसनछिलकाविल्वमिलाय भागवरावरखंडरलाय प्रतिदिनचूरणसेवेकोई वीरज-स्तंभनकरसुखहोई कृष्णधतूरेकीजढल्यावे राखेमुखस्तंभनमनभावे केशरसंगहफीममिलावे साडेत्रै-त्रैमासेपावे जैफलमर्चयलपत्रीपाय सतसतमासेतोलरलाय तोलाडूडलौंगसंगपावे कस्तूरीमासेदो इमिलावे करइकत्रगोलीवंधवावे मासाअर्धप्रमांनवनावे प्रतिदिनगोलीएकखुलाय मैथुनसुखस्तंभ-नमनभाय निश्चेवलवीरजप्रघटावे तुलसीभेडधतूराल्यावे गोलीपारामेलवंधावे राखेमुखस्तंभनतवभावे वलवीरजप्रघटावेसोई तैलधतूराआनेकोई करपदसीसमलेसुखसोई कोंचउटंकनवीजमंगावे मोचर' सकृष्णमूसलीपावे भखडाजढसतावरीपाय गिटकहरीडभागसमल्याय सिंवलरसनिकालकरलेवे

वारबारसतभावनदेवे तौफुनिदूधभावनादीजें सातबारविधऐसीकीजें चूरणखंडमेलकरखावे दिनचौदांतकवलप्रघटावे जबतकषट्टाखायनसोई तवतकवीर्यपातनाहोई

॥ मैथुनकर्नेकीविध ॥

॥ चोपई ॥ निर्वातस्थानमैथुनमनभावे प्रसंनहृदाभयशोकनपावे भोजनऊनअधिकनाहोई संध्यासमाप्राततजसोई मैथुनकरकडाहनरखावे चूरीखंडदूधमनभावे ग्रीषमऋतदिनमैथुनकीजें मैथुनांतजलकवहुंनपीजें निर्वातस्थानउष्णजलसंग करेस्नानमलधोवेअंग अजावृषनलेचीरबनावे अजादूधमेपायपकावे मचलूणताहीसंगपाय मैथुनांतसेवेवलदाय मैथुनांतजलपीवेकोई स्निग्धतादूरउष्णताखोई मैथुनांतनिद्रानहिल्यावे शीतकालमैथुनमनभावे मैथुनकरअतिहींसुखपाय वीर्यपातवहुदोषनसाय

॥ वीर्यदूरकर्नेकीविध ॥

॥ चोपई ॥ वीर्यनासकरविधीजोहोई कताशैहवतकहिएसोई षटेआईवस्तुअधिकनरखावे वीरजवलकोदूरहटावे मोरसीसकीमिझजोहोई खावेकांमनासकरसोई नीलोफरकपूरजोजांनो हफींमगुलावदोषकरमांनो बक्लुअांइनसोनहिखावे ईसवगोलछाछनहिभावे जीराश्वेतकृष्णमिलदोई विजयावीजनसेवेकोई पालकसागमसरनहिभावे महिषीमांसमटरनाहिखावे जउंअन्नचीनाजोहोई घीआतरक्षीरातजसोई सकलसर्दतरजोफलजांनो कदूंआददोषकरमांनो मर्जगोशमुत्थरांजोई सुदावकलौंजीहितनहिसोई वहेडाकाचमाचनहिभाय वीर्यनाशकरकवहुंनखाय असवारीअथवापैदलधावे अतीखेदकरवीर्यनसावे परसाअधिकअजीरनहोई वीर्यनासकरमांनोसोई जोनरकत्थपांनसंगखावे सोनिश्चेवलवीर्यहटावे

॥ योनिसंकोचनविध ॥

॥ चौपई ॥ माजूचौदामासेल्यावे सतसतमासेउौरमिलावे लौंगफडकडीजैफलल्याय मांईखूनस्याउनपाय इलाचीपुष्पधातकीलीजें सिंगरफदारचीनिसंगदीजें हरडकौंचजढसंगमिलावे वहेडानागरमोथापावे तोरीपुष्पताहिसंगपाय अर्कसौंफलेपीसवनाय गोलीवांधताहुकीराखे मैथुनसमेंश्वादतिसचाखे मदिरासंगरगडसोलीजें रूंईभिगोयवीचभगदीजें वाचूरनकरभगमेंपावे भगसंकोचनसीघ्रदिखावे खरगोसजीवकापित्ताल्याय रूंईसंगभगभीतरपाय अगरदोइतोलेमंगवावे राखेभगकछुधूंमलगावे भगसंकोचननिश्चेहोई आगेयतनउौरविधसोई

॥ योनीकीदुर्गंधदूरकर्नेकीविध ॥

॥ चोपई ॥ पावदवोईफुजंमंगावे अंवकनेरपत्रसंगपावे इनकारसनिकालकरलीजें जैफलपीसताहुमेदीजें चाढअगनपरसोगडकावे सवनहोएविनधूपसुकावे सोघृतमेलमलेभगजोई दुर्गंधीदूरस्वछताहोई पांचोअंगअवकेल्यावे मौलकनेरहर्डसंगपावे अनारनिंवकाछिलकापाय रगडनीरकटुतैलमिलाय चाढअगनपरतैलपकावे मर्दनकरदुरगंधीजावे जूहीपुष्पतेलकटुपाय पकावेतैलशुद्धहोजाय दिवससातलगमर्दनकारिए भगदुरगंधीनिश्चेहारिए

॥ विधगर्भदूरकर्नेकी ॥

चौपै गर्भदूरकरविधीजोहोई अकीमासाखतनकहिएसोई वांझककोडामाजूल्यावे एरणजढगिलोइजढपावे साडेत्रैत्रैमासेलीजें लवाछेईमासेसंगदीजें चूरणभागतींनकरलेवे गर्भदूरादिनदिनप्रतिसेवे प्रथमदां

तवालककाल्यावे राखेपासगर्भनाहिपावे आगेऔरविधीसुनऐसें चलेवीर्जनारीकाजैसे इनजालऔ-स्तकरनामाकहिए सुगमग्रंथमतआगेलहिए गोभीकारसपाराल्यावे पांनपत्रयुतषर्लकरावे गोलीकर-नारीकोदेवे वीर्यपातताहीछिनलेवे पारामासेतींनमंगावे सुहागामासेइकल्यावे कपूरदोइमासेसंग पाय चंवेकाछिलकामंगवाय मासेसाततताहुमेपावे एकोमघसोसंगरलावे करेखर्लकजलीकरसोई लिंगलेपकरअतिसुखहोई मैथुनघडीतींनकेपाछे वीर्यपातनारीकाआछे काकजंघकाकीडाल्यावे पां-नपत्रयुतनारीखावे वीर्यपातताहीछिनजांनो सुगमयतनकरसुखवहुमांनो

॥ स्तनकठोरकर्नेकीविधि ॥

॥ चौपई ॥ स्तनकठोरविधजैसीहोई हिफजपिस्तांननामकहुसोई जीराश्वेतअसगंधमंगावे म'कनातीसताहिसंगपावे कांजीरसमेंपांयापिसाय करेलेपकुचकठिनकराय प्रथमतिनोंपरसूईचुभावे थोडा-थोडारुधिरचलावे तौफुनिलेपकरेसुखहोई कुचकठोरअतिवढतनसोई तींनवारादिनलेपकरावे रातसमें-दृढवंधनभावे दिवसतींनलगऐसाकीजें आगेपथ्यालिखानितदीजें गोकादूधसेरदसल्यावे आधसेरघृतगो कापावे घृतसमआटाकणकमिलाय छुहाराजैफलमिसरीपाय असगंधखैरकाकाष्टमिलावे कंकोल-भागसमसंगरलावे चौदांचौदांमासेपाय सुंठीतोलाडूढामिलाय करइकत्रसोदूधपकावे सेरदोइजवहीर हजावे खुराकएकदिनदिनप्रतिभाय दिनचालीकछुऔरनखाय चौदावर्षउमरजवहोई जाप्रकारवि-धसेवेकोई उमरवीचकुचकठिनरखावे वढतनाहिनिश्चामनल्यावे छिलकासोअनारकाल्याय कटूतै-लमेंपसिरलाय स्तनऊपरमर्दनहितहोई काठिनहोएकुचवढतनसोई सूखमस्तनवाहोएकुमारी ताहूकेहित जुगतउचारी चरवीगजमादीकील्यावे तासमत्वरवीमहिषीपावे मर्दनकरेगर्मकरजोई काठिनहोंए-कुचवढतनसोई कदलीकुठदोईसमल्यावे महिषीमखनस्तनकोलावे मर्दनकरस्तनलेपचढाय कुचक ठोरकरडेप्रघटाय अथवालिंगलेपसोकीजें करडाहोएसत्यसुनलीजें

॥ वालदूरकर्नेकीविध ॥

॥ चौपई ॥ वालदूरकरविधीजोहोई दफजमोयकरकाहिएसोई हरतालकलीचूनामंगवावे छेछे-मासेदोइपिसावे सज्जीमासेतींनमिलाय नीरपायदिनतींनरखाय ऊपरजलत्रैअंगुलहोई निथारलेहुदिनतीसरसोई तौफुनिसोइऔषधीपाय दिवसतीनलगफेररखाय फुनिनि थारजलऔषधपावे जाप्रकारविधतींनवनावे तौफुनिकुर्कटकापरल्याय जलभिगोंयलखवा-लछुडाय जाप्रकारनिश्चामनकीजें तौफुनितैलतिलोंकालीजें तोलेचारनीरजवहोई तोला-एकतैलतिलसोई चाढअगनपरतैलपकावे जलेनीरसोतैलरखावे मर्दनकरेतैलजवकोई झडेंवालफु-निप्रघटनहोई अथवातित्तरचरवील्याय वालदूरकरलेपचढाय वाकुचलाजलपायघसावे वालदूरकर-लेपचढावे तौफुनिवालप्रघटनाहोई सुगमजतनकरनिश्चासोई ॥

॥ अथवालकालेकर्नेकीविधि ॥

॥ चौपै ॥ कृष्णकेशकरविधीजोहोई षजावनाममतफारससोई सिक्कालेपत्रेकरलीजें कागदके-समपतलेकीजें तौफुनिखोपाएकमंगावे खोपाचीरपत्तरेपावे करेवंदमुखजुगतसमांन कणकवीचरा-खेमतिमान छेइमासलगराखेकोई तौफुनिखोपालीजोसोई खोपावीचकडाहीपावे आगजगाकर

खूपरलावे शिरदाढीपरमर्दनकीजें पलासपत्रवाएरनलीजें रातसमेवांधेनरकोई प्रभाततैलतिलमर्द-नहोई कृष्णकेशकोमलअतिजांनो निदइकीतककल्पपछांनो छिलकाहरडवहेडाल्यावे आमलछिल-कासंगरलावे छेछेतोलेतोलमिलाय तौफुनिजढनीलोफरल्याय तासंगछिलकालेहुअनार नौनौतोले-तोलविचार तौफुनिरसभांगुरेकाल्यावे पीसउौषधीताभेपावे लोहेकाइकपात्रमंगाय वीचउौधीवंद-कराय कणकवीजधरराखेकोई छेइमासलगहितहैसोई तौफुनिशिरदाढीपरलावे पूर्वरीतकरपत्रवंधावे कृष्णकेशकोमलअतिजांनो एकमासलगकल्पपछांनो ॥

॥ अथस्थिररखणाकालेवालोंका ॥

॥ चोपई ॥ कृष्णकेशस्थिरविधीजोहोई निगादास्तनस्याहमोयकहुसोई त्रिफलातिलकालेमंग-वावे भस्मफुलादमुलठीपावे लेसमचूरनपीसवनाय मखीरसंगअथवाघृतपाय दसमासेनितसेवेकोई कृष्णकेशफुनिश्वेतनहोई एकवर्षलगप्रतिदिनखावे कृष्णकेशफुनिश्वेतनआवे षटेआईमैथुनसेवेनाही निश्चेजोगसिद्धिकरताही वीजवावचीसोईमंगावे भांगुरेरसमेपायसुकावे जाविधइकीभावनहोई छायावीचसुकावेसोई तौफुनिपीसछानकरलीजें भांगुरेरससोंगोलीकीजें गोलीमासेसातवंधावे वर्षए-कलगप्रतिदिनखावे षटेआईमैथुनसोनहिभाय रहेपथ्यपरऔषधखाय कृष्णकेशपरऔषधखावे श्वे-तकेशफुनिकवहुनाआवे छिलकानिंवपुरातनल्याय संभालूकीजढसंगरलाय फुलादभस्मताहीसंगपावे तींनोतोलवरावरल्यावे चूरनकररसभांगग्पाय गोलीमासेतींनवंधाय एकवर्षलगसेवनभावे रहेपथ्यप परखिचडीखावे औषधजोगसत्यसुनसोई श्वेतवालफुनिकवहुंनहोई औरदोषसभनासनभाय सुभा •वगमंलखकवहुंनखाय प्रतिदिनतैलतिलोंकाल्यावे मर्दनकरेश्यामतापावे हरडआंमलेकाजलल्याय ॥प्रतिदिनधोवेनिश्चापाय कोमलकृष्णवालतवजांनो होवेंअधिकसत्यमनआंनो

॥ अथदेहमोटाकरनेकीविध ॥

॥ चौपई ॥ जाविधतनमोटाजोहोई फर्वहिवदननामकहुसोई नागवलावूटीमंगवावे तोलइक-तीतोलेल्यावे केसरजढपन्हीकील्याय साजजहिंदीकुठामिलाय चित्राछडदोचंदनल्यावे अगरद्यारत-जसंगरलावे इलाचीदोईसुंठमंगवाय गुलधावानागरमोथापाय नीलोफरसोसनजढआंनो वाविडंग समभागपछांनो सतसतमासेतोललिआवे तौफुनिकेशरनागमंगावे पद्मकऋद्धिवृद्धिल्याय दसदस-मासेसंगरलाय गिलोईमासेतींनमिलावे नीरएकमणकाथचढावे रातभिगोयप्रातगडकाय पांचसेरघृतसंग रलाय जलेकाथजवघृतरहजावे सेवनकरवलपुष्टीपावे कलुदेहीपरमर्दनहोई निश्चेतनमोटाकरसोई वातवि आधीसकलहटावे वाचूरनमधुकेसंगखावे सेवेघृतवलवृद्धीपावे संभालुजढसाखामंगवावे घडेवीचधरवंद करावे नीचेछिद्रकैरेनरकोई पतालयंत्ररसलीजोसोई मासेसातसोइरसलीजें मधूमेलनितसेवनकीजें मोटातनवलवृद्धीपावे सुगमयतननिश्चेमनभावे कालेतिलअसगंधमगाय लेसमअगनीवीचपकाय एकभा-गसितखंडरलावे गोलीतोलेतींनवंधावे प्रतिदिनगोलीएकोखाय वलवृद्धीतनमोटापाय अधिकमा-सनिश्चेवधजावे सुगमयतनवलवृद्धीपावे इतिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकासभाषायां स्त्रीरोगा-ऽधिकारकथनं नामषटपंचासत्तमोऽधिकारः ५६

॥ अथबालरोगानिदानानिरूपणं ॥

॥ दोहा ॥ बालकरोगनिदानकोंवरनोंसमुझविचार जैसेंकह्योनिदानमोंतैसेंकरोंउचार चौपै बाल. ककहेजुतीनप्रकार ताकोविवरोकरोंउचार एकक्षीरभोजीपहिचान भोजीअन्नदूसरोजान भोजीउ-भयतसिरोकहिये क्षीरअन्नजोभुक्तालहिये अन्नक्षीरदोषतेंबाल रोगीहोवतहोताबिहाल पुनबालग्रहकोदो-षसंयोग उपजितहैबालनकोरोग सभरोगनकोकारणजान दांतोंकोंउदभेदपछान ज्योंबिडालपृष्टभं-गजलहिये त्योंदंतभेदबालनकोकहिये काहिदांतभेदमोंजान प्रगटेएतेरोगमहान ज्वरपतली विष्ठाअरुकास नेत्ररोगशिरपीडप्रकाश अवरविसरपीरुजप्रगटावत छर्दरोगइत्यादिलषावत' बालरोगजोस्तनअनुसार प्रगटहोंहिबालनससंसार वातपित्तकफतीनविकार धात्रीदुग्धसुकरेंसंचार-तिसदोषसंयुक्तदुग्धजोपीवै तासविकारबालकोंथीवै तिहकेलक्षणभाषसुनाउं अवरदोषरोगप्रग-टाउं ॥

॥ अथबालकस्तनपानविधि; ॥

॥ चौपई ॥ उपज्योबालकजान्योंजवै वेदविहितकरमंगलतवै जातकर्मकियेहुयेउप्रंत स्तन-पानविधीकासुनोवृतंत प्रथमदूसरेदिनत्रैकाल मधुमिसरीजुचटावेबाल तीसरदिनवाचौथामान। बालस्तनकरवावैपान ॥

॥ अथस्तनपानमंत्रः ॥

॥ ओंचत्वारः सागराः पुण्याः स्तनयोः क्षीरवाहिनः संतुतेसुभगेनित्यं बालस्यायुर्वलप्रदाः पिवे-त्वालोमृतरसंपयस्तनयंशुभानने दीर्घमायुर्वाप्नोतिदेवाः प्राश्यामृतंयथा इतिमंत्रः ॥ चौपई ॥ जन्मस-मेषट्रात्रमंझार रक्षावलिक्रियाकरेविचार जावतबांधवतासकेहोइ जागरहेंमुदसंयुतसोइ दशमेदि. नकरेंमंगलाचार बालककोंवरदायिविचार एकादशादिनउत्सवअनुसरै बालकनामकरणसभकरे

॥ अथस्तनपानचिकित्सा ॥

॥ चौपै बालकजन्म्योहोइजोकोय जास्तनपानकरैनाहिसोय सैंधाहरडआमलेआन बहुतमही-नचूर्णलेठान मधुघृतपायजिव्हामलैतास सोस्तनपानकरैसहुलास

॥ अथस्तनादिदुग्धविकाररोगनिदानम् ॥

॥ चौपै ॥ प्रसूतीइस्त्रीकृशजोहोय षेदअजीर्णजोकरैसोय विष्मजुचेष्टाकरतलहैये इन्हकरतिसब-हुरोगसुनैये शूलशोथज्वरहोइअतिसार बलक्षयतंद्राउदरअफार होयअरुचिइत्यादिकरोग प्रगटेंक फरुतवातसंयोग विविधअन्नजोधात्रीपावै अथवाभारीपायअघावै तिंहकरदुग्धदुष्टहोइजावत रोग सोबालककोंउपजावत दुग्धसोवातजपित्तजजानों कफजअवरद्वंदजलपमानो तीनदोषजयहपांचप्रका र तिंहकेलक्षणकरोंउचार दुग्धकसैलावातजकहिये लवणामलकटुपित्तजलहिये पिछलघणाकफ-जलपलीजैं द्वंदजदोइलिंगनसुभनीजै त्रिलिंगनतेंत्रिदोपजजान दोषदुग्धयोंकीनबषान

॥ अन्यप्रकारदुग्धपरीक्षा अथअशुद्धदुग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ धात्रीदुग्धसप्तविधजानो लवणतंतुयुतअम्लपछानो कटुकअवरजोफेनिलहोय मांस-केधावनजलवतजोय पीतवर्णएकजोकहिये दुग्धअसुद्धसप्तविधलहिये

॥ अथशुद्धदुग्धलक्षणम्

॥ चौपै ॥ शुद्धदुग्धकह्योचारप्रकार घृतमधुतैलकोवरणविचार कषायस्वादएककोजान चारविधीयहकीनवषान

॥ अथशुद्धदुग्धपानगुणः ॥

॥ चौपै ॥ लवणदुग्धपानकरेवाल सोमलनिर्गमकरेतत्काल अम्लदुग्धजोपानकरेजव वालकमुखकोपाककरेतव मांसधावनजलवतयाहि पीवेवालछर्दकरेताहि फेनिलदुग्धपियेजववाल श्वासकासकरेतत्काल कटुपीतदुग्धकरतजोपान मूत्रवृद्धिकरवालकमान

॥ अथशुद्धदुग्धगुणः ॥

चौपै घृतकोवरणदुग्धजुहोय वालकपुष्टकरेनितसोय तैलवरणजुदुग्धसुजान वालककोंसुकरेवलवान मधूवरणदुग्धजवजाने वालककोराजासमठाने दुग्धकसैलापीवेवाल रोगरहितहोइजायनिहाल ॥ अथ-अन्यप्रकारवातादिभेददुग्धपरीक्षा ॥ चौपै ॥ दुग्धकसैलावातविकार जलपरतेरेजुतासविचार कटूअम्लअरलवणजुहोय पीतरंगतंतुयुतजोय पित्तविकारतेंतासकोजान आगेकफजकरोंसुवषान कफविकारतेंदुग्धजोहोय घणापिछलजलडूवेसोय द्वंदत्रिदोषजकेजुविकार जानलीजियोमतिअनुसार ॥ अथ-शुद्धदुग्धपरीक्षा ॥ चोपै ॥ शुद्धदुग्धजलमोजवपावे पांडुवरणतवहींदर्शावे मधुरदुग्धवहुतवरणतेंरहित-जानलहोशुद्धवालकाविहित ॥ अन्यच ॥ दुग्धशोषाचिकित्सालक्षण इस्त्रीरोगमोंदेषविचक्षण

॥ अथवातजक्षीरपानदोषलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ दुष्टस्तनजुवातकरहोय सोऊदुग्धवालपियेकोय ताकोतनस्वरकृशहोइजावे विष्टावातमूत्रवंधथावे

॥ अथवातजचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ जोधात्रीपयवातविकार दशमूलक्काथदिनदिनआहार अरुवातहरनऔषदकेसंग घृतपकाय पीवेपयचंग अरुमृदुरेचनवालकरावे तासचिकित्साऐसेंगावे

॥ अथपित्तजक्षीरपानलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ पित्तदुष्टजुस्तनकरेपान वालकश्रमसंयुतहोइमान विष्टापतलीलोचनपीत सभअंगउष्णत्रिषारहनीत

॥ अथपित्तजचिकित्सा ॥

चौपै पित्तजदोषजुदुग्धमंझार पटोलशतावरिचंदनडार गिलोयनिंवसमक्काथवनावे धात्रीसहशरकरापिलावे वालाहेंकोंभीदेवेसोय पित्तजदुग्धविकारहिषोय ॥ अन्यच ॥ निंवकौडगणसारवापाय त्रिफलामुस्थरआमरलाय इन्हसमसोंघृतदेऊपकाय पित्तजदुग्धविकारनसाय अरुवालहिंरेचनकरवावे शीतललेपस्तनपरलावे

॥ अथकफजक्षीरपानलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जोकफदुष्टदुग्धकोंपीवे कफीरहैमुखलालांथीवे जडताछर्दवहुसोयोरहे मुखनेत्रनअभरूणसुगहे यहत्रिदोपकेलक्षणतीन भाषसुनायेलषोप्रवीन

॥ अथकफजचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ जोकफदोषधात्रीपयहोय मुलठसैंधाघृतपीवैसोय राडापुष्पलेस्तनलेपाय ताहुतेबालकौंवमनकराय धात्रीकोंभीवमनकरावै विनविकारदुग्धप्रघटावै

॥ अथत्रिदोपजलक्षणं ॥

चौपै तीनोंलक्षणजामहिहोय तिहत्रिदोषजानवुधसोय त्रिदोषदुष्टधात्रीपयजानो वालककोंभ्रमतृष्णामानो अरुचीवमनमुखपाकविकार ज्वरादिरोगसभतासविचार विष्टाआमजताकोहोय अनेकवर्णरुजसंयुतसोय अवरविवंधवालकोंजानो अलसकनामसुदुग्धपछानो

॥ अथत्रिदोपजाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोत्रिदोषजदुग्धविकार ताकोंयतनकरैउचार त्रिदोषशमनवाऔषधजेती क्रमतेंपानकरैसभतेती अवरपियेमुस्तादिकक्काथ वालकधात्रीयहसुनगाथ ॥

॥ अथदुग्धशुद्धकरणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ धात्रीदुग्धशुद्ध्यर्थपछान मुदगयूषकरवावेपान ॥ अन्यच ॥ देवदारुवरचभिडंगिपतीस गिलोयकिरायतामूर्वांपीस सुंठसारवापाठाकौड काथकरैसमऔषधजोड धात्रीकोंयहकाथपिलावे दुग्धतासशुद्धहोइजावे ॥ अन्यच ॥ देवदारुवचभार्गीपीस अवरगडूचीपायपतीस यहसमकाथकरेजवपान धात्रीपयतवशुद्धपछान ॥ अन्यच ॥ पाठामूर्वामुस्थरपाय कोगडसुंठीदारुरलाय अवरकिरायताकठाकीजै काथकरैयहधात्रीपीजै काथपियेपयशुद्धसुहोय वंगसेंनकहिदीनासोय ॥ अन्यच ॥ कौडसारिवावालालीजै करेकाथधात्रीनितपीजै ॥ अन्यच ॥ गणहरीद्रादिवचादीजोय ताकोपानकरोनितसोय इनतेंदुग्धशुद्धहोइजाय ग्रंथकारमतदियोवताय ॥ अन्यच ॥ देवदारुमुथमूर्वाजानो पाठासुंठगुडूचीमानो कौडकिरायतासारिवाजोय अवरइंद्रजवजानोसोय यहदशवस्तूकीनवषान दुग्धशुद्धयहकरतसुमान सुंठनिंवपाठाअरुदारु मूर्वाअसनकौडपुनडारु अवरगुडूचीपायपटोल करैकाथयहसभसमतोल पीवैधात्रीकाथजुयाहि दुग्धशुद्धहोइजावैताहि ॥ इतिदुग्धशुद्धिविधिः ॥

॥ अथदुग्धलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ धात्रीदुग्धमिष्टजोहोय सुष्टवरणलखलीजैसोय शुद्धदुग्धसोजानपतीजै वालककोसुखदानकहीजै इतिस्तनदुग्धरोगनिदानचिकित्सा ॥

॥ ॥अथदुग्धजककूनकरोगवरनणम् ॥

॥ चौपई ॥ दुग्धदोषजिसवालककहिये ताकेनेत्रनकंडूलहिये अक्षीकूटअरमस्तकनासा मलतरहैवालकलपतासा सूर्यप्रभानहिसकैनिहार नेत्रउघारसकैनविचार अस्रूश्रवतरहैनितजास रोगककूनकजानोतास ॥

॥ अथदुग्धककूनकरोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ ककूनकरोगवालहिंप्रगटावै आश्चोतनविधितासकरावै ॥ अथआश्चोतनविधिः ॥
॥ चौपई ॥ भंगराहलदीसुंठीलीजै कर्कटश्रृंगीतामोंदीजै कल्ककरीवटपत्रलिपाय पुटपाकक,

रैरसतासकढाय आश्चोतनकीजैनेत्रोंतास रोगककूनकहोवतनास ॥ अन्यच ॥ आद्रकहलदीभं-गराल्याय कल्ककरीवटपत्रलिपाय पुटपाकविधिकरताकोवांधे गोवरलेपनतापरसांधे अग्निभस्म-धरदीजैजोय तप्तहोयतवकाढेसोय पुनपरस्वेददीजियेतास होयककूनकरोगविनास अरुमातास्तन-कांजीसंग वाकटुवस्तुहिंधोयनिसंग सोऊस्तनवालकहिंपिलावै अवरहुंयहउपायप्रगटावै मातादु-ग्धकटोरीपाय दीपशिखापरउष्णकराभ तासोंनेत्रवालककेधोवै नाशककूनकरुजकोहोवै ॥ अथनेत्रलेप ॥ ॥ चोपई ॥ त्रिफलालोध्रपुनर्नवाल्याय आद्रककंड्यारीदोइपाय यहसमपीसनेत्रलेपावै ककूनकरोग-अवरकफजावै ॥ अथअंजन ॥ दोनोरजनीलोध्रमुलठ कौडनिंवपत्रजुइकट यहसम लेयमहीनापिसाय ताम्रचूर्णपुनतामोंपाय परलकरैनेत्रनमोंडारै रोगककूनकदूरनिवारै अन्यच चौपै त्रिकुटातालकमनछलआन करंजुवीजाविडंगपीसान यहअंजनजोनेत्रनपावै नेत्रनकीकंडूरुजजावै अ न्यच दालहलदमनछलजुविडंग गेरीचंदनलाक्षधरसंग कांजीपायपरलसोकीजै नेत्रनमोंअंजनपु. नदीजै अथवालेपनलावैसोय ककूनकरोगनाशतवहोय अन्यच मनछलशंखनाभिमघलीजै मधु पायरसोंतवरतीसमकीजै नेत्रनमोंसोअंजनकरै रोगसभीनेत्रनकेहरै अन्यच वृद्धदारुकोस्वरसजुली-जै आश्चोतनमधुसंयुतकीजै रोगककूनतासेंतजाय ग्रंथकारमतादियोवताय अन्यच मुथ्रगेरीआनपीसाय अजादुग्धसोंलेपलगाय रोगककूनकनासेंतैसे शिसिरऋतुमेंपंकजजैसे इतिककूनकचिकित्सा

॥ अथगर्भणीदुग्धपानपारिगर्भरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ माताजासगर्भणीहोय ताकोदुग्धवालपियेजोय ताकोंरोगवहुतप्रगटाहिं तिंहकीगिणती भाषसुनांहि मंदअग्निभ्रमतंद्राश्वास कोष्टवृद्धछर्दअरुकास होयअरुचतिसवालकताईं इहप्रकारताल क्षणगाई पारिगर्भसोनामकहाय ग्रंथानिदानदियोजुवताय

॥ अथगर्भणीदुग्धपानचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ गर्भणिपयजोपीयकुमार रोगताहिवहुप्रगटविकार दीपनपाचनकफहरवस्तु देवैतासउ-पायप्रसस्तु

॥ अथतालूकंटकलक्षणम् ॥

॥ चौपै ॥ जोतालूकेमांसमंझार कंटकहोइसोकफजविकार कंडानामतिसलोकउचारैं तालूमोंकं-टकजुनिहारैं अरुमध्यतालुडूंघपडजावे शिरमूर्द्धनीडूंघदरशावे इसकरकष्टवहुतदरसात दुग्धवा-लकहिंपियेनजात अरुपतलीसीविष्टाभासै नेत्रनकंठमुखपडिप्रकाशै वमनकरैवहुत्रिष्णाहोय ग्रीवा-धारसकैनाहिसोय

॥ अथतालूकंटकतालुपाकचिकित्सा ॥

॥ चौपै तालूकंटकजाकोहोय कंडानामकहहैंसभकोय सूक्ष्मपीसिलेययवक्षार माष्योमेलचटाय' कुमार अरुताकेतालूपरमलै कंटकतालुतुरतसोटरै अन्यच हरडेंवरचकुठसमलीजै पीसिमधरिता-हिमेंदीजै ताकोंवालचटावैजोय कंटकतालूहरहैसोय अन्यउपाय सारवालोधरतिलजुमुलठ क्काथक-रैसमलेयइकठ करूलीकरवावैमुखधोवै कंटकरोगनाशतवहोवै अन्यच फेनसमुद्रसैंधाल्याय ता-लुमलेरुजकंटकजाय अन्यच अथवाकेवलसेंधालीजै तालूमलेरुजकंटकछीजै

॥ अथबालकांतिआयुउपाय ॥

॥ चौपै ॥ ब्राह्मीहरडकुठवचआन समपीसैमधुघीडामिलान बालहिंनित्यचटावेसोय आयुवरणकांतिअतिहोय

॥ अथस्तनपानदोषउपाय ॥

॥ चौपै ॥ मूर्वावरचसर्षपसुरदार त्वचाविरजंबूकाडार पाठात्रिकुटासभसमलीजै मधुमिलाय. चटणीसोकीजै बालककोंसोनित्यचटावै सभीस्तनपानदोषमिटजावै अन्यच प्रयंगुसज्जीसैंधासमपाय मधुमिलायनितबालचटाय क्षीरपानदोषमिटजावै होइआरोग्यबालसुखपावै जोविडंगमेलकरदेय. कृमभीनाशहोहिलपलेय

॥ अथबालकक्षीरवमनउपाय ॥

॥ चौपई ॥ पिवतपीवतक्षीरजोबाल डारैवमनकरैततकाल दोइकंडयारीफलरसआन पंच. कोलचूरणातिंहठान मधुघृतपायचटावैतास क्षीरपचैलहैबालहुलास ॥ अन्यच ॥ प्रियंगुसज्जीसैंधाल्या. वे अरुविडंगतिसमाहिरलावे महीनपीसकरमधुयुतकीजै बालककोंयहनित्यसुदीजै दुग्धरोगअरुकमीहरजानो अपनेमनमोंनिश्चैठांनो ॥ अथक्षीरजीर्णउपाय ॥ मुलठीसैंधावायविडंग मधुमिलायकरलेहसुचंग बालकदुग्धजीर्णजवहोय लेहचाटहोयपाचनसोय

॥ अथमहापद्मरोगलक्षणम् ॥

चौपै बालकमस्तकगुदाविकार प्रगटवायुकरपद्मप्रकार तीनदोषसैंप्रगटतसोइ प्रथमकनपटीहृदयमोहोइ हृदयउतरगुदद्वारमैंआवै गुदाद्वारसोंहृदयमोजावै हृदसैंउठितमस्तककरेवास पद्मरोगलक्षणगिनतास

॥ अथअन्यप्रकारनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ पद्मवरणजुविसरपीहोय ताकोंवरणांसुनहोसोय नाभितलैअरुशिरहोइजोइ प्राणनकोनाशिकहोइसोइ जोमस्तकतैंहृदयकोंआवै हृदयहुतेंजुगुदाकोजावै सोभिविसर्पीनाशकप्राण असअपनेमनमोंपहिचाण

॥ अथविसर्पपद्मरोगउपायनिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ हलदीत्रिफलानिंबपटोल पीसपिलावैयहसमतोल क्ष्यतविस्फोटविसरपीजाय अरुज्वरनाशैतासप्रभाय ॥ अथलेप ॥ सारवाउत्पलअरुकल्हार दोइचंदनमंजीठपुनडार परपुंडरीकमुलठपछान सर्षपयहसमलेपनठान विसर्पीरोगहोयहैनाश निश्चयकीजैमनमोतास ॥ अन्यच ॥ वटअश्वत्थउदुंबरलीजै पलक्षवैंतजंबूसमकीजै इन्हसभहीकीत्वचापिसाय पुनयहऔषदपीसमिला. य मंजीठमुलठीअवरउशीर चंदनपद्मकाष्टसुनवीर सभहीपीसेलेपनकरै लालीदाहपीडपरिहरै विस्फोटविसरपीव्रणमिटजाय यहलेपनजानोसुखदाय ॥ अन्यच ॥ गृहकोधूमहलदकुठलेय राईचंदनइंद्रयवदेय पद्मउशीरसभीसमलीजै रोगीबालहिंलेपनकीजै थिम्मविसरपीपामाजाय इसकेगुणायहकहेसुनाय स्नान वरचकुठाविडंगसमभाय इन्हकोकीजैक्राथवनाय क्राथसाथबालहीन्हिलावै ददरीपामविसरपीजावै

॥ अथमुखपाककिचित्सा ॥

॥ चोपई ॥ आम्रतारलोहरजगेरी पीसरसौंतकरोनिजनेरी मधुसोंबालककोंहिचटाय पमौंषदमुखपाकनसाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ अश्वत्थत्वचाअरुपत्रमंगाय यहदोइसमसूक्ष्मपीसाय मधुमिलायबालकाईंचटावै यहऔषदमुखपाकनसावै ॥ अन्यच ॥ दालहलदमुलठीआने जातीपत्रहरडपुनठाने मधुमिलायकरलेपलगावे बालककोमुखपाकनसावे

॥ अथमुखलालाश्रावउपाय ॥

॥ चौपई ॥ सारिवालोध्रतिलजुमुलठी क्राथकरेसमलेकरकठी करेकरूलीवामुखधोय लालाश्रावनासतवहोय

॥ अथाजगल्लिकारोगलक्षणं ॥

चौपै जिहिकायामोफुनसिअपार लालचीकनीबहुतविकार पीडानाहिकफवातसेंहोइ अजगल्लिकानामजानियोसोई

॥ अथअजगाल्लिकाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ प्रथमजलौकनहूंकेसाथ रुधिरनिकासेलषयहगाथ पुनसीपीसौराष्ट्रकआन कल्हारलेयसमलेपनठान होवेजोअजगल्लिकानास अन्यलेपसुनकरोप्रकाश ॥ अन्यलेप श्यामालांगलिकामूर्वाय यहसमलेपअजगल्लिकाजाय ॥ अन्यच ॥ जोयहरोगपक्कहोइजाने व्रणरुजकीजुचिकित्साठाने ॥ अन्यच ॥ फडकडीसोंफदेवदारुलीजै लेसमपीसमहीनकरीजै लेपकरेअजगल्लिकाजाय भावप्रकासमतदियेबताय,

॥ अथगुदपाकलक्षणोपाय ॥

॥ चौपई ॥ गुदाबालजबहोवतपाक पित्तकोपतेंसुनहाबाक ॥ उपाय ॥

दालहलदहरडेंसितजीरा तजपत्रमुलठसमपीसोवीरा मधुमिलायगुदलेपनकरै गुदपाकनाशतुरतहिंलषपरै ॥ अन्यच ॥ शंखीसुरमाअवरमुलठ यहसमपीसोकरोइकठ गुदऊपरयहचूर्णवरूर गुदपाकरोगहोइजावेदूर ॥ अन्यच ॥ सितचंदनघसपानकरावै तौभीगुदापाकमिटजावै ॥ अन्यच ॥ शंखमुलठसमकांजीसंग लेपनकरैपाकगुदभंग ॥ अन्यच ॥ गोजिव्हादंतीलेपाय गुदापाकनाशहोइजाय गुदापाकरोगमोजान पितनाशनसभक्याप्रमान रसौंतपानअरुलेपरसौंत गुदापाकमोश्रेष्टबहोत ॥

॥ अथअन्यगुदरोगप्रस्ताक्षकनिदानं ॥

॥ चौपई ॥ दुष्टअम्लजोमातापावै तातेंदुग्धदुष्टहोइजावै बालकदुग्धजुपीवैतास पित्तगुदाकरदोषप्रकाश उदरजलौकाइवव्रणहोय गुदामांहिंलखलीजैसोय सोव्रणलालीदाहसमेत प्रगटहोतजा. नोयहभेद अरुज्वरकासप्रगटहोइआय पतलीविष्टापीतकराय दारुणवडोरोगयहलहिये प्रस्तारुक. नामयाहिकोकहिये ॥

॥ अथप्रस्तारुकरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ ऊपरगुदाजलौकालावै रुधिनिकालैरोगनसावै ॥ अन्यच ॥ क्षीरीवृक्षकाथकेसंग धोवैगुदाहोयरुजभंग ॥ अन्यच ॥ विल्वइंद्रयववालाआने अवरमोचरसतामोठाने अजादुग्धइन-साथपकाय तीनरात्रतकवालपिवाय संग्रहणीरक्तकासमिटजावै अवरप्रस्तारकतासनसावै ॥ अन्यच चंदनअरदोसारवाआन शंखनाभिसमलेपनठान तौभीनाशरोगयहहोय निश्चयकजिमनमोंसोय अथ. वातासअवलेहवनावै वालककोंयहनिसचटावै ॥ अन्यच ॥ असनवृक्षपुष्पपीसाय जलसोंगुटकावां-धवनाय भातपिछसोंपीवैतास नाशहोयरुजसुखपरकाश ॥ अन्यच ॥ लाजावंतीजढकोंआन सरज. वृक्षजढसमलेठान पीसचूर्णकटुतैलमिलाय लैपैगुदापाकमिटजाय ॥ अन्यच ॥ सरजवृक्षकोचूर्णकीजै तिलतेलगुदामलिधूडादीजै तौभीगुदापाकमिटजाय तासचिकित्साकहीसुनाय ॥

॥ अथविछीगुदारोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ लेआमलेसातपलपीस सातपुठगोमूत्रदीस धूपसुकायलेपगुदकरै विछीरोगदोपनिरवैरै

॥ अथगुदाशोथउपाय ॥

॥ चौपई ॥ मरचचूर्णमाषनकेसंग गुदालिपायशोथरुजभंग ॥ अन्यच ॥ देवदारुकूष्मांडकेवीज मुत्थरइंद्रयवआनमिलीज पीसतैलसोलेपकराय शोथजायरोगीसुखपाय ॥

॥ अथअहिपूतनालक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मूत्रपुरीषयुक्तअस्थान नहिधोवैनहीशौचविधान तहांरक्तअरुकफप्रगटावत अवैंसपुर. करफोटउपावत गलैतवैफोटनकीठौर वहुधायहवालनदुखघोर ॥

॥ अथअहिपूतनारोगचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ धात्रीजोवालककीहोय पिलावैदूधनिजस्तनधोय ॥ अन्यच ॥ त्रिफलाषदरलेयकर-काथ वालकव्रणधोवैतिससाथ तातैंरोगनिवारणहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥ अन्यच ॥ शंखसौ-वीरमुलठीआन यहसमपीसलेपसोठान रक्तअधिकजोजानैजवै जलौकनरक्तनिकासैतवै ॥ अन्यच करंजूत्रिफलातिक्ताआन इन्हसमसोंघृतकैरपकान तिसघृतकोजोमर्दनकरै रोगजायरोगीसुखववैरै ॥ अन्यच ॥ काहीरोचनअरुहरताल नीलाथोथारसोंतजुडार अमलसंगलेपजोकरै व्रणकंडूना-शैदुखटरै अथघृतपान चौपई पटोलपत्रअरुलेत्रिफलाय रसोंतसाहितघृतलेहुपकाय रोगीनितउठ-पीवैतास रोगजायतनसुखप्रकाश

॥ सय्याऊपरवालकमूत्रेतिसकाउपाय ॥

चौपै ॥ जहांमूत्रकोंहोइअस्थान धानोकेतुषतापरठान तिनतोहनकोंअग्निलगावै तिहचीकणिमृतकाजु भुनावै मृतकापीसमधुघृतसमपाय वालहिदेयशय्यानमूताय अन्यच , चौपई सितसर्षपसमचीचवहोठी पीसैमधुघृतकरेइकठी वालहिंकोंपुनसोऊचटाय शय्यामूत्रदोषमिटजाय कूर्मतैलभयापरजान अहै-श्रेष्टअपनेमनआन

॥ अथवाललोमशातनउपाय ॥

॥ चौपई ॥ शत्पुष्पाकुठसेंधाल्याय समयहलेयजुअल्मपिसाय घृततैलपायतनवुटणामलै रोमस-मस्तवालकेटलै अथवालकरुशताउपाय ॥ चौपई ॥ मसूरअन्नलेपीसवनाय वासीजलतिसमाहि-रलाय तैलपायतनवुटणाकरै कृशताङ्करडीतनतेंहरे

॥ अथउपशीर्षरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई शिरमोंकुत्तहोतजववात सवर्णशोथशिरमोंउपजात पीडारहितशोथशिरजोय रुजउप-शीर्षकहावैसोय गर्भवासमेंउत्पतिजास अवरवाह्यवीजानोतास पिडकाअर्बुदविद्रधिजेऊ पाछेंक' हेरोगलषतेऊ जिसवालहिंयहकरैंसंचार वातचिकित्सातिंहहितकार

॥ अथउपशीर्षरोगउपाय ॥

॥ चौपे ॥ चूर्ण ॥ हरडवरचरजनीत्रिकुटाय यहसमचूरणकरोवनाय दूधसाथयहचूर्णपिलावैं उपशीर्षादि-रोगमिटजावै ॥ अन्यच ॥ पक्वजायउपशीर्षरोग चिकित्साविद्रधिकरणेयोग

॥ अथवालकदंतोत्पन्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वालकदंतमूलअस्थान ताआश्रयहोइवातमहान उत्पतदंतनहोनेदेय अरुवहुरोगउपावैतेय

॥ अथवालकदंतोत्पन्यउपाय ॥

॥ चौपई ॥ गजपीपलमघपीपलआन धावेफूलआमलेरसठान मधुरलायसमचूरणकीजे दंतस्था' नउपरसुमलीजै उपजैदंतहोयरुजहान अवरउपायकहोंसुनमान ॥ अन्यच ॥ तीतरलवामाससमआनो धूपसुकायसुचूरणठानो मधूरलायसोतहांमलाय उपजैदंतवालसुखपाय दूधदांतजवउपजनलागें ता-उपायमोंनाअनुरागें उपजपडेगेंदंतजुजवै आपहिंपीडानाशैतवै ॥

॥ अथवालकदंतोत्पन्नशुभाशुभफलानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ वालकजन्मलेतहैजवै नवीनदंतउपजैंतिसतवै मासमासकोफलदिपराऊं जैसेंशा-स्त्रनतेंलषपाऊं दंतसमेतजुजन्म्योजानै तिसवालककोंराक्षसमानै सर्वलोककोंभयउपजावे यहफलशा-स्त्रताकोगावे शीघ्रसुनिजमाताकरैनाश मासमासफलकरोंप्रकाश प्रथमद्वितीयत्रितीयजुमास जन्में-दंतवालपितुनाश यद्यापिपितासूर्यसमहोय तौभीजानोमरहैसोय सोवालकहैयमहिसमान निश्चैहरे-पिताकेप्रान चतुर्थमासजन्मेंजोदंत निजभ्राताकाकरैजुअंत पंचममासदंतप्रगटावैं मातामातुलतोम-रजावैं षष्टममासउपजेलषपरे मातुपिताकेधनकोंहरै सप्तममासप्रगटहोंइजीय संतापगुरूअरुदास-हिंहोय अष्टमनवदशमएकादश द्वादशत्रियोदशअवरचतुर्दश इन्हमासहिंजोउपजैंदांत वहुशुभअ-हैंकरेसुखशांत ॥

॥ अथमासउपद्रवशांतिउपाय ॥

॥ चौपई ॥ याहिउपद्रवकेमंझार शांतिकर्मवहुधाहितकार जपअरुपाठकरैजुकरावे यथाशक्ति-दानसुखपावे हवनशांतिविधिवतसोकरै याहिउपायउपद्रवटरै शांतिकरनसामर्थनजवलग वालदर्श-करहैनाहिंतवलग धात्रीकेगृहछोडेतास शांतिकरैतवल्यावैपास उप्रांतशांतिवरब्राह्मणजान सदक्षिण-वालकातिंहदेयदान करसंकल्पवालसोदेवै मोलदेयपुनवालकलेवै पुनदधिलाजामधुजुमंगाय वालक-

केमुखऊपरलाय चुंवनतीनवारमुखकरै पुनतानंतरअसअनुसरै सधात्रीवालकनाउचढावै अथवाग-जपरदोयवठावै तवक्षीरषंडघृतसाथमिलाय धात्रीब्राह्मणकोंभुक्ताय इहप्रकारजवयहविधिकीजै सकलउपद्रवकोफलछीजै कुटुंवसहितवालकसहुलास होवेनिश्चयकजैतास इतिअकालदंतोत्पातउपाय

॥ अथसोयावालकजोदांतसोंदातघसायशब्दकरै ॥

तिसकोंदंतठाठारोगकहिये ॥ ताकोनिदान ॥ चौपई ॥ जोरूषाभोजनवालककरै अरुस्वभाववातलनिजधरै वातसकोपतिसनाडिमंझार तहांआयसोकरैसंचार वालकसोअोदांतोंसाथ शब्दकरैजानोयहगाथ ॥ ताकोउपाय ॥ चौपई ॥ कर्कटशाकपयपायपकावै वालकचरणतलैलेपावै दंतठाठारुजताहिनरहै सुखसोंवालकनिद्रागहै ॥

॥ अथसोकारोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वर्षउप्रंतवालकहेजोय योनिदोषतैंरोगीहोय मंदअग्निवहुविष्टाकरै पिंजरअस्थिप्रगट-लषपरै सोकाआदिरोगवहुलहिये तासाचिकित्सासुनयोंकहिये दुग्धअवरमांसरसजोय अवरस्नेहव-स्तिहितहोय ॥

॥ अथअन्यशोकारोगलक्षणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ देहद्वारकफसाथरुकावैं विष्टापतलीज्वरप्रगटावैं पीनसअरुचश्वासअरुकास सूक्यो-जायवाललषतास ॥ चौपई ॥ पंचकोलतिक्तासमकीजै मधुघृतमोंसोपीसरलीजै देनसवारचटावैतास होवैउनरोगनकोनाश ॥ अन्यच ॥ सैंधात्रिकुटापाठाआन पुनगिलोयसमचूरणठान मधुघृतमेलचटा-वैतास होवैउन्हरोगनकोनाश ॥

॥ अथअन्यप्रकारशोकारोगलक्षणचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अतिकृशदुर्वलहोयजुवाल क्षुधाताहिलागेजुविशाल तावालहिंयहचूरणदीजै रोगतासकोयातेंछीजै ॥ चूर्ण ॥ यवगेहूंअरुकंदविदारी यहसमचूरणकरोसुधारी घृतरलायवाल-काहिंषवाय पाछेंदुग्धपकायापिलाय मधूशरकरादुग्धपिलावै रोगनकोदुखतातेंजावै ॥ ॥ असगंधघृत ॥ चौपई ॥ असगंधलेयक्काथातिसकीजै पादशेषरहैसोपुनलीजै दशगुणता-मोंदुग्धमिलाय क्काथतुल्यघृतपायपकाय सोघृतनित्यवालजोषावै होइवलवानपुष्टदरशावै ॥ अथ रासनाघृत ॥ चौपई ॥ रहसनअसगंधऋषभविडंग काकोलिदोयदोजीरेसंग मुदगपार्णिसंगता-समिलाय समघृतपायमंदाग्निपकाय मलैदेहवालहिंजुषवावै पुष्टहोयवालकसुखपावै ॥ अथगौ-रीघृत ॥ चौपई ॥ गौरीवरचलोधरजुमुलठी दोयपर्णिअरुऋषभइकठी चंदनसितालाक्षजीव-कजो क्षिरणीउत्पलमेदपद्मसो पद्मकाष्टकुमुदकाकोलि पंचक्षीरतरुत्वचसमतोलि दोइसारवा-तुल्यघृतपाय चतुरगुणदुग्धजलपायपकाय मलैपुलावैवालकतांई पुष्टहोयसभरुजमिटजांई ॥ अथ लाक्षाघृत ॥ चौपई ॥ लाक्षसरलअरुकुठविडंग दोइरजनीलोध्रमुलठीसंग कैंथरसोंतसरीहके वीज लघुलाइचीगजकेसरलीज पद्मकाष्टतालीसपत्रजो सभसमपीसैवरतलेयसो सभसमलेघृतपाय पकावै नितप्रतिवालहिप्रातपुलावै उदरकीटसर्पविषजाय अस्फोटविसर्पीलूतनसाय मूत्रदोषगंड

मालानाशै वालपुष्टहोइवलपरकाशै ॥ अथचांगेरीघृत ॥ चौपई ॥ चांगेरीस्वरसआढकपरि मान प्रस्थएकघृतकरोमिलान अजादुग्धइकप्रस्थरलावे अवरवस्तुसभकल्कामिलावे अवरमिलावे आनमंजठि धावैलोध्रकपित्थलेईठ उत्पलसैंधाकुठत्रिकुटाय मुथ्रविल्वसमसभकूटाय यहकल्कजु पविघृतमंझार मंदअग्निसोंतासुधार वालषायग्रहणीअतिसार इत्यादिकवहुरोगानिवार ॥ अथपाठाघृत ॥ चौपई ॥ पाठाकुठसरलसुरदार गजपीपलमघचित्राडार सुंठतेजवलरजनीदोय कौड-इंद्रयववरचसमोय मरचवराहकांताजुविडंग नागजिव्हाअजमोदासंग हरडपतीसविजोरेमूल दाडिमत्वचसभलेसमतूल करैक्काथअजादुग्धमिलावै समक्काथहिंघृतपायपकावै षायवालअतिसार-नसाय अरुचअरुमंदाग्नीमिटजाय पांडुगुल्मशोथनरहावै कसोकास्वरभेदामिटावै अवरदीनता. आदिकरोग नाशहोंहियाघृतसंयोग वालकपुष्टहोयवलवान तेजस्वीहोइनिश्चयमान ॥ अथ-सोमघृत ॥ चौपई ॥ स्वेतसर्षपावरचमुलठी व्राह्मीद्राक्ष्यअसगंधइकठी शंखपुष्पीपुनर्नवाआन पयस्याकाश्मीरीफलठान दोइसारवाफालसेपावै शतावरीपाठाहलदमिलावै अपामार्गभंगुरासुर. दार सौंचलश्यामागेरीडार वासापुष्पदोदोपलमंजीठ सभसमलेदशमूलीईठ पायद्रोणजल-क्काथजुकरे तलेउतारछाणपुनधरे पादशेषक्काथरहैजव प्रस्थदोयघृतपावैतव घृतसुसिद्धकरधरैवनाय-द्विमासउप्रंतजुगर्भणिषाय षातरहैषटमासप्रयंत ताकोगुणसुनहोसभसंत सर्वज्ञपुत्रजन्मेतिसनारि सभरोगविनाहोइरहितविकारि रहितवालग्रहहोवैसोय वरणसुष्टवलसंयुतहोय माताहीकीकुक्षमंझार सुंदरवा-णीकरैउचार नारीपुरुषजेऊयहषावै योनिवीर्यदोषमिटजावै वंध्यायाकोंषावैजोय पंडितशूरपुत्र-जणेसोय गदगदस्वरमूकताविनाशै ऐसेगुणयाकेपरकाशै सप्तरात्रिजोषावैतास श्रुतिधरहोयकरोवि-श्वास यहजुसोमघृतजिहगृहमांहि धह्योहोयअग्नीभयनांहि अरुताकेगृहवालनमरै निरोगवालपु-ष्टवलधरै ॥ अथघृतखानेकामंत्र ॥ ऊँनमोमहाविनायकायामृतरक्षममफलसिद्धिंदेहिरुद्रवचनेनस्वाहा ॥ ॥ अथअष्टमंगलघृत ॥ चौपई ॥ वरचकुठव्राह्मीकोंआन सितसर्षपसारवापछान सैंधामघअष्टमघृत-पावे सिद्धकरैवालकहिंषवावै मासप्रयंतापिलावैतास वालकश्रुतधरहोइजगभास अरुविशालवुद्धि-सोहोय डरपिशाचराक्षसनहिंकोय जिहवालहिंपरछांमांकहिये जाकीदेहसूकतीलहिये ताकोदोष. दूरहोइजाय अष्टमंगलघृतहेसुखदाय अथकुमारकल्याणघृत ॥ चौपई ॥ शंखपुष्पीवचव्राह्मीआन त्रिफलाकुठद्राक्षपुनठान सुंठसरकरावलाकचूर जीवकजीवंतीतिंहपूर जवांहां।विल्वसुरसाअरुमुत्थर लघुलाचीगजपीपलतिंहधर दाडिमलीजेपुष्करमूल कर्षकर्षसभलेसमतूल इन्हकोक्काथवनायसुधारै प्रस्थएकघृततामोडारै प्रस्थएककंडचारीक्काथ चारोप्रस्थदुग्धधरसाथ सिद्धकरेघृतवालपुलावै वलहोइ पुष्टवरणप्रगटावै मंदाग्निपछामांकमरुजनासै अलक्ष्मीदंतरोगसुविनाशै दंतजन्मणेकेजोरोग नाशहों-हिजानोसभलोग अवरहुंरुजवालककेजावैं ताघृतगुणयहप्रगटजनावै मज्जावसाअवरपुनतेल जोइ-न्हऔषदमोंकरमेल ताहिपकायजुवालपवावै वालककेसभरोगमिटावै ॥ अथषदिरघृत ॥ चौपई ॥ षदिरजुअर्जुनअरुतालीस स्पंदनकुठलेहुसमपीस तासक्काथमोंघृतपयपाय वालककोंसुपकायपुलाय शोथविकारवालकोजाय षदिरजघृतयोंकह्योसुनाय ॥ अथसिद्धाकघृतक्षीरभोजीवालस्य ॥ चौपई ॥ मुथ्रसितसर्षपामंगाय व्राह्मीवरचशतावरिपाय अपामार्गसारवापछान मघकुठसैंधारजनीठान इन्हसोंसिद्धकैरघृतपीवैं सर्ववालरोगहतथीवैं अथमधुकघृतक्षीरान्नभोजीवालस्य अन्नभोजीजोवाल

कहोय मधुकवरचत्रिफलाघृतसोय ताकेसवंरोगमिटजाहि यामोरंचकसंसानाहि ॥ अथद्विपंचमूलादिघृत ॥ अन्नभोजीवालस्य ॥ चौपई ॥ दशमूलतगरमरचैंसुरदार मधुकविडंगद्राक्षसमडार इन्हसमकाथतुल्यघृतपावै अरुसमताकेदुग्धमिलावै मंदअग्निसोसिद्धसुकीजै अन्नभोजीवालककोंदीजै वालककेसभरोगविनाशै आयुरहोइवलवुद्धिप्रकाशै ॥ अथवचादिघृत ॥ चौपई ॥ वरचदोयकंडयारिमुलठी पाठाकोडपतीसइकठी अरुमुत्थरसमपीसजुधरो इन्हकेसाथसिद्धघृतकरो दंतजन्ममोंयाकोंजान श्रेष्टअहैयहघृतपरिमान ॥ अथश्यामाघृत ॥ शौपई ॥ श्यामाजपाअतिमुक्तासमतूल इन्हहूंकेजोआनोफूल तिंन्हकेकाथाहिघिउपकावै चूर्णमुलठीपायापिवावै श्वासकासरक्तपितजाय त्रिषामूर्छाशिशुनरहाय ॥ अथनागरघृत ॥ चौपई ॥ नागरत्रिवीपुनर्नवाल्यावै वडिकंडयारीसुवहापावै काचमाचीअरदंतीलीजै अवरजवानीतामोदीजै भिडंगानिचुलफलाहिंपुनआन कर्षकर्षसमयहसभठान अर्धप्रस्थघृतताहिमिलाय दुगुणोजलतिंहपायपकाय शुद्धकरैघृतवालपिलावै श्वासकासवातजरुजजावै ॥ अथक्षीराद्विधादिघृत ॥ चौपई ॥ दोनोक्षीरजीरासुरदार मघांजवायणविल्वजुडार तिक्ताअवरपिप्पलामूल कर्षकर्षलैवैसमतूल कांजीप्रस्थप्रस्थघृतपाय मदराप्रस्थपायसुपकाय वालकनितप्रतिषावैतास वालकरोगसहसोकानाश ॥ अथविभीतकतैल ॥ चौपई ॥ विभीतकत्वचाकुठहरताल मनछलपुनसभहीसमडाल इन्हमोंतैलमिलायपकावै कानोंपायपाकनरहावै अरुकानोंकीगंधनिवारै मलैतुकंडूपामविडारै ॥ अथलाक्ष्यातैल ॥ चौपई ॥ लाक्ष्यारससमतैलमंगाय दधिमंडचतुर्गुणतामोंपाय रहसनचंदनकुठसुरदार दोरजनीमुथ्रशतावरिडार असगंधमुलठीरेवंदलीजै मूर्वातिक्ताइकसमकीजै तैलमांहिसोपायपकाय वालहिंमलैग्रहभयज्वरजाय बलअरुवरणपुष्टतनहोय निश्चयकीजैमनमोंसोय ॥

॥ अथबालकरतांजनीवातपित्तकफकीऔषद ॥

॥ चौपई ॥ यलाहजडीरतमुंढीआनो गेरीमिरचमंजीठजुठानो श्यामस्वेतजीरदोइघाल जढसरपंषकीलीजैछाल चंदनरक्तसभीसमलेय मंहदीजलसोंवालहिंदेय सातदिवसतकवालपिवाय विनालूणगेहूंघृतखाय रोगरतांजनिआदिनरहै निश्चयअपनेमनमोंगहे ॥

॥ अथवालकज्वररोगाचिकित्सानिरूपणं ॥

॥ चौपई ॥ ज्वरादिरोगकीऔषधजेती वालककोंप्रमाणहैतेती परमात्राघटायकरदेवै ऐसैंवैद्यसमुझमनलेवे वालकमोंवलथोडाहोय ताहियथावलदेवैसोय जोजातमात्रवालकलषपैये विडंगप्रमाणमात्रालषलैये मासमासप्रतितासवधावै ग्रंथकारमतजाहिवतावै जन्मोंवालकजवहीजानै तासचिकित्साइहविधिठानै मासमासप्रतिवायविडंग देतोरहैइसविधिनिसंग तातेंउदरकुमारमंझार क्रमनहिंपडैंउठेनविकार वर्षउपरंतमात्रापरिमान वेरगुटीसमदेयसुजान अन्नक्षीरभोजीजुकुमार तासमात्रायोंकीनउचार तातेंअधिकजुवालकलहिये उदुंवरसमतिसमात्रालहिये क्षीरभोजीवालकहोइजास औषधषावैमातातास अथवाधात्रीकोंजुपुलावै जाकोदूधपिएसोपावै अरुवालकहूंकोंभीदेवै जोअन्नक्षीरभोजीलषलेवै कोऊऔषदवालपिलावै कोऊस्तनमोंलायचटावै जोकेवलअन्नभोजीलषलीजै तौबालकहींकोंऔषददीजै जोस्तनपानअभावलपावै तौगोवकरीदुग्धपिलावै

॥ अथवालकज्वरउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जोवालककोंज्वरप्रगटावै ताकोंयहमघचूर्णचटावै मधूशरकराचूर्णमघपाय वालचटावैज्वरमिटजाय ॥

॥ अथवालकसमस्तज्वरनाशनक्काथ ॥

॥ चौपई ॥ हरडमुथूनागौरीआन निंवपटोलमुलठीठान यहसमक्काथजुवालहिंदेवै ज्वरसमस्तनष्टलषलेवै ॥ अथज्वरकोधूप ॥ चौपई ॥ लाक्षावरचकुठयहआन गजचर्मभेडचर्मलषमान स्वर्णमक्षीनिंवपत्रमंगावै सभसमपीसमधुघीउमिलावै धूपदेयवालककोंसोय नाशसमस्तज्वरनकोहोय ॥ अन्यच ॥ सितासर्पकंजाहिंगूआन निंवपत्रतेजवलठान अजालोमवरचपुनपावै लसनमरचशृंगीाजुमिलावै समसभलेपीसैमधुपाय देयधूपसभहीज्वरजाय ॥ अन्यच ॥ निंवस्वेतसर्षपपुनआन मृतकगौकुक्षरोमपछान मघुमिलायधूपसोदेय सर्वज्वरकोनाशकरेय ॥ अन्यच ॥ मूर्वाहिलदीसर्षपलीजे श्वेतअपराजितामुत्थरदीजे अरुकिरायताआनमंजीठ महीनपीसशतपुष्पाईठ अजादुग्धलेतासरलाय सुंदरवुटनावालमलाय सर्वप्रकारज्वरहोवतनाश ग्रंथकारमतकीनप्रकाश ॥

॥ अथवालकअतिसारचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मंजीठसाल्मलीपुनलेधावै पद्मकेसरसभहीसमपावै पीसयवागूमेलपिलाय अतीसारवालककोजाय ॥ अथक्काथ ॥ चौपई ॥ विल्वकथधावैपुष्पमंगावै गजपीपलसभहीसमपावै बालालोधआनरलीजै काथकरेंवाचटणीकीजै करैक्काथमधुपायमिलाय जोलघुवालकताहिचटाय होवैअतीसारकोनाश वंगसेनयोंकीनप्रकाश ॥ अन्यच ॥ नागरमुत्थरअवरपतीस बालाइंद्रयवसमलेपीस क्काथकरैदेवैजोवाल कुक्षरोगनाशैअतिसार ॥ अन्यच ॥ अषरोटमूलधावेकोमूल विलकथनागरले; समतूल क्काथकरैशीतलकरदेवै अतीसारकुक्षरोगमिटैवै अन्यच सारवालोधमंजीठजुधावै यहसमक्काथकरैसुपिलावै बालकअतीसारहोइनाश निश्चैआनोमनमोतास ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ पटोलमूलआद्रकवचसंग अजमोदामघवायविडंग यहसमचूर्णकरैवनाय उष्णतोयसंवालपिलायनाशहोयआमअतिसार यहनिश्चयनिजमनमोंधार ॥ अन्मच ॥ अंवगुटीमधुसाथचटावै वालकअतीसारमिटजावै ॥ अन्यच ॥ शालिपर्णिपृथकपरणीजो वेरत्वचायहलीजैसमसो करेक्काथवालहिदेसोय त्रिदोषजअतीसारदुखषोय

॥ अथज्वरादिसहितअतीसारउपाय ॥

॥ क्काथ ॥ दोनोरजनीअवरमुलठ वासाइंद्रयवसमएकठ क्काथसुकरवालकहिंपिलाय ज्वरअतिसारवमनमिटजाय श्वासकासनाशहोइजावत होइआरोग्यवालसुखपावत ॥ अथअविलेह ॥

॥ चौपई विलधनियांलोधरअरुधावै बालाअवरइंद्रयवपावै मधुमिलायवालकहिंचटाय ज्वरसंयुतअतिसारमिटाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ लोध्रइंद्रयवधनियांधावै मुत्थरआमलेवालापावै पीसमधूकेसाथचटाय ज्वरअरुअतीसारमिटजाय

॥ अथवालकसंग्रहणीचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हलदीचव्यदेवदारुकडेआरी गजपिप्पलपृष्टपर्णीडारी महीनपीसशत्पुष्पापाय मधु-घृतमेलजुवालचटाय संग्रहणीपांडूज्वरजावे अतीसारहरभूषलगावै

॥ अथवालकछर्दिकायन्त ॥

॥ चौपई चतुरजातककोचूर्णकीजै गोगोवररसतामोंदीजै मधूरलायचटावैसोय वालकछर्दना. शतवहोय ॥ अन्यच ॥ सुंठीमघअरुपाठाजान मरचभिडंगीमधुसमठान वालाहिंनित्यचटावैसोय कफअरुकासछर्दहतहोय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ विडंगमघसुरमासितपाय लाजाशृगीमरचरलाय मधुमिलायचटबावैतास कासछर्दकोहोइहैनास ॥ अथअविलेह ॥ चौपई ॥ आंवगुटीसेंधासमलाजा मधुरलायअविलेहसुसाजा वालाहिंनित्यचटावैतास होवैछर्दरोगकोनाश ॥ अन्यच ॥ मुलठीत्रिकुटा-सितापिसाय विजोरेरससोंवालचटाय छर्दरोगकोहोइहैनाश ऐसोगुणातिसकीनप्रकाश

॥ अथवालकअफारेकायतन ॥

॥ चोपई ॥ सेंधानोनसुंठअरलाची सेकीहिंगअरभागसाची चूर्णघृतवापानीसोंलेय अफारशू-लवालकहरतेय

॥ अथवालकमूत्रषोलनकायतन ॥

॥ चौपई ॥ पीपलमिरचपुनछोटीलाची सैंधानोंनपीसेंसमसाची मिश्रीसहतमिलायचटावै तौ मूत्रवंधसोखोलकरावै

॥ अथवालकछर्दअतीसारउपाय ॥

॥ काथः ॥ चौपई ॥ सरलदेवदारजुविडंग कोगडनिंवजवायणसंग सप्तपर्णिअरुपायपटोल कीजेकाथसभीसमतोल घृतमधुपायपिलावैतास सभअतिसारछर्दहोइनाश वामधुघृतसोंचूरणषावै रोगजायवालकसुखपावे ॥ अथविलेह ॥ चौपई ॥ प्रयंगूवेरगिरीजुमुलठ भुत्थरसुरमास्वेतइठ यहस-समधुसोंमेलचटाय छर्दत्रिषाअतिसारनसाय ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ कंडचारीफललेहुरवचाय मघांपि प्पलामूलरलाय लेसमऔषदकाथवनावै वरूरवंशलोचनसुपिलावै वमनमूर्छाश्वासजुकास ज्वरअति-सारपीनसहोइनाश ॥ लेह ॥ धनियांककडशृंगिपतीस गजपिप्पलसभंहीसमपीस मधुमिलायजुच, टावैजोय अतीसारछर्दहतहोय ॥ चूर्ण ॥ चौपई ॥ केवलवालाचूर्णपिसावै मधुशरकराजुताहिरलावै तंडुलजलसोंपीवैतास अतीसारछर्दत्रिषाज्वरनाश ॥ अन्यच ॥ केसरकमलमंजीठपिसाय मधुशरक-रातासरलाय तंडुलजलसोंवालपिलावे वालनकेसभरोगनसावे नाशेछर्दअवरअतिसार वैद्यकमतयो-कनिउचार ॥ अथकाथ ॥ चौपई ॥ पत्रअंवजामणकेआन पत्रक्षीरितरुकोमलठान मुलठपद्मकंदकु. शमूल अरुपतीससभलेसमतूल काथकरैमधुशरकरापाय वालहिंदेयत्रिषाज्वरजाय॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ दाडिमवीजअवरसितजीरा नागकेसरसुनलेहुवीरा पीसैमधुशरकरामिलाय वालकचाटैत्रिषज्वरजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ ककडशृंगीमुथरपतीस यहसममधुमिलाईयेपीस मधुमिलायचाटैवाषाय ज्वर-अरुकासछर्दमिटजाय ॥ अन्यच ॥ केवलपीसपतीसमंगावै मधुसोंछर्दकासज्वरजावै ॥ अन्यच ॥

॥ अथवालककाउपाय ॥

मुत्थरशृंगीकणापतीस वासाचूर्णमधूसोंपीस वालहिंप्रातचटायनिहार कासनाशहोइपांचप्रकार अथवालककाउपाय अप्रकाय ॥ चौपई वालक्षीरभोजीहोइजोय ताकोंप्रगटकासरुजहोय तासमातुवाधात्रीताई काथपिलावैयहजुवनाई प्रथमहिंकरैमाषकोकाथ मघआमलेभूनघृतसाथ पीसमिलायजुप्रातापिलावै अरुथोडीवालकहींपिवावै सर्वप्रकारनकीजोकास निश्चयजानोहोवैनाश ॥ अथआविलेह ॥ चौपई ॥ द्राक्षयमघांनागरसमपीस मधुसोंचाटैकासहोइषीस ॥ अन्यच ॥ कंडचारीपुष्पकेसरमधुपाय चाटैकासचिरकालकजाय ॥ अथचूर्ण ॥ चौपई ॥ केवलधनियांपीसमंगावै ताकेसमशरकरामिलावै तंडुलजलसोंपीवैतास तौभीहोयकासकोनाश ॥ लेह ॥ चौपई ॥ मघांजवांहाशृंगीआन वंशलोचनअरुद्राक्षाठान मधुघृतमेलचटावैतास श्वासकासज्वरहोयविनाश तमकश्वासनाशपुनहोय निश्चयआनोमनमोंसोय ॥ अन्यच ॥ द्राक्षजवांहामघापिसाय अरुहरडेसभहीसमभाय मधुघृतपायसोचूर्णचटावै श्वासतमकश्वासभीजावै पांचरात्रित्रैरात्रिमंझार नासैकासरहैनविकार ॥ अन्यच ॥ शृंगीगेरीहिंगुपछान लघुलाचीसुंठमुलठीठान मधुमिलायकरचाठेजोय हिडकीकासरहैनहिकोय ॥

॥ अथवालकरक्तातिसारतथाप्रवाहिकआतिसारचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ वालशर्करामधुजुमिलाय तंडुलजलसोंवालपिलाय रक्तप्रवाहिकहोवतनाश वालककेमनहोतहुलास ॥ अन्यच ॥ मुलठीलाजाशर्करापाय अवरमधूतिसमाहिरलाय वालककोंजुचटावैतास रक्तप्रवाहीहोवतनास ॥ अन्यच ॥ मुलठीतिलकोकल्कवनावै मधुतैलसितातिसमाहिरलावै वालककोंयहनित्यचटाय रोगप्रवाहितास्तेंजाय

॥ अथवालकहिडकीरोगउपाय ॥

॥ चौपई ॥ जंवूतिंदुककेफलफूल घृतमधुसोंमेलोसमतूल वालहिंनित्यचटावैतास होवैहिडकीरुजकोनाश ॥ अन्यच ॥ मघमुलठमधुशरकरालीजै विजोरारसयुतवालकदीजै हिक्काअवरछर्दहोइनाश निश्चयकीजैमनमोतास ॥ अन्यच ॥ कौडअवरमधुमेलचटावै हिक्काछर्दरोगभगजावै ॥ अन्यच ॥ गेरीमधुरलायजुचटाय छर्दरोगवालककोजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ पंचमूलघृतदुग्धपकाय वालककोयहनित्यपिलाय होवतहिक्कातासतेंनास ग्रंथकारमतकीनप्रकाश

॥ अथवालकसिरोरोगलेप ॥

॥ चोपई ॥ वेरचुलाईकपित्थपछान काकमाचीदलइन्हकेआन वालकसिरपरलेपनकरै सिरकोरोगवमनपरिहरै यहअपनेमननिश्चयधार ग्रंथकारमतजाहिविचार

॥ अथतुंडीरोगलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ नाभीस्थानहोयवातविकार पीडासंयुतशोथअकार तुंडीरोगनामतिसजानो अवरपाकनाभीपरमानो

॥ अथवालकनाभिरोगचिकित्सा ॥

॥ उत्थितनाभिवालकीजोय अथवाशोथनाभिपरहोय मृतकामिंडरतअग्निभषाय लालहोयपयसाथसिंचाय ताकीदियहवाडजुतास निकसेस्वेदनाभिरुजनाश पकैनाभिवालककीजाने तासचिकित्सा-

ऐसेठानै बकरीमेंगणभस्मकरावे ताहिवरूरैपाकनसावै अथवाक्षीरवृक्षत्वचआन पीसवरूरैहोइक-ल्यान ॥ अन्यच ॥ वाचंदनचूरमहीनवरूर पाकनाभिकोहोवैदूर ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ रजनीलोध्र-प्रयंगुमुलठ यहऔषदसमकरोइकठ घृतवातैलहिंपायपकावै नाभिमलैवालकसुखपावै

॥ अथवालकरात्रीरुदनचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ मघात्रिफलाकोचूर्णकीजै मधुघृतसंयुतवालकदीजै रोदनरात्रीकामिटजावै अपनेमनमोनिश्चिंत्यावे ॥ अन्यच ॥ छुछुंदरीविष्टामाषमिलावे विल्वपत्रअरुहरिद्रापावे इंद्रयवअरुविजयापत्र पीस-सभीसमकरोइकत्र रात्रीधूपधुखावेजास रुदनत्रासमिटजावेतास

॥ अथवालककेनवग्रहोंकीउतपत्तीनामलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ वालग्रहोंकीउत्पतकहों प्रथमनामताहूकेलहों स्कंदग्रहस्कंदापस्मार शकुनीरेवतीपू-तनाविचार अंधपूतनाशीतपूतनाजान मुखमंडिकानैगमेयवखान ॥ अथउत्पती ॥ स्वामीकार्तिकरक्षाअर्थ नवग्रहशिवकीनेंजुसमर्थ तिनकोरूपअतितियासमान सुंदरअवरपुरुषसममान स्वामिकार्तिकअग्निसमजोइ जाकेहितकरग्रहसंजोइ महादेवजोपर्गटकरे स्वामिकार्तिकसंगसुधरे स्वामिकार्तिककोइकसखा विशाखनामतासकोरखा सुनस्वामिकार्तिककर्ताहरी तिनमिलकरविनतीशुभकरी हमभूखेकछुभोज-नहोइ जातेंतृप्तरहैंसभसोइ षटमुखशिवसोंविनतीकरी कृपादृष्टहोइशंकरहरी आज्ञादईतवजगके-ईश्वर पशुपक्षीमृगजीवजोजलचर मानुषआदीतिर्य्यंगजोई सवदेवनवसजोनीहोई देवमनु-ष्यपरस्परदोय परोपकारसमवर्तैसोय होमयज्ञपूजाकरैंजवाहिं देवप्रसन्नहुयेसवतवाहिं सीतउष्णव-र्षाशुभकरे मनुष्यप्रसन्नताइनकरधरै सोदेवहिसवकोपकोधारै कालपाइपशुपंछीकोमारै उष्णकाल गर्मीसंतापै सीतकालमोसीतसुव्यापै तिहकरमानुपशुभाहितकार होमजज्ञदेवनवलिहार परस्परउन-कीवृत्तीहोय उनतेंभिन्नवतावोंसोय देवपितरगुरुब्राह्मणजोई अवरजुअतिथीजानोसोई इनकीपूजाज-पनहिकरैं भोजनादिशुभभेटनधरैं कांसिकेपात्रफूटेहोई उनमेंभोजनकरेजुकोई ऐसेलक्षणजिनघर-देषो उनकेवालकनकोंदुखरेषो जोदेवनकोंवलिनहिंदेवै ताकेवालकदुषहिधरेवै सोतुमकोदेवै-वलिभेट तातेंभूषहरोसभपेट जोतुमकोवलिभेटनहोई उनकेवालकमारोसोई ऐसीशिक्षाशिवजी-कीनी वालग्रहोंनेमानसुलीनी वालग्रहवलिलेनेकारन निश्चैखेदकरै तिहवालन इतिवालग्रहउपत्ति ॥

॥ अथसामान्यग्रहयुक्तवालरोगलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ क्षणमोंकांपेक्षणमोंरोवै विष्टाभग्नभग्नस्वरहोवै माताकोंनखदांतविदारै निजतन भीविदारकरडारै पीडेदांतउर्द्धकोंदेषै जृंभ॰भोयेंचलावतपेषै मुखतेंफैननिकासैसोष कृशतनरहैअ-ग्निमंदहोय चर्वनओष्टकरेअरुत्रास मलिनअंगअंगशोथप्रकास निर्वलतावहुतनमोधारे उचेंकरजो-शब्दपुकारे संज्ञानष्टतासकीहोय रात्रीजाग्रतादिनमहिसोय रुचीनहोवतपूर्वन्याय स्तनभोजनतिसना' हिसुहाय तनतेंमत्सरुधगंधआवै सामान्ययुक्तग्रहवालकहावै ॥

॥ अथसाध्यअसाध्यकष्टसाध्यग्रहलक्षणं ॥

चोपई ग्रहवर्तेंवालकतीनप्रकार सोसुनहोअवकहोंविचार कारणाहिंसाइकग्रहजानोरतिकामसुपीडतदू-सरमानो पूजाकांक्षितइकग्रहहोई तीनविधीग्रहवर्तेंसोई तिनतीनोंकासुनोविचारसंयुतविवेकरोंउचार

॥ अथहिंसात्मकग्रहगृहीतलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ हिंसकग्रहगृहतिकेलक्षण सोसुनहोअवकहोंविचक्षण बालकनासाश्रवतमहान जिव्हास्फुटिततासकोंजान शब्दकरेअरदुखितजुहोय अश्रुपूर्णलोचनजोय दुर्वर्णहीनवचनकृशजानो पूतिगंधातिसदेहपछानो मूत्रजुविष्ठाअपनाजोई ग्रहणाकरेनाहिसमुझेसोई अपनेहथकरआपकोमारे अवरनकेपरक्रोधकोधारे शस्त्रअवरकाष्टादिकजाहि प्रहारकरेजिनकरतनमाहि अथवाअग्नीप्रविशेजोय वाजलकूपपरेजायसोय दाहतृषातनव्यापैजास छर्दनपूजदुर्गंधीतास रक्तश्रवेसभमार्गद्वार एसोवालकरोगविचार वैद्यत्यागजावैतिसवाल अपनेमनजानेतिसकाल इतिहिंसकग्रहलक्षणं अथरतिकामपीडितग्रहगृहीतलक्षणम् चोपई पीडतकामरतीग्रहजोय तासगृहीतजुबालकहोय ताकेलक्षणदेउबताय सोसु. निर्यंअपनोचितलाय लालापरातिअतिस्रसिंग गंधपुष्पप्रियभूषणअंग हष्टशांतचिततासकोहोय कष्टसा. ध्यरुजजानोसोय

॥ अथपूजाकांक्षितग्रहगृहीतस्यलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ पूजाकांक्षितग्रहकह्योजोय तासगृहीतसुनोतुमसोय दीनम्लीनताहिसुखजानो शु. ष्कउोष्ठगलतालूमानो भयभीतहोयकरदेषेजोई अतिदीनहोयकररोवेसोई अन्नपानअभिलाखाज. वहि दंतअन्ननाहिखावैतवही ऐसेलक्षणदेषोजास सुखहिसाध्यतुमजानोतास ॥

॥ अथसाध्यअसाध्यकष्टसाध्यग्रहसंहारकचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ हंतुकामग्रहजोयगृहीत सिद्धमंत्रकरेहवनसुनीत ग्रहजुहिंसकतासतैंजाय बागभट्ट-मतदियोवताय पीडतकामरतीग्रहजोय तासगृहीतजुवालकहोय वलीअवरदेयवहुदान पीडतका. मरतीग्रहहांन पूजाकांक्षितग्रहलगेजास स्थाननिरंतरसोकरेवास मार्जनसेचनजिसघरहोय अग्निस-दाजिसानिकटरहेजोय ऐसेघरमोंदिनजोतीन वासकरैतिसरोगनचीन पत्रपुष्पवीजशुभजोय अन्नअ. वरसर्षपाहोय यहसभवस्तूजिसघरमाहिं दीपकतैलघृवजगेताहिं सेवेमद्यजुमैथुनमास जिसघरमेंन. हिंतासानिवास ऐसेघरमेंताहिविठाय पूजाकांक्षितग्रहमिटजाय

॥ अथसामान्यवालग्रहाचिकित्सा ॥

॥ चौपई लसननिंवपत्रमंगवाय लाक्षवांसत्वचघीउरलाय धूपधुपायवालककोंदेय सामान्य. वालग्रहनासकरेय ॥ अन्यच ॥ सेतीसर्पपवांशत्वचाय निंवपत्रलाक्षारसभाय घृतरलायकरधूपधु. पावै सामान्यवालग्रहभाग्योजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ सर्पकंजासितसर्षपआन केसरअरुनिर्मा ल्यसुमान घृतमिलायसोधूपधुपाय ग्रहसामान्यनाशहोजाय ॥ अन्यच ॥ सिंहव्याघ्रहस्तीरिछछाल सर्पकंजलेंघृतमोंडाल वालकआगेधूपधुपावै ग्रहसामान्यदूरहोइजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ दशांगकरंजुसर्षपकुठआन जवायणवरचभिलावेठान घृतमिलायधूपसोदेय ग्रहसामान्यजायलपलेय ॥ अन्यच ॥ काकजंघाकपित्थपहिचान महास्वेताकरंजुपुनठांन क्षीरवृक्षकदंवसमलोजै घृतमि-लायधूपसोदीजै सामान्यग्रहकीपीडानाश निश्चयकीजैमनमोंतास ॥ इतिसामान्यग्रहचिकित्सा

॥ अथस्कंदग्रहयुक्तलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जिहस्कंदग्रहकरैसंचार ताबालहिंअसहोंहिविकार अवैजुलोचनएकैजास एकअंगकंपतरहैतास अर्द्धद्दष्टिकरदेषैसोय मुखतेढाराषतहैवोय रुधगंधआवैतिसदेह रोदनअल्पकरैलपतेह पीडतदांतत्रस्तअतिरहै ग्रहस्कंदचिन्हयोकहै ॥

॥ अथस्कंदउपाय ॥

॥ चौपई एरंडकेपत्रनकोक्वाथ बालन्हवावैताकेसाथ रोगस्कंदग्रहनांहिरहावै यहनिश्चयनिजमनमोंल्यावै ॥ अन्यच ॥ एरंडमूलमेंतैलपकावै देहमलेस्कंदग्रहजावै ॥ अन्यच ऊटछागभेडगौवाल पीसिएकसमवृतमोंडाल बालकआगेधूपधुषावै बालकतेंस्कंदग्रहजावै ॥ अन्यच ॥ विविधभक्षवलिभेटवनावै रक्तपुष्परक्तगंधचढावै कुर्कटपक्षीबलीवनाई आनधरैग्रहचंडकेताई रक्तध्वजातिहऊपरधारै याविधिस्कंदग्रहकिउचारै शालीभातनैवेदचढाय पाछैवालस्नानकराय रात्रीतीनिचौरहिमांहि वालस्नानकरावैतांहि स्वामिकार्तिकपूजाअनुसरै गायत्रीमंत्रसंगहवनजुकरै तौस्कंदग्रहदूरपलावै यहनिश्चयअपनेमनल्यावै अन्यच चौपै वल्लीइंद्रसोमजोवल्ली मूलमृगादनिगांठहैभल्ली वंदावृक्षअर्कविल्वजोय सभहीधागेमांहिपरोय वालककेगलसोऊडारै इंहविधिग्रहस्कंदनिरवारै अन्यच चौपै गुगलदालहलदकुठएला रहसनलाक्षरैवंदकरमेला मंजीठशिलाजितअगरमिलावो वालाचंदनसमपीसावो ऊपरदेहवालककेमलै ग्रहस्कंदताहीतेंटलै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ विल्वअग्निमंथतरकारी पाटलवासाचहियेडारी एरंडपत्रअवरकासीस अस्फोटासमलीजैपीस सायंकालवुटनामलेवै ग्रहस्कंदवालहिंतजदेवै ॥ अन्यच ॥ जीवनीपायजुघृतहिंपकाय पीयेंजुवालस्कंदग्रहजाय ॥ अन्यय ॥ तैलसौंफमोपायपकावै देहीमलैस्कंदग्रहजावै ॥ अन्यच ॥ चौराहेमोंरात्रीतीन वालस्नानकरायप्रवीन प्रथमशालीयवचौराहेधार स्नानकरावैतहांकुमार ग्रहस्कंदकोदोषनरहै यहअपनेचितानिश्चागहै

॥ अथस्कंदग्रहस्तोत्र ॥

॥ चौपै ॥ याकेसाथवालकपरझाडाकरै ओंरक्षामतः प्रवक्ष्यामि वालानांग्रहनाशिनी अहन्यहनिकर्तव्यायाभिः षड्भिरतंद्रितै १ तपसांतेजसांचैववपुषांयशसांतथा विधानंयोज्यतेदेवः सतेस्कंदः प्रसीदतु २ ग्रहसेनापतीर्देवोदेवसेनापतिर्विभुः देवसेनारिपुहरःपातुत्वांभगवान्गुरुः ३ देवदेवस्यमहतः पावकस्यचयः सुतःगंगोमाकृतिकानांतुसतेशर्मप्रयच्छतु ४ रक्तमाल्यांवरश्रीमानरक्तचंदनभूषितः रक्तदिव्यवपुर्देवः पातुत्वां. क्रौंचनाशनः ५ इतिस्कंदग्रहचिकित्सा

॥ अथस्कंदापस्मारग्रहलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ चेष्टाजासनष्टहोइजावै मुखतेंवहुतीफैनचलावै यवहीसुरतहिंप्रापतहोय रोदनअतिहीकरहैसोव पूजरक्तवतगंधतनआवै स्कंदपस्मारचिन्हयोंगावै लोकप्रसिद्धउभाइसकहै अरुअठराहनामकहिगहैं

॥ अथस्कंदापस्माराचिकित्सा ॥

॥ चौपै ॥ विल्वशिरीषदूर्वापुनआन सुरसादिगणतामोठान इनकेजलकरस्नानकरावै ग्रहस्कंदअपस्मारमिटावै ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ अष्टमूत्रसोतैलपकावै वालककेतनानित्यमलावै ग्रहस्कंदअपस्मा-

रविडार यहनिश्चयअपनेमनधार ॥ अन्यउपाय ॥ चौपै ॥ क्षीरवृक्षकोकाथवनावै काकोलीगणकोकाथ-मिलावै तिंहमेंघृतपकायसुवुलाय स्कंदापस्मारतुरतग्रहजाय ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ गिलोयवरचहिंगुस-मलीजै वालककोंयहचूर्णदीजै ग्रहस्कंदअपस्मारमिटाय इहप्रकारवालकसुखपाय ॥ अन्यच॥ चौपै ॥ उल्लूगृध्रविष्टासमआन हाथीनखनरकेशसुमान वृषभरोमलेसभीमिलाय घृतामिलायकरधूपधुपाय ग्रहस्कंदअपस्मारमिटावै रोगजायवालकसुखपावै अन्यच चौपई दुग्धभातकोवलीवनाय पात्रमा-हितिसआनधराय लेरसमांसरुधतत्कालक सभयहमेलदिखावैवालक वलीस्कंदअपस्मारकोकरे वटजुवृक्षकेमूलसुधरे पाछैवालस्नानकराय चतुष्पथमेंजुतुरतहींजाय यहमंत्रतिससमेउचारे सोइलि रुयोशुभग्रंथमंझारे मंत्रः स्कंदापस्मारसंज्ञोयः स्कंदस्यदयितःसखा विशाषः सशिशोरस्य शिवा यास्तुशुभाननः यहयत्नकरेजुविधीअनुसार अपनेमनमोनिश्चयधार स्कंदापस्मारग्रहजाय होइ. निरोगवालकसुखपाय ॥ अन्यच ॥ कुनटीमरकटीअवरअनंता अरुलीजैचौथीसमविंवा सूत्रपुरोय वालकगलडारे ग्रहस्कंदअपस्मारनिवारे रात्रिचौराहिकरायस्नान स्कंदापस्मारकीहोवैहान इतिस्कं-दापस्मारग्रहचिकित्सा

॥ अथशकुनीग्रहयुक्तउक्षणं ॥

चौपई अंगसभीढीलेहोइजास गंधविहंगआवैतनतास अरुभयत्रस्तरहैसवाल देहहोंहिव्रणअवेंविशाल सदाहपाकस्फोटतनपरे शकुनीग्रहअसलिंगसुधरे रक्तविकारताहिसभिभाषें लोकरतांजनिचंदरीआषें

॥ अथशकुनीग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अंवकपित्थवैतसमलेय काथसमुझकरवावैतेय तासोवालस्नानकरावै शकुनीग्रहभा, ग्योकहुंजावै जोइसकाथहिंतैलपकाय मलैवालतनशकुनीजाय अथवामधुरगणतैलपकावे मलेवा' लतनशकुनीजावे ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मुलठउशीरजुवालाआन सारवालोधरउत्पलठांन पद्मकाष्ठ. गेरीमंजिष्ठा अवरप्रियंगूपाययथेष्टा समजलपीसैलेपनकरै शकुनीदोषदुखपरिहरै ॥ अन्यच ॥ ॥ चौपई ॥ स्कंदापस्मारकेधूपकहैजो अरुताकेघृतकहैतेऊसो अरुव्रणरुजकेतैलपथ्यजे शकु. नीग्रहकेभीजानोते ॥ अन्यच ॥ नागदंतीदोनोकंडचारी सहदेवीलक्ष्मणाशतावरी इन्हकोंसूत्रपुरोय. गलडारे ग्रहशकुनीकोंइहविधिटारे ॥ अन्यच ॥ तिलतंडुलजुपुष्पहरताल मनसिललीजैभलेसम्हा-ल कुंजरस्थानभेटयहदेय शकुनीकोंविधभलीमनेय शकुनीग्रहकोंवलियहदीजै ताकोदोषदुखयों. छीजै ॥ अन्यच ॥ सरींसहर्षपास्वेतपछान गुगुलकुठसमपीसोआन शीतलजलसोंलेपनकरै शकुनीदोषदुःखनिरवरै ॥ अन्यच ॥ पूजाउपाय ॥ चौपई ॥ शकुनीग्रहकीपूजाकरै गंधपुष्पधूपअनु. सरै दीपअवरनैवेद्यचढावै इसमंत्रसाथपूजैदुखजावै ॥ अथपूजामंत्रः ॥ अंतरीक्षेतुयादेवी सर्वालं. कारभूषिता अधोमुखीतीक्ष्णतुंडाशकुनीतेप्रसीदतु पुनः दुर्दर्शनामहाकाया पिंगाक्षीभैरवस्वरा लंबोदरीशं कुपार्णी शकुनितेप्रसीदतु ॥ इतिशकनीग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथरेवतीग्रहयुक्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ व्रणस्फोटतनव्यापतलहिये पाकगंधतनआवतअहिये रक्तश्रावभग्नविष्ठाऊ दाहज्वररेव. तीलषाऊ यामोंभीरक्तजठहरावैं चंद्रीऔरतांजनीगावै

॥ अथरेवतीग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ अजगंधाअरुककडशृंगी सारवादोइविदारीचंगी दोइपुननंवासाथमिलाय क्वाथक' रैबालहींन्हिलाय ग्रहरेवतीदूरहोयजाय इहविधिकह्योउपायसुनाय अन्यच ॥ चौपई ॥ काकोली गणघृतजुपकावे वालककोंयहानित्यपिलावे तातेंरेवतीग्रहकोटारे अपनेपनमोनिश्चयधारे ॥ अन्यच ॥ कुठसरजसमदोनोमेल इन्हसंगलेपकायकरतेल वालककेतनऊपरमलै ग्रहसुरेवतीयातेंटलै ॥ अन्यच ॥ कुलत्थशंखचूर्णसमआन इन्हसमकोलेपनतनठान ग्रहरेवतीदूरहोइजावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ अन्यच ॥ गृद्धअवरउल्लूविष्टाऊ यवअरुवरचसभीसमपाऊ दोनोंसंध्यामोंघृतपाय धूपदेयरेवतिग्रह' जाय ॥ अन्यच ॥ शुक्लपुष्पदूधभतलाजा वलिदेवैरेवतिग्रहजासा संगदीपपूजाकरवाल स्नानकरा- यरेवतीटाल ॥ अथस्नानमंत्रः ॥ नानावस्त्रधरादेवीचित्रमाल्यानुलेपना चलकुंडलिनीश्यामारेवतितेप्र' सीदतु उपासतेयांसततंदेव्योविविधभूषणा लंवाकरालोविनितातथैववहुपुत्रिका रेवतीशुष्कनासाचतु- र्भ्यंदेवीप्रसीदतु ॥ इतिरेवतिग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथपूतनाग्रहयुक्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ टेढादेशैत्रिष्णदाह अतीसारज्वरप्रगटैताह उद्विग्नरुदनअरुनिद्रानाश पूतनाग्रहलक्ष- णयहभास

॥ अथपूतनाग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कपोतवंकावारुणापछान निंवअरलूआस्फोताआन करैक्वाथसंगवालन्हिलावै ग्रह- जुपूतनाभागीजावै ॥ अन्यच ॥ अर्जुनपनसवृक्षत्वचल्याय वेरगिरीतिसमाहिरलाय वालककोंयह- धूपधुखावे ग्रहजुपूतनाभागीजावे ॥ अन्यच ॥ कुर्कुटअस्थीसर्षपश्वेत घृतमिलायकरधूपसुहेत ता- तेंपूतनाहोवतनास कह्योग्रंथमतभावप्रकाश ॥ ॥ अन्यच ॥ कुठतगरतालीसपिसाय मर्दनवालक- तनकरवाय अथवाश्वेदकरावैतास ग्रहजुपूतनाहोवतनास ॥ अन्यच ॥ पलासवृक्षकोमूलमंगाय कु शामूललेसप्तरलाय दूर्वामूलसप्ततिसपावे तंडुलतासंगआनरलावे वालककोंयहधूपजुदीजै रोगपूतना, तुरतहिछीजै ॥ अन्यच ॥ देवदारुवचहिंगूआने गिरीकदंबएलापुनठाने स्पंदनकुठखदिरतालीस वीजसम्हालुचंदनपीस मर्दनधूपनकीजैजास ग्रहजुपूतनाहोवतनास ॥ अन्यच ॥ वरचवयस्थामनछल. हरताल गोलीमीकुठसरजरसडाल इन्हसमसोलेतैलपकावै मलैवालपूतनामिटावै ॥ अन्यच ॥ वंश लोचनगणमधुरजुलेय दोनोघृतमोंइकठेदेय घृतपकायवालकहिंषवावै ग्रहपूतनासुभागीजावै ॥ अन्यच ॥ चौचई ॥ कुठखदिरतालीसजुलीजे अर्जनस्पंदनआनमिलीजे समयहपीसघृतसाथमिलाय धूप- धुषायपूतनाजाय ॥ अन्यच ॥ हाथीहाडघसलेपलगावै ग्रहपूतनाभागकरजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई अजगंधानाकुलीमंगाय गिरिमैनफलकुंभीपाय उडंवरवृक्षत्वचाकोलीजै सभीपीसकरकठीकीजै कुर्कुटअस्थीसर्षपास्वेत घृतमिलायदेधूपसुहेत ग्रहजुपूतनाभाग्योजाय पहउपायपुनकह्योसुनाय अन्यच वटकदंवकुठयहलीजै गिरिकदंवहिंगुरेवंददीजैं एलादेवदारुपुनपाय यहवस्तूसमभागरलाय नाभिपीसकरलेपनकरै दोषपूतनाग्रहकोंहरै अन्यच ॥ मत्समांसभातसंगजान मृतकावासनमोंयहठान शून्यसदनमोवलियहदेवै ग्रहपूतनादोषहरेवै अथवाकुक्सरमांसवलिदेय तातेंपूतनादोषहरेय ॥ अन्यच ॥

काकादनीकंदूरीग्रान चित्रफलापुनरतकांठान यहवालककेकंठमंझार पावैदोषपूतनाटार अथझाडेकामंत्र ॥ मलिनांवरसंवीतामलनारूक्षमूर्द्धजा शून्यागाराश्रयादेवीवालकंपातुपूतना ॥ इतिपूतनाग्रह चिकित्सा ॥

॥ अथअंधपूतनाग्रहयुक्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ छर्दकासज्वरत्रिष्णाहोय वसागंधग्रावैतनवोय अतिरोदनस्तनसोंकरेंद्वेष अतीसार दुःखहोयविशेष अंधपूतनाग्रहयोंजान लक्षणजाविधग्रंथनिदान ॥

॥ अथअंधपूतनाचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ तीक्षणवृक्षनकोकरैक्वाथ वालन्हिलावैताकेसाथ अंधपूतनातासोंजावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ अन्यच ॥ मदराकांजीकुठहरताल मनशिलअवरमिलांविनाल तासेंतैलपकाय मलावै अंधपूतनातासोंजावै ॥ अन्यच ॥ मघांशालिपर्णिपिप्पलामूल मुलठकंडचारीलेसमतूल मधुरवर्गतिसमाहिरलाय मंदअग्निसोंघृतजुपकाय सोघृतमर्दनवालपुलावै अंधपूतनाग्रहभगजावै ॥ अन्यच ॥ सर्वगंधकोलेपलगाय अंधपूतनातातेंजाय ॥ अन्यच ॥ कुर्कुटाविष्टासपंत्वचाय छागचर्मवचकेशरलाय धूपधुखावेवालकआगे अंधपूतनातातेभागे ॥ अन्यच ॥ काकादनितुंवी त्रिफलाय बरचसहितशिरपरवंधवाय, अंधपूतनातातेंजावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ अन्यच ॥ कुरुकुटिमरकटिविंवीग्रान अवरअनंताकरोमिलान सूत्रपुरोयवालगलमेल अंधपूतनाग्रहकोंठेल ॥ अन्यच ॥ पक्कआममांसरुअचौराहे देवेवलिअंधपूतनाजाहे अथवाअन्नवलीतिसदेवे अंधपूतना रोगहरेवे ॥ अन्यच ॥ सर्वगंधजलस्नानकराय तातेंअंधपूतनजाय अथझाडेकामंत्र करालपिंगलामुंडाकषायांवरबासनी देवीवालमिमंप्रीतासंरक्षत्वंधपूतना ॥ इतिअंधपूतनाचिकित्सा ॥

॥ अथशीतपूतनाग्रहयुक्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ कंपकासक्षीणतनकहिये अतीसारछर्दपुनलहिये नेत्ररोगदुरगंधीतास शीतपूतना इहविधिभास

॥ अथशीतपूतनाचीकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ विंवीसुरसाविल्वकापित्थ वरचवलाअरुनंदीवृक्ष अवरभिलावैसंगामिलाय करैक्वाथ वालहींन्हिलाय शीतपूतनातेंजावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ अन्यच ॥ वस्तमूत्रगोमूत्रामिलाय मुत्थरदेवदारुकुठपाय सर्वगंधधरतैलपकावै मलेशीतपूतनाजावै ॥ अन्यच ॥ कौडसरजषदिरजुपलास अर्जुनइन्हकत्विचानिकास करेक्वाथघृतदुग्धपकावै देहमलैपुनताहिपिलावै अरुवहग्रौषदसूत्रपुरोय गलधरशीतपूतनापोय ॥ अन्यच ॥ गृध्रउल्लूकीविष्टाग्रान सर्पकंजअजगंधाठान निंवपत्रमधुसंगमिलावै धूपेशीतपूतनाजावै ॥ अन्यच ॥ विल्वअवरगुंजामंगवावै काकादनीपुरोयगल पावै शीतपूतनाजावैतास निश्चैवालकहोतहुलास अन्यच मुंगभातरुअमदराय वलिदेवेजलकेतटजाय अरुपुनतहांस्नानकरावै शतिपूतनातनतेंजावै अथझाडेकामंत्रः मुद्गौदनाशनादेवसुिराशोणितपायनी जलाशयाजलरतापातुत्वांशीतपूतना ॥ इतिशीतपूतना ॥

॥ अथमुखमंडकाग्रहयुक्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मुखप्रसन्नवरणजोभासै नाडिनकरमुखव्याप्तप्रकाशै मूत्रगंधवहुभोजनकरै मुखमंडिकाग्रहयोंलषपरै ॥

॥ अथमुखमंडिकाग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ कपित्थविल्वअरणीमंगवावै वासाअरुएरंडमिलावै कुवेराक्षीपावोतिन्हसाथ विधि, सोंकोजैताकोकाथ तासोंवालकस्नानकरावै मुखमंडिकादेहतेंजावै ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ स्वरसपत्र, भंगरेकेआन असगंधअवरअजगंधाठान इन्हसंगचरवीतैलपकावै मर्देमुखमंडिकामिटावै अन्यच' मुलठीअवरदुग्धतुमजानो वंशलोचनगणमधुरपछानो अवरपंचमूलसुनगाथ घृतजुपकावेभिन्नइन, साथ सोघृतमर्देवाजुखुलावै ग्रहमुखमंडिकाभागीजावै ॥ अन्यच ॥ कुठसर्जरसवचारलाय घृतसों' मेलजुधूपधुखाय ग्रहमुखमंडकाहोवतनास वालककेमनहोतहुलास ॥ अन्यच ॥ वंशलोचनअरुकुठ, मुलठ समयहतीनोकरोइकठ इन्हसंगघृतपकायपिलावै मुखमंडिकादोषनसावै ॥ अन्यच ॥ इंद्रव, छीगोजिग्हाआन सर्पकंजवालकगलठान मुखमांडिकाजुग्रहनरहावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ अन्यच ॥ पारासुरमाअरुसिंधूर मनछलरक्तपुष्पातिंहपूर पांचवर्णकीध्वजावनाय वलीमाहिंसो' आनधराय क्षीरसघृतसभवस्तूलेवै यहवलीगोशालामोदेवै पुनतिंहठौरकरायस्नाय मुखमंडिकाहो' यग्रहहान ॥ झाडेकामंत्र अलंकृतारूपवतीशुभगाकामरूपणी गोष्टमध्यालयरतापातुत्वांमुखमंडिका' १ ॥ इतिमुखडिकाग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथनैगमेयग्रहयुक्तलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ छर्दकंपमुखशोथमूर्छाऊ पीडतदांतऊर्द्धदरशाऊ यहनैगमेयग्रहलक्षणकहै जोवाल' नमोंप्रगटतलहै ॥ दोहा ॥ वालकरोगनिदानकोंवरण्योंभलीप्रकार समुझचिकित्साजोकरैवडोवैद्यसंसार ॥ इतिवालरोगनिदानं ॥

॥ अथनैगमेयग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ विल्वअग्निमंथयहआन पूतकरंजूतामोंठान क्वाथकरैफुनिवालन्हिलाय ग्रहनैगमेयदूरहोइजाय ॥ अन्यच ॥ मदराकांजीधनियांलीजै इन्हकोसेकटकोरजुकीजैं ग्रहनैगमेयभागक' हुंजाय दुःखजायसुखप्रगटैआय ॥ अन्यच ॥ प्रयंगूसरलअनंतामुस्थर शतपुष्पागोमूत्रइकत्तर दधिमंड' अमलअरुकांजीपाय इन्हकेसाथहिंतैलपकाय वालकतनपरमर्देसोय ग्रहनैगमेयदूरतवहोय अन्यच ॥ गणमधुरदुग्धदसमूलीक्वाथ घीउपकावैताकेसाथ वालपवावैमर्दनकरै ग्रहनैगमेयदेहतेंटरै ॥ अन्यच ॥ जटिलावरचागिलोयमंगाय गोलोमीसंगताहिरलाय सूत्रपुरोयवालकगलडारै ग्रहनैगमेयदेहतेंटारै अन्यच स्वेतसर्षपावरचमंगाय हिंगुकुठअजमोदापाय तंडुलताहिमिलावेसंग वुटणामलैसुवालकअंग पुनक्षीरवृक्षकेतलेन्हिलाय ग्रहनैगमेयतुरतमिटजाय ॥ अन्यच कुकुडउल्लूगूगूजुतीन इन्हकीविष्टालेय- प्रवीन वालकआगेधूपधुपावै ग्रहनैगमेयतुरतमिटजावै ॥ अन्यच ॥ तिलतंडुलअरुपुष्पमं गावै व्यंजनविविधभांतकेपावै अजामाससंगवलिजुवनाय क्षीरीवृक्षमूलदेजाय ग्रहनैगमेयदूरहोइजावै होइनिरोगवालकसुखपावै ॥ झाडेकामंत्र ॥ अजाजनश्चलाक्षिश्चकामरूपीमहायशा वालपालयतेदे- वोनैजमेयोहिरक्षतु ॥ इतिनैगमेयग्रहचिकित्सा ॥

॥ अथसर्वग्रहचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ महामुंडीअरवालालीजै विधिवतक्काथतासकोकीजै वालस्नानकरावेतास ग्रहसर्व. तिसहोवतनास ॥ अन्यच ॥ अश्वत्थमहूअरविल्वपछानो अवरसप्तछदलेपुनठानो इनकेपत्रनकोकर. काथ स्नानकरावेकाथहिसाथ वालग्रहसभहोवतनास वंगसेनमतकीनप्रकास ॥ अन्यच ॥ त्वचास- प्तछदआनपिसाय मूर्वातिक्तातासरलाय वुटणावालककेतनमलै सर्वग्रहतिसहूंकेटलै ॥ अन्यच ॥ सप्तछदअरुनिंवकेपत्र चंदनहलदीकरेइकत्र महीनपीसतनलेपनकरे वालककेग्रहतनतेंहरे ॥ अन्यच मृतकगौकुक्षिगोवरलेय वालककोयहधूपसुदेय वालग्रहसभशीघ्रनसाय वालककोज्वरदेतहटाय अन्यच वालग्रहेंकीशांतिअर्थ बलीकर्मकरदेषसमर्थ पीडावालग्रहयवजाने मंत्रतंत्रकरदूरपछाने अथमंत्रः ॐनमोभगवतेगरुडीयत्र्यंवकायसत्यवस्तुतः हुंफटस्वाहा ॐकंटंयंशंवैनतेयायनमः ॐह्रींह्रींक्ष इतिमंत्रः

॥ दोहा ॥ वालकदेहप्रमाणकीमालापुष्पवनाय तीनवारलेतगहिकीं वालकतेंभरमाय ॥ चौपई ॥ भातवलीइकमुष्ठिप्रमान देयजुवालककोहितजान तातेंरोगसभीग्रहजाय वंगसेनमतदि- योवताय ॥ अन्यच ॥ स्कंदसर्वग्रहस्वामीजोय सर्वरोगमेंपूजेसोय अथवारेवतीपूजेनित्त तातेंरो- गहटेसुखचित्त ॥ अन्यच ॥ वैद्यजुवालकीरक्षाकरे मंत्रतंत्रपरानिश्चाधरे ॥ अथमंत्रः ॥ स्वस्तितेषण्मुखः स्कंदोमहाभागाचरेवती दिशःसूर्यांतरिक्षंचस्वस्तिकुर्वं,तुसर्वदाः तेजसाब्राह्मणश्चायंविष्णोरिंद्रस्यतेजसा सिद्धानांतेजसाचैवरक्षतोसिमुखेभवेत इनोमंत्रोंकररक्षाकरे सर्वग्रहहरधूप ॥ चौपई ॥ सर्पकंजल सनमूर्वाय स्वेतसर्षपावरचमिलाय निंवपत्रविडालविष्ठाऊ अजारोममेषशृंगीपाऊ यहसमलेमधुघृतसुमि लाय धूपदेयसभग्रहमिटजाय सर्वज्वरनकोहोवैनाश वंगसेनमतकीनप्रकाश इतिवालग्रहचिकित्सासमाप्त

॥ अन्यप्रकारकथनम् ॥

॥ दोहा ॥ प्रथममासकेवालकोंपीडालखेंमहान शकुनीग्रहकरयुक्ततवजानेवैद्यसुजान ॥ चौपई ॥ कासशब्दयुतहोविश्वास गृध्रपक्षीकीआवैवास मीटेनेत्रवहुचेष्टावाल रक्तमूत्रमलहोवेंलाल ताहिनि- मित्तयहवलीवनावै ताहितेंवालकअतिसुखपावे वहुतप्रकारकीपायसकरे तिलतैलसंगसुभदीपकजरे लेह्यचोष्यभक्षभोज्यजोचार यहप्रकारकेकरेंसुहार पीतवस्त्रध्वजसोभनधरै गंधआदिलेपूजनकरै जाय- करंजवृक्षकेपास सातादिवसवलिकरहैयास नखगोदंतकोधूपधुखावे सकुनीग्रहपीडामिटजावे

॥ अन्यप्रकार ॥ दोहा ॥ अवरग्रंथमतपूतनाग्रहणकरेयोवाल तिहकारणवालिकहतहूंसुखीहोयाजि- सवाल ॥ चौपई ॥ वालपीतमुखहोयेजवै सकुनीग्रहलषलेवैतवै रक्तमालगंधधूपधुखाय तिलतैलन- कोदीपजगाय विवधअहारपायसपुनकरे तिलअरुमद्यमांससंगधरे ॥ अन्यप्रकार ॥ चौपई ॥ जाहि- स्थानमैनामनकह्यो पूतनाशकुनितालखलह्यो धूपमेखशृंगकाजानो वलीकालमध्यान्हपछानो योयो- वर्णजासग्रहहोय पुष्पध्वजादीतारंगसोय मद्यमांसफलअन्नजोभावें सोवलिताहिनिमित्तकरावें जिसाहि. स्थानमोवलिनलषेजव प्रथमविधीसमजानलियोतव ॥ इतिप्रथमदिवसमास ॥

॥ अथप्रथमवर्षग्रहलक्षणं ॥

॥ दोहा ॥ प्रथमवर्षमेजानिऐंनंदनीग्रहजोकराल ताहिजनितपीडाकहैवालकहोतविहाल ॥ चौपई नष्टवाकभूमीपरगिरें नेत्रचलेंवहुरोदनकरें अंगदाहजहलक्षनजान योगसारमेंकियोप्रमान ॥ सवैया

गुडभातदहीपुनमाषलियें तिलकोंपुनचूरणसंगमिलावें घृतपूपवनायजुमत्सगहें मदिराअरुसंगहि-
मांसरलावें यहपूर्वदिसावलियापधरें ग्रहपूजनवालकतेंकरवावै पंचपल्लवतेंहितस्नानकरैसुखिवालक.
होग्रहतेछुटजावै ॥ दोहा ॥ प्रथमदिवसअरमासपुनप्रथमवर्षपुनजान मदनानामजपूतनाप्रविशेवालक.
आन चौपै मदनावालग्रहणकरेंजवैप्रथमदेहज्वरप्रगटेंतवैगात्रशोषस्वेदआनाह छर्दीकंपअन्ननहिनचाह
मूर्छावहुतहोतहैजास अवरहीनसुरहोवेतास दोहा वलिविधानवरननकरोंग्रंथनकेअनुसारसुखउपजोंजिहवा
लकोंग्रहकोहोतनिवार चौपई नदीदोतटकीमृतकाल्यावे सुंदरपुतलीतासवनावे स्वेतभातअरुध्वजा-
वनाय स्वेतपुष्पगंधधूपधुखाय स्वेतलेपतिहअंगलगावे स्वेतफूलगलमालजुपावे पांचदीपपुनताहि.
जगावे नैवेद्यधूपकरताहिधरावे ॥ होहा ॥ पूर्वदिसामोंयोधरेसावधानवलिदान प्रातकालविधिसोंकरे.
वालकहोतकल्यान ॥ चौपई ॥ राजसर्षपाकोंजुमंगावे अवरउशीरजुतासरलावे निंवपत्राशिवकोनिर.
माल मार्जारअवरपुरुषकेवाल गौकोघृततिहसंगमिलावे देवेधूपवालसुखपावे तीनदिवसविधिजा.
हिवनाय शांतीजलकरस्नानकराय भोजनव्राह्मणकोंकरवावे दुग्धसाथअरुखंडरलावे अपनीशाखा'
मंत्रपढावे ताजलमार्जनवालकरावे ॥ शन्नइंद्राइति ॥ प्रथमवर्षमासादिनजाने ताहिमंत्रकररक्षाठाने,
ऊँह्रींश्वेतस्वाहा ॥ इतिप्रथमदिवसमासवर्षविधि ॥ दोहा ॥ द्वितीयमासदिनवर्षमेंभीषणाकरेसंचार,
धूपलेपवलिकहितहेंप्रयोगसारअनुसार दिवसदूसरेवालकोंग्रहणभीषणाजान लक्षणसोवरननकरोंयोग्र.
थहिंपरिमान चौपई भीषणाग्रस्तवालजवहोय गात्रसंकोचवालअतिरोय कासवालचेष्टाहरजानो-
दिवसदूसरेलक्षणमानो अपामार्गअरुवरचमगावे मूत्रपीसअंगलेपलगावे गोदंतशृंगकेशनरल्यावे.
धूपतेंभीषणाग्रहमिटजावे ॥ दोहा ॥ लेपनचित्रककोकह्योनषगोशृंगसुजान धूपहुंतेंग्रहटलतहैं
अवरग्रंथमतमान ॥ अन्यच्च ॥ नारायणीयेतु चौपई स्यामतुलसअजामूत्रकेसंग लेपकरेग्रहहोवेभंग
अपामार्गवीरणकोमूल चंदनसभसमलीजेंतूल गौकोशृंगदंतनरकेश धूपकरेहरेग्रहकोक्लेश-
मत्स्यमांसमदभक्ष्यवनावे पुष्पमालअरुदीपजगावे गंधधूपवलिऊपरधरे पूर्वविधीसवतामोकरे
लेपनमंत्रस्नानअरुदान सोसभविधियहकरीप्रमाण ॥ इतिद्वितीयदिवसग्रहहरं अथद्वितीयमासाविधि
प्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ मासदूसरेवालकोमकुरानामहिजान प्रयोगसारमतजानकेलक्षणकरोंवखान
॥ चौपई ॥ ग्रीवास्कंदस्वेदवहुआवैं शीतदेहपुनपीतलखावैं मुखसूकेवहुहोतडकार अवरअरु'
चिवहुहोतविकार खिचडीचावलतिलहीगिलावे पूडेदुग्धयहवलीवनावे कृष्णपुष्पमलेआगरचंदन
वलीकरेमकुराग्रहभंजन ॥ दोहा ॥ फूलकुशुंभेकेकहेधूपानेंवदलजान जाहिवलीकेदानसेंवालरोगकी-
हान नारायणीयेतु वलीखीरकीजानियेदीपतैलकोजान मंत्रलेपस्नानादिसभपूरवकरेवखान ॥ इतिद्वि-
तयिमासाविधि ॥ अथाद्वितियवर्षगृहीतविधानं प्रयोगसारे वर्षदूसरेपूतनावालककरेंविकार पूर्वदिशा-
योवलिकरेंग्रहकोहोतानिवार ॥ चौपई ॥ सर्पकंजकोधूपसुकरे रात्रीसमेसर्वग्रहटरे गंधादिकवि
बिसवहिवनाय पल्लवपांचस्नानकराय औरविधीजोपाछेकही सोनिश्चैजानोतुमसहि ॥ इतिद्वि-
तीयवर्ष अथद्वितीयमासवर्षविधिरावणसूनुप्रोक्तं ॥ दोहा ॥ द्वितीयमासदिनवर्षमेंवालमोंकरैंहधाम
रावणसुतावरननकरै स्तनदायीतिहनाम कवित्त ज्वरप्रगटावेहाथपादनसकुचावे औरभोजनकोनचावै
कृशदेहसोलखातहैं दंतदंतसोंघसावे नैनखोलनकोंनचावे औरछर्दीप्रगटावेवहरोवतदिनरातहै
बहुतडरपावेदरसावेरोगनेत्रनको छेजतेंगिरावेयहलक्षणप्रघटातहै बैद्यतहांजावेलखपावे रोगवालहूं

कोंयातेलखपावै ताहिपूतनासुहातहै ॥ चौपई ॥ तंडुलएकजुप्रस्थपिसावे पुतलीसुंदरतासवनावे भात स्वेतधरपूपवनाइं ध्वुजात्रयोदशदीपजगाई मत्स्यमांसयुतवलीवनावें पश्चिमदिकमोताहिधरावें ॥ दोहा ॥ सांजसमेदिनतींनहीविधिकरवलीवनाय ताकरपूतनाटलतहैं वालकअतिसुखपाय प्रथममासदिनवर्षमेंयोविधिकरीवखान शांतिमंत्रपुनधूपहीस्नानादिकसभमान ॥ इतिद्वितीयदिवसमासवर्षविधि अथतृतीयदिवसमासवर्षग्रहहराविधि तृतीयदिवसाविधिप्रयोगसारे दोहा दिवसतीसरेपूतनानाम चंडालीजान सोलक्षणवरननकरों प्रयोगसारमतमान चौपै श्वासकासमुखशोषदिपावे उद्वेगअरुचियहचेष्टापावे हस्तिदंतगोदंतमगाय अजाक्षीरसंगलेपलगाय ॥ दोहा ॥ राईअरुदलनिंवकेधूपदेयजिसकाल पूतनाग्रहमिटजातहेसुखीहोतहैवाल ॥ अन्यच ॥ नारायणीये क्रियाकालगुणोतरेविधि लक्षणं चंडालीग्रहीतवालजवजाने अंगशोषजृंभापुनमाने गात्रोंद्वेगशब्दअरुत्रास होतअरुचियहल. क्षणयास दोहा हस्तिदंतगोदंतलेकेशरअंजनपाय घृतमिलायपयलेपतेंवालकग्रहम्मिटजाय ॥ चौपई ॥ नखशुभपत्रानिंवकेल्यावे धूपतेंवालकअतिसुखपावे मत्स्यमांसमदभक्षवनाई पुष्पमालअरुधूपधुखाई गंधाक्षतपुनदीपजगावै वलीकरायवालसुखपावें ॥ दोहा ॥ लेपमंत्रवलिस्नानहैअवरविशेषविधानप्रथमदिवसवरननाकियेसोसभयाहिप्रमान ॥ इतितृतीयदिवसगृहीतवालग्रहहरविधि ॥ अथतृतीयमासाविधानं प्रयोगसारे दोहा मासतीसरेवीचहीगोमुखीपूतनाजांन योवालींहलक्षणकेंर सोअवकरोंवखान चौपई निद्रावहुतवालवहुरोवे वारवारमलमूत्रजुहोवे गौकीगंधदेहमेंआवत अवरकभीमधुगंधवतावत तिलप्रयंगुकुलथमाषरलावे मोदकपिंनीसंगामिलावे चरुअरुफूलजपाकेपावैं वली. कालमध्यान्हवतावै सर्षपतैलकोधूपधुखाई ग्रहजुपूतनातवमिटजाई ॥ अन्यच ॥ नारायणीयेतु ॥ चौपई ॥ कंगुकुलत्थमांसपुनल्यावे मोदकदुग्धशाकजुमिलावे पिष्टदीपादिक्पूर्वपछानो वलीकालमध्यान्हसुजानो पांचरात्रविधिस्नानकरावे सर्षपधूपवालसुखपावे ॥ अन्यच ॥ क्रियाकालगुणोतरे नारायणीयेवा ॥ दोहा ॥ गौतमीग्रहकोनामहैं स्नानपंचदलजान प्रथमदिवसाविधिसभ करैं मंत्रादिकवलिदान ॥ इतितृतीयमासविधि ॥ अथतृतीयवर्षगृहीतवालग्रहहरंप्रयोगसारे दोहा व. र्षतीसरेपूतना धनदाजांकोनाम इहलक्षणसवजानियेंजवकरेवालमोंधाम ॥ चौपई ॥ अंगपीडज्व, रनेत्रमिटावें शोषवहुतचितहारनचावें वामपादनितफरकतजोइ यहलक्षणतिसवालकेहोइ मत्स्यसु. रादधिमांसमगावें मुद्गअवरतिलकल्कवनावे पुतलिपिष्टकीवैद्यसुधारें कलशधरेंपुनाविधीविचारें पूर्वदिशामेंवलीधरावे ग्रहतवटलेंवालसुखपावें मोरपंखनखसंगमलीजैं धनदाग्रहतताछिनहिपतीजैं ॥ नारायणीयेतु ॥ चौपई ॥ वटकानामपूतनाजानो तासनिमित्तजुवलीवखानो तिलकुलथमाषमत्स्यमदपावैं दधिमांसलेसंगरलावैं कलसधारप्रतिमाजुपुजाय उतरदिगवालिजायधराय ॥ सवैया ॥ पांचपल्लवकेसंगस्नानकरें मोरपंखनकोपुनधूपधुषावें नदिकूलकीमृत्तकाआनधरें प्रतिमाशुभतासवनाय धरावैं वलिदानसनानजुमंत्रसभीलखसोदिनपूरवमेंयोवतावें विधितीसरेवर्षकोजानलियोहमेंसोईकहीयोंइग्रंथवतावैं ॥ इतितृतीयवर्षपूतनाविधानं ॥ अथतृतीयदिवसमासवर्षगृहीतपूतनाग्रहहररावणसूतकुमारतंत्रे ॥ दोहा ॥ दिवसतीसरेवर्षहींमासतीसरेजान ग्रहणवालकोंपूतनायोगिनीनामसुमान. ॥ चौपई ॥ पूर्वदेहमेंज्वरप्रगटावें कंठशोषवकवादकरावें मीटतनेत्रंवमनवहुधारे अरुचिअंगअंगरोमसंचारें प्रस्थमात्रपुनचूर्णमगाय प्रातिमांसुंदरतासवनाय ॥ दोहा ॥ रक्तवर्णकोभातहें रक्तहिं-

पूपवनाय रक्तधुजाअनुलेपहेंरक्तपुष्पलखपाय उत्तरदिशभोजानियेंअथवापश्चिममान वलीकरेंग्रहट' लतहेंहोतवालकल्यान ॥ चौपई ॥ शांतिस्नानवलिदानवतावें भोजनब्राह्मणकोंकरवावें मंत्रविधीसभसोइकहाइ प्रथमदिवसमेंजोंइवताइ इतितृतीयदिवसमासवर्षेषुगृहीतवालग्रहहराणि चतुर्थेदिवसेगृहीतवालग्रहहरंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ दिवसचतुर्थमेंवालग्रहकटकोलीतिहजान चेष्टादेखजुवालकतितेंरोगपछान ॥ चौपई ॥ चित्तउदासदिग्नेत्रपसारें अरुचिडकारमुखफेनहिंडारें सर्पकंजगजदंत्तमगावे लेपमूत्रगजसंगलिपावें सर्षपनिंवनरकेशसुधारें धूपहुंतेंग्रहकोंनिरवारें नारायणीयेतुक्रियाकालगुणोत्तरे ॥ दोहा ॥ दिवसजुचौथेवीचहीपूतनाकेरेंसंचार वलिविधानवरननकरोंग्रंथनकेअनुसार ॥ छंद ॥ कुलथमाषकाकोलीसर्षपजाहीकीशुभवलीकरे गजदंतसर्पकीकंजजुलेवेनरमूत्रसेंलेपधरे द्रोणपुष्पराइनिंवकेदलधूपसुवालकरावतहैं यहविधीकरावैंग्रहमिटजावैवालकपुनसुखपावतहैं ॥ चौपई ॥ लेपनमंत्रअवरवलिदान स्नानधूपअरुकालपछान प्रथमादिवसमैयासिवकहे चतुर्थदिवसमैसोसभलहें इतिचतुर्थदिवसगृहीतविधानं अथचतुर्थमासोक्तमुच्यते प्रयोगसारे दोहा ॥ मासचतुर्थेवीचाहिंपिंगलानामपछान वालहिलक्षणयोकहेसोसभकरोंवखान चौपै अंगशोषभुजावहुतहिलावें अरुचिवहुतजलपानसुचावें शोषदेहदुरगंधसुहोइ तासचिकित्साकरहेंनकोइ इतिचतुर्थमासविधानं अथचतुर्थवर्षविधानंप्रयोगसारेच दोहा वर्षचतुर्थेवीचहीचंचलायाकोनाम सवलक्षणवर्णनकरेंकरेंवालमेंधाम चौपै ज्वरप्रगटेंपुनहोंवतश्वास अंगसादवहुहोवततास अन्नकृष्णतिलवस्त्रधरावै पूतनाहितयहवलीकरावें मेषशृंगकोधूपधुखाइ ताकरवालकअतिसुखपाइ ॥ नारायणीयेतु ॥ सवैया ॥ वलिकृष्णहिश्रांनवनायधरै तिलकृष्णहिताहिकेसंगरलावें वलिदाननिसामुखजानलहें मेषशृंगकोधूपवनायधुरवावें दलविल्वपलाशकदंवनकेवटपीपलताहिकेसंगरलावै वलिदानसनानविशेषसभीलखसोइजुपूरवमाहिंवतावें ॥ दोहा ॥ दिवसचतुर्थजुमासहीवर्षपूतनाजान मुखमंडिकाअरुभीषणानामसुकरेंवखान ॥ चौपै ॥ वालकमैजवकरेसंचारा ताशरीरज्वरहोतअपारा गात्रभंगगातिभंगहजोई दुर्वलश्वासकासअतिहोई श्यामवर्णनाहिनेत्रउघारे अरुचिजुलक्षणतासउचारे सोरठा तिलकोपिष्टवनायपुतलीतासवनायधर नेत्रअपांगवनायविल्वकंटसोंवेधवर चौपै प्रस्थभक्तपूरीसमकीजें अर्द्धप्रस्थकेपूपभनीजें श्वेतपुष्पध्वजाश्वेतपछानो गंधादिकसभश्वेतहिमानो तीनकालमेंवलीकराय पश्चिमादिकमोंजायधराय ॥ योगरत्नावल्यांतु पांचपल्लवसंगकरेजुसनान ब्राह्मणभोजनअरुवालिदान अवरविशेषविधीसवजान प्रथमदिवसमोंकरीवखान इतिचतुर्थदिवसमासवर्षेषुगृहीतपूतनाहरं अथपंचमदिवसगृहीतोक्तंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ दिवसपंचमेवीचहीअहंकारीतिसजान ग्रहणकरेयववालकोंलक्षणकरोंवखान ॥ चौपै ॥ उर्द्धदृष्टिदृढमुष्टिवंधावे जृंभावहुतश्वासप्रगटावे मेषशृंगवचमनशिलल्याय हरताललोध्रकोलेपलगाय सिद्धार्थनिंवदललशुनमंगाय करेंधूपग्रहतेंलुटजाय क्रियाकालगुणोतरे नारायणीयेतु दोहा हंसामातृकापंचमैदिनमोंकरीवखान मत्स्यादिकजुअहारहैंताहिकेरवलिदानं चौपै मंत्रयंत्रअरुलेपनयोई स्नानदानवलिधूपसुहोइ प्रथमदिवसकोयोइविधान सोसभपंचमदिनमेंजान मासचतुर्थदिवसाविधिकहि सोसभपंचमदिनमोंलहि इतिपंचमदिवसग्रहीतवालग्रहहरंविधानं अथपंचममासगृहीतवालग्रहहरंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ मासपंचमेवीचहीवडवाकरीवखान ग्रहणवालकोजवकरेसोइलक्षणतुमजान ॥ चौपै ॥ अरुचिदेहकृशरोदनकरें मुखशोषवहुतेंचेष्टावहुधरे मांसशाकअरुमत्स्यमगाय वहुविधपिष्टाविकारवनाय मध्यान्हवलीदिशदक्षिण

धारें पूतनावालगृहीतनिवारें ॥ नारायणीयेतु ॥ दोहा मलनताम्रानामदोनारायणिमतमान नटाकंचु; कीनामपुनतंत्रांतरमतजान मंत्रयंत्रवलिदानहिंगंधलेपअस्नान प्रथममासमेंजोकहेसोसभयाहिप्रमान इतिपंचममासगृहीतवालकग्रहहरं अथपंचमवर्षगृहीतवालकग्रहहरंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ कंठशोषवहु मूत्रहैंगात्रसाधहोएजास विकृतवर्णहोएवालकोलक्षणहोवेंतास ॥ चौपै ॥ मत्स्यमूलका, मांसपकावें खिचडीदधियवसंगधरावें पायसमदरातिलहिंरलाय विधिकरपूजातासकराय वलिसातदिनयाविधकरें स्वछंदपूनातातेंटरें ॥ दोहा ॥ गोदंत्तजुराईकेशलैल्शु- नहितास मिलाय तीनकालयहधूपतेंपूतनाग्रहामिटजाय ॥ नारायणीयेतु ॥ चौपई ॥ पूतनाधावनीना- मपछानो मंत्रतंत्रवलिदानसुमानो पांचपत्रसेंस्नानकरावै प्रथममासविधियोहिवतावै इतिपंचमवर्षगृ- हीतवालग्रहहरं अथपंचमदिवसमासवर्षपूतनाहरणविधि ॥ दोहा ॥ पांचदिवसपुनमासाहिंवर्ष- विडालीजान नामतासवरननकियोजुलक्षणकरोंवखान ॥ चौपई प्रथमवालकोंज्वरप्रगटावें हिडकीस्वासशूललखपावें गात्रभंगवालकपुनसोई खानपानरुचितासनहोई तंडुलप्रस्थकोचूर्णकरावें प्रतिमासुंदरतासवनावें शुक्लभातपुनपूपवनाय स्वेतपांचध्वजतासधराय स्वेतफुष्पअरुचंदनलीजें पांचदीपपुनतासधरीजें सायंकालजुवलीकरावें पश्चिमदिगमेंतासधरावें चतुर्थदिवसवर्षमा- समैजोई धूपकह्योलषलीजैसोइ शांतिब्राह्मणभोजनदान मंत्रयंत्रयोकरेवखान पंचममैसोसव- हिवताये योसभप्रथमसाममेंगाये ॥ इतिपंचमदिवसमासवर्षेषुवालगृहीतपूतनाहरं ॥ अथषष्ठदिवसमासवर्षगृहीतवालग्रहहरंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ षष्टदिवसकटकारि- कावालहिकरेप्रसार जोलक्षणइयेंवालहिंसोअवकरोंउचार ॥ चौपई ॥ पूतनायाकोकरेसंचार अंगहलावतवारंवार हसेवहुतपुनरोदनकरे मोहहोतग्रहलक्षणधरे गजदंतकुष्टसिद्धार्थमिलावें गुग्गुल- घृतसोंधूपधुखावे यहवस्तूकोलेपलगाय ग्रहजुहटेवालकसुखपाय ॥ नारायणीयेतु ॥ मत्स्यमांस- कीवलीवनाय प्रथमामसमेंदईवताय स्नानमंत्रयंत्रसभजानों धूपदीपगंधादिकमानों वालग्रहहरवि- धिहेंजेति प्रथमदिवसकीजानोंतेति ॥ क्रियाकालगुणोत्तरेतु ॥ दोहा ॥ फेकारीयोपूतनाषष्ट- दिवसमोंजान प्रथमदिविसविधिसभकहिनामविशेषपछान ॥ इतिषष्ठदिनगृहीतविधानं ॥ अथषष्टमासोक्तविधानंप्रयोगसारे ॥ सवैया ॥ षटमासमेंवालकोकोपकोरे पश्चातिसनामहिग्रंथउचारें सुरभंगहिंरोदनवहुतकरें पुनकुक्षिमैशूलहिकोसंचारें शिखिकुकुटभेडुकोमासलियेंमदमाषहिंभातकुलत्थसु धरें वलिदानविधानवनायकरे तिहतेंअतिखेदतेंवालउधारे ॥ क्रियाकालगुणोत्तरे ॥ वलीजुसुंदरकरहै- जास सर्षपअवरछागकोमास विविधप्रकारकेपुष्पवखाने विशेषविधियहतासमेंजानै नारायणीयेतु ॥ दोहा ॥ छठेमासमोपूतनापंकजाकरीवखान गंधपुष्पवलिवस्त्रसभिपूरवकहेसुजान मंत्रतंत्रवलिदा- नहींस्नानदानसभजान ॥ प्रथमदिवसमेंजोकहेसोसभकरोप्रमान ॥ इतिषष्टमासगृहीतवालग्रहहरं ॥ अथषष्टवर्षगृहीतवालग्रहहरणं ॥ प्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ षष्ठवर्षयमुनागृहीवालहींकरेसंचार योवा- लकचेष्टाकरेसोअवकरोउचार ॥ चौपई ॥पीडावहुतहासपुनकरे अंन्नखानमेंरुचनाधरे पायसपूडे- घृतजुमिलाय मत्स्यमांसमदधीरलाय पुनमोदकताऊपरकरे वलीचुराहेमेंजाधरे गोखुरशृंगगेंम- तिहल्यावें धूपकरेतेंग्रहमिटजावे ॥ नारायणीयेतु ॥ चौपई ॥ सतूंसुंदरलेजुवनाय तीनरात्रवलिदानकराय चौराहेमेंकरेस्नान पंचपत्रयोकरेवखान ताहीतेंग्रहपूतनाजाय नारायणीमतदिधोवताय ॥ क्रियाकालगु-

णोत्तरेतु ॥ दोहा ॥ वडेतिलनकेतैलमों दीपकअवरजगाय वलीकरावैंधूपपुन पूर्वकह्योसोभाय ॥ इतिषष्टवर्षगृहीतवालग्रहहरणं ॥ अथषष्टदिवसमासवर्षगृहीतवालग्रहहरंरावणसूनुप्रोक्तेकुमारतंत्रे ॥ दोहा षष्टवर्षदिनमासहिंशकुनीपूतनानाम सोलक्षणवरनणकरौंजवकरेवलमोधाम ॥ चौपई प्रथमतासहींज्वरप्रगटावैं गात्रशोषअरुकंपलपावैं वालककौंवहुहोवतकास अरुचिअवरवहुहोवतश्वास हरतपादअरनेत्रमोंजाने संकोचवहुतयहलक्षणमाने तंडुलप्रस्थकोचूर्णपिसावैं पुतलीसुंदरतासवनावैं श्मामवरणकोभातसुधारे पूरीपांचतिहसंगसभारे मत्स्यमांसपायसपुनपावे ध्वजाकृष्णयहपांचधरावे अर्ध-पिष्टकेपूपवनाय सांझससेयहवलीकराय पश्चिमदिक्मोंजायजुधारे तातेपूतनाग्रहजुनिवारे ॥ नारायणीयेतु ॥ प्रयोगसारेवालग्रहहरं ॥ दोहा ॥ पुतलीपूर्ववरननकरीभातमत्स्यअरुमास पर्प्पटपूडेप्रस्थसमवलिप्रमाणलखतास ॥ दोहा ॥ दिशाजुउतरहींकही संध्याकालपछान विधिवतपूजनयोकरे होवत. ग्रहकीहान ॥ अन्यच ॥ दिवसमासवर्षमेंजानो यौंचतुर्थमैंसोसभमानी गोशृगालसुनइत्यादिकयोय धूपकरेग्रहतातेंखोय ब्राह्मणभोजनशांतिस्नान अवरमंत्रसोकरौंवषान ॥ ॐह्रींफटस्वाहा ॥ इतिषष्ट. दिवसमासवर्षगृहीतपूतनाहरंप्रयोगसारे सोरठा दिनहिसातमेंजानमुककेशीहोयनामअस सीअवकरौंवःषानलक्षणहोवैंवालतस चौपई जृंभणरोदनहोवेंकास शब्ददेहतेआवेवास गोमयपीसमूत्रगौसंग लेपकरेतिसवालकअंग नखगोघृतसंगधूपधुखावैं ग्रहनिवारवालकसुखपावैं क्रियाकालगुणोतरे चौपई रोदनवालकअतिसैंकरें पूतनालक्षणअधिकसुधरें कुष्टहरिद्रावचंमगाय पीसमूत्रसोंलेपलगाय व्याघ्रनखकोधूपधुखावे वलिदेयोगिनिग्रहामिटयावैं सोअववलीजुकरौंवखान मांसमद्यअरुमत्सपछान सुंदर. भक्षतासपुनधरे गंधपुष्पमालापुनकरे धूपदीपपूजनतिहकरें तातेंग्रहनिवारसुखधरें ॥ दोहा ॥ लेपनमें अविधानसभस्नानादिकवलिदान प्रथमदिवसवरननकियोसोइहांलखोपरमांन ॥ इतिसप्तमदिवसेगृहीतवा. लग्रहहरं अथसप्तमदिवसोक्तंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ माससप्तमेवालकौंग्रहणशीतलाजान योलक्षणवरननकरेसोअवकरींवखान ॥ सवैया ॥ निराहारधरेअंगकंपकरें तनमालतीफूलकीगंधजुआवैं वहुरोवतदंतसोशब्दधरें बहुकासजुश्वाससिंहिकौंप्रगटावैं जहलक्षणवालककेहिकहे तवपूतनाशीतलाकोलखपावैं जहजानजुवैद्यविचारधरे बलिदानविधानहितासकरावैं ॥ चौपई मांसशाककुलथमापमगावें मद्यपूप. तिलसमसभपावें रात्रिसमैंवलिदानकराहिं पूतनाताहिसमैभगजाहि ॥ नारायणीयेतु ॥ दोहा ॥ कम. लपुष्पकुलथमापहींशाकपिष्टपुनयोप वलीकरावेंवालकौं सुखीताहितेंहोय इतिविशेष क्रियाकालगुणो तरेतु ॥ चौपई ॥ मत्स्यभातअरुमांसरलाय कुलथमापमद्यअरुतिलतिहपाय पिष्टचक्रवाकपुनधरे सुंदर, फूलताहिमेंवरे ॥ दोहा ॥ अवरविशेपवरननकरेमंत्रयंत्रवलिदान पूर्वदिवसमोंयोकहे सोतुमकरोप्रमान. ॥ इतिसप्तममासगृहीतविधानं ॥ अथसप्तवर्षगृहीतविधानंप्रयोगसारे ॥ दोहा वालकसप्तमवर्षमें जात, वेदग्रहिनाम जहलक्षणतिहहोतहैं जबकरेवालमैंधाम चौपै अरुचिवहुतवालकौंहोइ हसैजुलक्ष' णजानोसोई मत्स्यमांसदधिमधुसंगलीजें घृतमिलायपायसपुनकीजें खिचडीमोदकतासधरावैं चौराहेमेंवलीधरावैं पुनतिहस्थलमैकुंडसुधारें हवनातिलनकेसंगजुडारें सहस्रमंत्राकी संख्याजानो तीनपांचरात्रविधिठानो ॥ मंत्र ॥ ॐकूष्मांडभगवतिसुरागिणिसुमंडिते' जुहतन्मुंचमुंचदहदहपचपच ॐसर सर वालकादयगछतुस्वाहा ॥ दोहा ॥ लीजेंपत्र' जुनिंबकेराईतासमिलाय धूपकरेंजववालहींग्रहजुतासमिटजाय नारायणीयेतु ॥ चौपई नामग्रहहि.

कोयमनाजानो वलीतासहितकहोंसोमानो पूपपूरीयांधरेवनाय क्षौद्रअवरयहतासमिलाय पंचपल्लवसों-जुकरेअस्नान गोशृंगरोमखुरधूपपछान ॥ क्रियाकालगुणोतरेच ॥ दोहा ॥ रैंनदिवससोयोरहैंलक्षणं-वालपछान हवनकरावेंवालतेंसोइमंतरकरोवखान ॥ तद्यथा ॥ ॐकूष्मांडेतिभगवतिराजनिमुंडितजुहु यान्मुंच २ दह २ पच २ सर २ वालिकेंगछ २ स्वाहा ॥ मंत्र ॥ चौपई ॥ दुष्टग्रहैकरजवलखपावें विधिवतवालतेंहवनकरावें सर्पपपत्रनिंवकेलीजें ग्रहहरधूपवालकोदीजें सप्तरात्रपुनहवनकरांहिं दुष्ट. वालग्रहसभभगजांहिं सभसमानपूर्वविधिगाई वेंषसप्तमेसोइवताई प्रयोगसारेतु ॥ दोहा ॥ हवनमं. त्रवरननाकियोअधिकलखोसुमहान यंत्रमंत्रवलिदानसभिप्रथमदिवसकोजान ॥ इतिसप्तमवर्षगृहीतवाल. ग्रहहरविधानंसंपूर्ण अथसप्तमदिवसमासवर्षेषुगृहीतपूतनाहररावणसूनुप्रोक्तंकुमारतंत्रे ॥ दोहा ॥ दिवस. मासअरुवर्षमैंकरेसप्तमेधाम रावणसुतवरणनकियेशुष्करेवतीनाम चौपई प्रविसेंवालपूतनायोई प्रथम' देहज्वरप्रगटैंसोईं अंगभंगरुचिहोएनयाको रोदनकंपप्रगटहैंताकों इहलक्षणयववालकेजाने वलिक. रायवालहितमाने प्रस्थप्रमानजुपिष्टपिसावें सुंदरपुतलीतासवनावें पूरीसाताहिंतासवनावें ध्वजासात, अरुदीपजगावें मत्स्यमांसअरुभातवनाय विविधपुष्पपुनतासधराय दिशउत्तरवलिताकोधरे अहीपूत-नाताहिनवरे ॥ योगरत्नावल्यांतु ॥ दोहा ॥ पंचदिवसहींवालतेंवलीकरावेयोय पश्चिमदिशमैंसोधरें सुखिवालकतवहोय ॥ चौपई ॥ दिनमासवर्षजुचतुर्थवखाने सोसभसप्तममेंहिपछाने गोशृंगलशुनइ-स्नादिकयोई धूपवालकहितमानोसोई ब्राह्मणभोजनशांतिस्नान प्रथमदिवसविधितामोजान पूजामंत्र-अवरवलिदान सोइमंत्रअवकरोंवखान ॥ ॐन्हींफट्स्वाहा ॥ इतिसप्तमदिवसमासवर्षेगृहीतविधानं ॥ अथाष्टमदिवसमासवर्षगृहीतविधानं ॥ तत्राष्टमदिवसगृहीतोक्तंयथाप्रयोगसारे ॥ दोहा दिनयोअष्ट-मेवीचहींयमुनाग्रहीपछान योलक्षणहोयेवालकोसोअवकरोवखान चौपई ॥ मुखजिव्हाफूटीलपयास शब्दकरैउपजैवहुत्रास इहलक्षणवालकलपपावें तासहेतवलिदानकरावें खिचडीअरुकुलथमाषवनाय पायसपूपतिहसंगधराय करविधानवलिदानकरावे प्रयोगसारमतयाहिवतावे राईनिंवदलधूपधुपाई वालकग्रहततछिणमिटजाई क्रियाकालगुणोतरे चौपई क्षिणक्षिणसुप्तजागपुनहोइ लक्षणवालकजा-नोसोइ खिचडीअवरपूपिकाकीजे पायसवलिसंगतासधरीजें विधिवतहवनकरावेंजवे ग्रहनिवारहोयवा लकतवे विविधभांतकीवलिवनाय पुष्पमालशुभधूपधुखाय शुचिवस्त्रसंयममनधरे अर्द्धरात्रवलिदानसुकरे याहिमंत्रसोंवलीकराय सोईमंत्रअवदेओंवताय मंत्र ॐमुंच २ पच २ दह २ जय २ वालिकेस्वाहा दोहा रैंनदिवससोयोरहेंमोहजुहोतअपार स्नानधूपग्रहवालहरसोइकरेउपचार चौपै पंचपत्रसोस्नानकरावे मंत्रयंत्रवलिदानजोगावे विशेषप्रथमदिवसमोगाई अष्टवर्षमोंलखोसुभाई ॥ इत्यष्टमवर्षगृहीतवालकग्रह अथाष्टमदिवसमासवर्षगृहीतपूतनाहरं रावणसूनुप्रोक्तेकुमारतंत्रे दोहरा दिनमासवर्षयोआठमेंनाम विडालिकाजान करेप्रवेसजववालहिंसोइलक्षणकरोंवखान ॥ चौपै ॥ प्रथमवालहींज्वरप्रगटावें अं गभंगदिनादिनदरसावें खोलेंनेत्रनरोवेसोई जिव्हाशोषशिरपीडाहोई अक्षिरोगनहिभोंजनचावें वा लकलक्षणएतेंगावें तंडुलप्रस्थकोचूर्णपिसावे सुंदरपुतलीतासवनावे पूरिखीरणामधुसंगधरे घृतदुग्ध खीलधानकीकरे अवरमेषकोमांसमगावे पापडगुलगुलेताहिंमिलावे ध्वजारक्तदीपपुनधरे विविध गंधचामरपुनकरे रक्तवर्णकेपुष्पमगावे मंत्रविधानतेंवलीवनावे संध्यासमेवलिकरेविचक्षण धरेपूर्वसं धोद्दिशदक्षण कृष्णाअष्टमीतिथीपछान मंत्रकह्योसोकरोवखान ॐनमोनारायणायत्रैलोक्यविद्रावणाय

ज्वल २ ओंह्रींफटस्वाहा अनेनमंत्रेणपूजादिवलिहरणांतेकर्मकुर्वीत दोहा धूपलशुनगोशृंगकोअव रविशेषपछान चतुर्थमासदिनवर्षमैयोविधिकरीवखान ॥ चौपै ॥ ब्राह्मणभोजनसांतिस्नान प्रथमदिवसकहैं सोमान कृष्णाअष्टमीकरीवषान वलिदानकरावैवैद्यसुजान सास्त्रार्थवहुततासमेंलह्यो ग्रंथवृद्धिसेंसोनाहिक ह्यो योगरत्नावल्यांतु दोहा जृंभग्रहीकोनामहैं दक्षिणादिशाहिजान पंचरात्रिवलिदानतेंवालकहो तकल्याण इतिविशेषः इत्यष्टमादिवसमासवर्षेषुगृहीतहरं अथनवमदिवसमासवर्षेषुगृहीतहरं तत्र नवमदिवसोक्तंप्रयोगसारे अष्टदिवसविधवरननकरीनवमैसोइपछान लक्षणभिन्नवरननकरे सोअवक रोंवखान चौपै ओष्टदंसचितहोएउदास मुष्टिवंधपुनउपजैत्रास वल्कजुचंदनकुष्टमंगावे वचंसर्ष पालेपलगावे नखजुकेशनरधूपजोकरे ग्रहजुपूतनातातेंटरे नारायणीयेतु दोहा महामषीग्रहनाम हैकरेवालसंचार दुर्गंधअंगवहुश्वासहींहोवतवालविकार पूर्वविधिजुवरननकरीसोसवताहिप्रमान स्ना नदानजपहोमसभ वालकहेतपछान क्रियाकालगुणोतरेतु चौपै सर्षपस्वेतजुअगरमिलावे ताहिद्र व्यसंगलेपगावे मत्स्यसुराअरुमांसरलावे विविधभांतकेभक्ष्यवनावे गंधधूपअरुदीपजगाय पुष्पमाल अरुताहिधराय विधिवतवालकवलीकरावे ताहितेंवालकअतिसुखपावे दोहा मंत्रयंत्रअरुलेपहै अव रविशेषविधान प्रथममासवरननकरे सोसभकरेप्रमान इतिनवमदिवसगृहीतवालग्रहहरं अथनवममा सग्रहीतवालग्रहहरंप्रयोगसारे दोहा नवममासमैपूतनाकुंभिकर्णिकाजान लक्षणवालककोंकरें सो सबकरोंवखान चौपै प्रथमवालकोंज्वरप्रगटाई पीतदेहदुरगंधजुआई अरुचिवहुतवालप्रगटावे वालकलक्षणग्रंथवतावें मांसदुग्धकुलथमाषरलाय मत्स्यमांसयहवलीवनाय ईशानदिशावलीदानकरावे मध्यानकालवालसुखपावे क्रियाकालगुणोतरेतु दोहा दुग्धपानवालककरेछर्दहोततत्काल पूतनाक तपीडालखें जहलक्षणहोवेवाल चौपै वालकचेष्टाजवलखपावे तासहेतवलिदानकरावे खिचडी' भातअरुकुलथमंगावे मत्स्यमांसमदधिक्षीरमिलावे तिलकोचूर्णताहिमेंधरें गंधपुष्पसंगपूजनकरें मध्या ह्नकालवलिदानकराय पूर्वदिशामैजायधराय इसविधवालाहिंवलीकरावे ताहितेंवालकअतिसुखपावे मंत्रा दिकयोविशेषवखाने प्रथमदिवसकेसोसवजाने इतिनवमासगृहीतवालग्रहहरं अथनवमवर्षग्रहीतवालग्रह हरंप्रयोगसारे दोहा नवमवर्षमेंवालकोंकलंहसीग्रहीमान गृहीतवाललक्षणकरेसोअवकरोंवखान चौपै दाह अंगकृशतादरसावें भयमनिज्वरकोंप्रगटावें दधीपूपपूरीसंगकरे पांचरात्रबलितांकीधरे तुलसीराईलसुन' मिलाय वचपीससमलेपलगाय गोरोमदंतनिंवदलल्यावे धूपतेंवालग्रहमिटजावे क्रियाकालगुणोतरेतु सोर ठा दधीअरुभातमिलायमद्यखीललेधानकी विधिकरवलीधरायपीरहरेतववालकी ॥ चौपै ॥ लशुनवचंस' र्षपपुनमानें कुष्टवालकोंलेपनठाने भृंगराजगजदंतमगावें नखकेशपत्रनिंवकेपावे धूपवालकोनित्यकराइ ताकरवालकग्रहामिटजाई पांचरात्रविधिवालकरावे पूतनाग्रहतातेंभगजावें ॥ दोहा ॥ मंत्रयंत्रवलिदानवि धिअवरविशेषविधान प्रथमदिवसवरननकरे सोविधियाहिप्रमान इतिनवमवर्षग्रहीतवालग्रहहरं अथन, वमादिवसमासवर्षगृहीतवालग्रहहरं रावणसूनोर्नेकुमारतंत्रे नवममासदिनवर्षमैंमदनाग्रहीपछान वालहिं' लक्षणजोकरेंसोसवकरोंवखान चौपै ॥ अध्मानछर्दिअरुज्वरप्रघटावें तृष्णाश्वासकासदरसावें शूलगा' त्रभंगहोवतजास वालकलक्षणकरेप्रकाश सो० प्रस्थींहिचूर्णपिसायपुतलीतासवनायकर पूजनतासकरा, यवालकआगेताहिधर ॥ चौपै ॥ मांसभातपर्पटपुनल्यावे इक्षुमूलकामत्स्सधरावे यासमंत्रकरवलीकराय सोइप्रगटकरदियोंवताय अथमंत्रः ओंनमोंभगवतेवासुदेवाय कृष्णमंडलेवालिमादायहन २ हुंटुफ

स्वाहा ॥ दोहा ॥ दिवसचतुर्थत्रिमासमेंधूपजुकिएवखान गोशृंगलशुनइत्यादिसवसेइजासमेंजान सो॰ ब्राह्मणभोजनजान मंत्रस्नानशांतिकहि दिवसमासकीमान प्रथमवर्षमोंयोलहि ॥ योगरत्नावल्यांतु ॥ दोहा दिवसमासपुनवर्षहींनवमेग्रहीपछान आजिकायोगिनीनामातिहलक्षणकरोंवखान चौपै ॥ अंगभंगवक, वादकरावें छार्दनेत्ररोगप्रटावें ग्रहीग्रहीतवालजवजाने वलीतासहितकरेजुठाने पूजनकरादिशउत्तरजाई देवेसोइजुपूर्ववताइ ॥ इतिनवमदिवसमासवर्षेषुगृहीतपूतनाहरम् ॥ अथदशमदिवसमासवर्षेषुग्रहोक्तवालग्रहहराणि तत्रदशमादिवसोक्तंप्रयोगसारे दोहा दशमदिवसकेवालकोंग्रहणरोदनीजान योवालकलक्षणधरेसोअवकरोंवखान ॥ चौपै ॥ स्यामवर्णश्वासवहुआवे सहितकासचेष्टालखपावे सिद्धार्थकुष्टकोले-पलगाय निंवपत्रपुनधूपधुखाय ताकरग्रहकीहोवेहान प्रयोगसारमतकियोवखान ॥ सवैया ॥ मदमांसहि-मत्सकोसंगवनावे वलिवालकतेंनिशिकालधरावें अपामार्गकुशाखसचंदनल्यायजलसोंसतवाराहिंसेच कराय जवतीनहिकालसनानकरावे सुखीवालकरेग्रहतेंछुटजावे सो प्रथमदिवसतेंजानंदशमवर्षलगयोक हि योसवअधिकविधानसोलखलीजेंतासमहि चौपै मंत्रयंत्रवलिलेपवखाने प्रथमदिवसकेसोसवजाने यह-विशेषविधियामोगाइ सोइग्रंथमेंतासवताई क्रियाकालगुणोतरेतु ॥ चौपै ॥ वचाअधिकलेपमेजानो निंवपत्रकोधूपाहिमानो लाखमत्स्यकीवलीधराय भक्तजुकोद्रवपथ्यखुलाय नारायणीयेव-लीविशेषाः ॥ चौपै ॥ कोद्रवभक्तपुनलाजापावे कुलथमाषकरवलीवनावे त्रयोदशादिनाविधितासकराय धूपादिकतेंग्रहमिटजाय इतिदशदिवसगृहीतवालग्रहहरं ॥ अथदशममासप्रोक्तं ॥ प्रयोगसारे ॥ दोहा दशममासमेंवालकोग्रहणतायसीजान योलक्षणतातेंकरेसोसवकरोंवखान ॥ चौपई ॥ अंगकंपअरुने-त्रमिटाय दुग्धपानकोंचितनहिचाय रक्तपीतरंगभातवनाई मत्स्यमांसमदसंगमिलाई अवरपूतना; ऊपरधरे घंटाध्वजापिष्टकेकरे मध्यान्नवलीउत्तरदिशधरे त्यागपूतनाताकोकरे॥ क्रियाकालगुणोतरेतु सोरठा ॥ तामसीनामवताय अवरविशेषविधानसव योवहकरेवनाय प्रथमवर्षकेजानतव इतिदश-ममासोक्तं अथदशमवर्षगृहीतोक्तंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ दशमवर्षकेवीचाहिंदेवदूतीग्रहीजुमान गृहीत वाललक्षणकरे सोसवकरोंवखान चौपई ॥ दौरेवालवेगवहुधरे उत्तानसैनचेष्टायहकरे विष्टामूत्रहो तहैजास वहुरवालकोंआविहास चलोचलोचलजाहिपुकारे वारवारजहशब्दउचारे पीडाअंगअंग' होयजास नेत्ररोगपुनउपजेंतास भागग्रहणमेश्रद्धाहोय वचनकर्षवालकरेंसोय कोद्रवकोशुभभातवनावे कुलथमाखपूपसंगधरावे मोदकमत्स्यमांसपुनलीजे रुधिरअवरपुनसंगधरीजै पुष्परक्तवस्त्रअरुधरे. वलीकालतीनयहकरे मंत्रयाहिसोंवलिकराय सोईमंत्रकोदेयोंवताय ॥ ॐमुंच २ नियोजय २ आगछ २ वालकेस्वाहा ॥ चौपई ॥ जाहिमंत्रसंगहवनकरावे दिनजुतीसविधिग्रंथवतावें ॥ क्रियाकालगुणोतरेतु ॥ चौपई ॥ पक्कमांसअरुमत्स्यमगावे अवरपूरियांसंगधरावे दधिकुलथमाखपूपजुवनाई भक्तकोद्रकोलेजुमिलाई लाजाअवरपोलिकाजानो वलीकरेवालकहितमानो करवी' रपद्मतगरनपल्यावे गुगलकेशरकुष्टधुखावे तिलतैलनसोंदीपजगाय पंचगव्यकरस्नानकराय वालक. तेंजहरविधीकरावे ग्रहतेंछुटेंवहुरसुखपावे होममंत्रयहअधिकपछाने होमकरेंअरसवहितमाने मंत्रयंत्रअ, वरवलीदान प्रथमकहेसोकरेप्रमान ॥ इतिदशमवर्षप्रोक्तं ॥ अथदशमादिवसमासवर्षोच्यतेरावणशू. नूक्तेकुमारतंत्रे ॥ दोहा ॥ दशमादिवसपुनमासमेवर्षरेवतीनाम इहलक्षणतवहोतहै जवकरेवालमोधाम चौंपई ॥ प्रथमवालकोज्वरप्रगटावे शूलश्वासकासलखपावे अन्नद्वेषपुनहोवेजास इहलक्षणसभ

होवेंतास पिष्टप्रस्थजुइ कहिंमगाई पुतलीताकिलेजुवनाई अष्टांगकंटकीवृक्षमगाय लेपनसोकरवलीवनाय भातकरगुडसंगरलावे पूरीपंचविंशतिपावे पंचविंशतिध्वजाधराय संख्यातासमदीपजगाय रक्तपुष्पता ऊपरधरे वलिचुराहेमेपुनकरे तीनकालयहकरेप्रमान मंत्रसाथसोकरोंवखान ॥ मंत्र ॥ ऊँनमोभगव तेवासुदेवायहन २ जुंफटस्वाहा ॥ गोशृंगलशुनइत्यादिकयोय करेधूपवालकसुखिहोय दिवसच-तुर्थमासवर्षांइ सोसवविधीयासमोगाई शांतिस्नानअरुब्राह्मणभोजन प्रथमदिनमासवर्षलखेजन-॥ रत्नावल्यां ॥ दोहा ॥ दशादिनवर्षजुमासमेंग्रहणवालकोहोय लक्षणहोयजुवालमैकथनकरोंअव-सोय ॥ चौपई ॥ ज्वरछर्दिकंपरोदनवहुकरे नेत्ररोगदुरवलताधरे पांचरात्रवलिदानकराय पूर्वदिशा-विधिसंगधराय वैद्यवालहिताहिजवजाने पूर्वविधिसवतामेठाने इतिदशमदिवसमासवर्षोक्तसमाप्तम् अथएकादशमासवर्षगृहीतवालग्रहहराणिकर्माण्यभिधीयंते ॥ तत्रैकादशमासगृही ताविधानंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ मासएकादशवालहींग्रहीराक्षसीमान योलक्षणहोय वालकोंसोंसवकरोंवखान चेष्टावालकयाविधहोय नेत्रअंधजुहोतहैदोय तासउपायवैद्यनहिकरे तातेंवाल कानिश्चेमरे ॥ इतिएकादशमासगृहीतोक्तं ॥ अथैकादशवर्षगृहीतवालग्रहहरं ॥ प्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ वर्षएकादशवालकोंग्रहणवालिकाजान योलक्षणवालहिधरेसोसवकरोंवखान ॥ चौपई ॥ अक्षिरोगपुन होवतकास काकशब्दवहुहोवतश्वास कुलथमाषपूपगुडसंगकरे मोदकपूरीतिसमोंधरे मतस्यपक्वमांस पुनक्षीर शाकसंगवलिकरेसुधीर तीनकालवलिविधतवकरे पूतनावालताहिनहिवरे सिद्धार्थनिंवको धूपधुखाय तवहिंवालतेंग्रहभगजाय क्रियाकालगुणोतरे ॥ दोहाः ॥ मंत्रयंत्रवलिदानविधिप्रथमदिवस, कीमान मधुरतैलकरदीपहैजाहिविशेषपछान इत्येकादशवर्षोक्तं अथैकादिवसमासवर्षगृहीतो क्तं रावणसूनुप्रोक्तेकुमारतंत्रे ॥ दोहा ॥ एकादशदिवसमासहिंवर्षअर्चिकाजान ग्रहणवालकोंसोकरे लक्ष णताकेजान ॥ चौपई ॥ प्रथमवालहिंज्वरप्रगटावे अनद्वेषमुषशोषलखावे गात्रभंगरोदनवहुकरे ऊर्द्ध दृष्टिलक्षणयहधरे माषपिष्टकीपुतलीकरे वलीवनायविधसोधरे शुक्लवस्त्रअरुध्वयाजुस्वेत पुष्पस्वेतधरे, ताकेहेत पूरीपंचविंशत्तिकरे दीपप्रकासमानतिहधरे अवरवस्तुकोयाहिप्रमान कुमारतंत्रितेंकियेप्र' मान प्रातकालमैवलीवनावे दक्षिणदिसमैंजायधरावे यासमंत्रकरवलीकराय सोइमंत्रअवदेयोंवताय अथमंत्रः ऊँनमोवगवतेनारायणाय चंद्रहास वज्रहस्तायज्वलदुष्टग्रहाय ऊँह्रांफट्स्वाहा ॥ चौपई ॥ गोशृंगलशुनपुनतासमिलाय वालककोंयहधूपधुपाय चतुर्थदिनमासवर्षमोकहि सोविधिसर्वतासमोग हि पूर्वदिवसवर्षकेजान ब्राह्मणभोजनशांतिस्नान योगरत्नावल्यां सोरठा अलिसिकाग्रहीपछानएका-दशमोंसोकरे अवरविशेषपछान योविधपूर्ववरननकरि इत्येकादशदिवसमासवर्षगृहीतपूतनाहरं अथद्वा दशमासवर्षोक्तं तत्रद्वादशमासोक्तंकथ्यतेप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ मासद्वादसवीचहींग्रहपंचालिकाजान योलक्षणकरहैवालकोंसोअवकरोंवखान ॥ चौपई ॥ अरुचिवहुतहोतहैस्वास अवरवालकोंउपजैत्रास तिलकुलथमाषदहींकेसंग मोदकअनवलीरुजभंग मध्यान्हसमैदिसपूरवधरे पूतनाग्रहवालनहिवरे नारा यणोक्रियाकालगुणोतरे ॥ दोहा ॥ पंचालग्रहिकोनामहैतिलपूपकवालिदान मंत्रादिकजुविशेषविधिप्रथ-मदिवसकोजान इतिद्वादशमासोक्तं अथद्वादशवर्षोक्तंप्रयोगसारे दोहा वर्षद्वादशेवालकोग्रहजुवायवीजान लक्षणहोवेवालकोंसोअवकरोंवखान ॥ चौपई ॥ मुखसूकेअरुटेढाहोय वहुरअंगमोंपीडाजोय रक्तवस्तु सत्रवलीवनावे करेवलीवालकग्रहजावे क्रियाकालगुणोतरेतु सो॰ वायवीग्रहीकोनामवलीविशेषपंछा-

नियै गंधपुष्पवलिदानरक्तवर्णकेसोकहे ॥ चौ० ॥ स्नानमंत्रकरवालनुल्हाय सरसोंनिंवहिधूपधुखाय मंत्रयंत्रअवरवलिदान प्रथमदिवसाविधितामोजान ॥ इतिवर्षोकं ॥ अथद्वादशमासवर्षोकंकुमारतंत्रे ॥ ॥ दोहा ॥ दिवसमासपुनवर्षमैद्वादशग्रहीपछान अद्भुतानामहिपूतनापीडाकरेमहान ॥ चौ० ॥ ग्रहणवालकोंकरेजोआइ प्रथमदेहमैंज्वरप्रगटाई रोदननेत्ररोगप्रगटावैं वारवारपुनहाथचलावैं रोमहर्षवहुरवासहिजाने एतेहिलक्षणवालपछाने

प्रस्थएकतंडुलहिपिसावै पुतलीशोभनतासवनावे त्रयोदशपूरीसुंदरकरे तासमानपूडेतिहधरे मत्स्यमांसपापडपुनठाने धूपदीपतेरांतिहमाने दक्षिणदिशावलीयोधराइ मंत्रसाथसोदेयोंवताइ ॥ मंत्रस्तु ॥ उँनमोनारायणायज्वलद्धस्तायहन २ शोषय २ मर्दय २ तापय २ हन २ दुष्टसत्वानांहुंफट्स्वाहा ॥ ॥ चौपई ॥ ब्राह्मणभोजनशांतिस्नान धूपादिकयोकरेवखान दशदिवसमासवर्षमोंकहि सोसवविधीतासमोंलहि ॥ योगरत्नावल्यांतु ॥ चौपै ॥ द्वादसदिवसवर्षपुनतास पीतलाग्रहीनामहेजास योगिनीवालग्रहणयोकरे ज्वरपीडारोदनवहुधरे अरुचिपीतवर्णस्वरखोवे निद्रादेहशून्यताहोवे सप्तरात्रवलीविधिसोकरे उत्तरदिशमोजायसुधरे जहविधानवालककरवावे तातेंततछिनग्रहमिटजावे ॥ इतिद्वादशदिवशमासवर्षोकं ॥ अथत्रयोदशादिवसमासवर्षगृहीतोकंप्रयोगसारे ॥ रत्नावल्यांच ॥ दोहा ॥ त्रयोदशदिवसमासपुनवर्षपूतनानाम भद्रकालीवरननकरीसोकरेवालमोधाम ॥ चौपई ॥ ज्वरअतिनिद्रावालहिजानो वामवक्ष्यमोंकंपपछानो पीडाअरुचिपुनहोवैंश्वास पीतवरणचेष्टालखतास पूर्वदिशामें आश्रयहोय सुखदपूतनावालहिसोय वलीविधानयोकरोंवखान सोसवतामोंकरेप्रमान षोडसवर्षहिविधीवताई सोइत्रयोदशवीचजुगाई ॥ अथत्रयोदशवर्षगृहीतवालग्रहहरोकंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ वर्षत्रयोदशवालकोंग्रहणयक्षणीजान योलक्षणहोयेंवालकोंसोअवकरोंवषान ॥ चौपई ॥ हृदयशूलअरुज्वरप्रगटावे रोवैअरुपुनहासलखावे शालीकोलियेंभातवनाइ अवरलियेंकुलथमाखरलाई खिचडीदधिअरुपायसकीजै मांसमत्स्यमदसंगधरीजै मध्यान्नसमैंवलिदानकरावैं दिवसतीनग्रहतेंछुटजावैं घृतकोमर्दनपानकरावे वालकत्यागपूतनाजावे ॥ क्रियाकालगुणोतरे ॥ सोरठा लाजापायससोयवलीकरावेवालकों गंधपुष्पलखवोयअवरविशेषविधानसव ॥ दोहा ॥ तिलतैलनसोंदीपहीपंचगव्यकोंस्नान वालिदानादिविशेषसभिप्रथमदिवसकेजान ॥ इतित्रयोदशवर्षोकंयोगरत्तावल्यांतु ॥ दिवसमासअरुवर्षमेंकरेवालमोधाम चतुर्दशयोवरननकरीताराश्रीतिसनाम ॥ चौपई ॥ ज्वरअरुचीमुखशोषलखावैं नेत्रव्यथातिहलक्षणगावे पश्चिमदिशमैंवलीधराई वालकतासहेतसुखपाई षोडशवर्षवलीदानवतावे प्रयोग सारमततासमोगाये योसमविधियासमोगाई सोआगेहमदेयोंवताई ॥ अथचतुर्दशवर्षगृहीतोकंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ वर्षचतुर्दशवीचहींस्वछंदाग्रहीजान तागृहीतलक्षणकरेसोसवकरोंवखान ॥ चौपई ॥ रुधिरचलेमुखआवेंवास नाभिशूलपुनउपजिततास एतेलक्षणवालपछाने चिकित्सातासहेतनहिठाने ॥ क्रियाकालगुणोतरेतु ॥ सोरठा सुनंदाग्रहीकोनामअवरविशेषविधानहि पूर्वकहीसवजानकीजेहैसो तासमहि ॥ इतिचतुर्दशवर्षोकं ॥ योगरत्नावल्यां ॥ अथपंचदशदिनमासवर्षगृहीतोकं ॥ दोहा ॥ दिवसमासअरुवर्षहींदशपांचनमोंजान सर्वसुखीकरवालकोंपीडितलखोमहान ॥ चौपई ॥ अरुचिहोतज्वरप्रगटेंजासा कासवहुतपुनहोवतश्वासा दक्षिणदिगवलीदानकरावैं तातेंवालकअतिसुखपावैं षोडशवर्षविधितासमेजान सोआगेमैंहोतविधान ॥ अथपंचदशवर्षगृहीतोकंप्रयोगसारे ॥ दोहा ॥ वर्षपांच-

दशत्रीचमैंवारुणीग्रहीपछान ग्रहणवालकोयवकरेसोलक्षणकरोंवखान ॥ चौपई ॥ निद्रावहुतहोतपुनत्रास एतेलक्षणहोवततास कशरापूरमिाषमिलाय पायसपूडेसंगरलाय पुनकुलथमाखतासमोंधरे तीनरात्रवलियाविधकरे पुनधूपलेपचंदनकोठाने ग्रहनिवारजुवालकाजाने ॥ क्रियाकालगुणोतरे ॥

॥ दोहा ॥ वर्षपंचदशमध्यमैंपूतनाकोपिजान योलक्षणवालहिधरेसोसवकरोंवखान चौपै जवहिंवालसंचारसुकरै निश्चेतनहोयेभूमिगिरे ज्वरवहुकठिनहोतहैंयास अतिनिद्रापुनउपजेतास कुलथमाषसंगखिचडधिरे मद्यमासअरुपायसकरे पूपपूरियांतासधरावे पीतरंगकेफूलझडावे स्नानपंचगव्यकेसंग मुत्थरवचंधूपरुजभंग सांझसमेंदिनतीनजुकरे वलीदानवालकसुखधरे मंत्रयंत्रवलिअवरविधान प्रथमदिवसकेंसोसभजान इतिपंचदशवर्षोक्तं अथषोडशदिवसमासवर्षोक्तं योगरत्नावल्यां षोडशदिनअरुमासमेंवर्षकुमारीनाम लक्षणसोवरवननकरों जवकरेवालमोंधाम चौपै नयनमीटैपुनपुनजुउघारें ज्वरकोवेगशोषमुखधारें नैनृतदिशवलीदानकरावे सातदिवसविधिसंगधरावे शांतीजलसोस्नानजुकरे मंत्रसाथग्रहतासनवरे मृतकादोनोतटकील्यावे प्रतिमादेवीकीजुवनावे स्नानगंधपुनधूपधुषाय पुष्पदीपनैवेद्यधराय वडेपूपअरुलड्डूकरे भातदहींगुडसंगहिधरे चारवर्णकीध्वजारंगाय पुनआगेंतिहदीपजगाय पुष्पधूपपुनचंदनधरे सर्वदेवकोपूजनकरे सांझसमैवलीदानकराय मंत्रसंगसोदेयोंवताय मंत्रः ॐनमोभगवतेनारायणाय वालंमुंचमुंचस्वाहा दोहा याहिमंत्रवलिदानकोशास्त्रहिकियोवखान जहांविशेषवरन्योनही सोतहांकरेप्रमान अथषोडशवर्षगृहीतवालग्रहहरंप्रयगिसारे दोहा षोडशवर्षकेवीचहींग्रहोदुर्जयाजान वालकलक्षणजोकरे सोसवकरोंवखान चौपै हसेदेहमेकंपसुधारे चलोचलोयहशब्दउचारे खिचडीरींगकुलत्थमिलाय तिलखलघीवरसंगधराय दधीमेलवलिदानसुकरेतीनादिवसदिशउत्तरधरे नखगोशृंगलशुनपुनठानो धूपहिंतेंवालकसुखमानो नारायणीयेतु सोरठा धन्वायसीग्रहीनाम वलीकालमध्यान्हहैं नखगोशृंगकोजान धूपविशेषविधानसभ क्रियाकालगुणोतरेतु दोहा षोडशवर्षकेवीचहींधनदाग्रहीकोजान ग्रहणवाललक्षणकरेसोतुमकरोप्रमान चौपै दिवसरातवहुहासकरावे छोडछोडयहशब्दकहावे अंगनमोंतिहकंपधराय वारवारकरपादचलाय खिचडीभातमांस. तिलदीजें कुलत्थपूपदधिसंगधरीजें गंधपुष्पअरुदीपजगाय विधिकरवालहिंवलीधराय नखवालीजेगोकोशृंग मेषशृंगवालीजेंचंग भिन्नभिन्नयेधूपधुखाय ताकरवालकअतिसुखपाय तिलतैलनसोंदीपकजरे स्नानपंचगव्यसेंकरे मंत्ररूपाजिहकवचधराय पूर्वदिशावलिदानकराय दिनयोतीनमध्यान्हिकाल यहविधिकरसुखिहोवेवाल मंत्रायंत्राजुअवरवखाने प्रथमदिवसकेसोसभजाने इतिषोडशवर्षगृहीतवालग्रहहरं अथसप्तदशवर्षगृहीतविधानंप्रयोगसारे दोहा वर्षसप्तदशवीचहीकुमारीग्रहीपछान योलक्षणवालकधरे सोसवकरोंवखान ॥ चौपै ॥ अरुचिकंपअरुछार्दतास कासवहुरतिसहोवे. श्वास यहलक्षणवालकजवगहे तासाचिकित्साग्रंथनकहे क्रियाकालगुणोतरे ॥ दोहा ॥ कालकाग्रहीकरनामहै अवरविशेषविधान पूर्वकहीसोंजानिये ग्रंथनकोमतमान वालचिकित्सासोकही वंगसेनअनुसार जैसीलखीसुधारकेतैसीकरीउचार इतिवालकदिनमासवर्षचिकित्सासमाप्तम् ॥

॥ अथान्यप्रकारकथनम् ॥

॥ चौपई ॥ वालचिकित्साजाविधहोई तदवीरअतफालनामकहुसोई जन्महोतरक्षामनलावे प्रथमनासिकाकर्णभुंजावे एरनतेलवूंदइकल्याय मधूमेलतालूपरलाय ताकरउदरशुद्धहोजावे वीचअंदे-

रेवालरखावे थिंदावीचनासिकालाय तत्तनीरसंगताहिधुलाय ताकोथोडादूधपिलावे अतीदूधअति दोषदिखावे रोदनअधिकवमनहोजाय ताहियतनऐसामनभाय हिलावेवालकनाचनचावे थकित-होएतवसयनकरावे अतिनिद्राआजावेजवहीं वालकशुद्धहोतहैतवहीं जोवालककोदूधपिलावे सोभीसुखनिद्रामनलावे पिलावेदूधहिलावेसोई पचेदूधदुखनासेहोई वारवारदाइस्तनदेवे एकोस्तन-इकवारनदेवे जोएकोस्तनदूधपिलावे सोवालकविगाहोजावे जोवालककोदूधपिलावे सोभोजन-माडानहिखावे खट्टाखारासोनहिखाय अतीगर्मक्रमिकरनहिभाय रुधिरविगाडजाहुतेहोई रेचकरू-क्षनसेवेसोई प्रतिदिनइछाभोजनखावे अतिचिंतादुखदूरवहावे थोडादूधजाहुकोहोई जीरास्वेतमं-गावेसोई सीसालूणसौंफसंगपाय छाछसंगचूरणनितखाय स्तनकेवीचदूधजंमजावे गरमीहोए-पीडप्रघटावे कतीरागूंदमोमसंगपाय घृतामिलायमर्दनसुखदाय जेकरसरदीदोषदिखावे धतूराएरन-पत्रमंगावे स्तनकेऊपरवंधनकीजें दूधऔरदाईकादीजें खिचडीमुंगसाथघृतहोई मांसआदिरससे-वेसोई सुंदरफुलकातंडुलखाय करेपथ्यवालकसुखपाय वालकपेटनमंहोजावे दाईग्राहकऔषध-खावे वाविडंगदधिमेलखुलाय पेटनमंनिश्चेहटजाय जेकरवमनदूधनिकसावे करेयतनदुखवमनह-टावे भूंडजीवकाघरजोहोई ताकिमिटीलेवेकोई न्हापेकाडोडासंगलीजें वाजराअनताहुमेदीजें काचमिलायक्काथवनवावे वूंदवूंदमुखवालकपावे रहेशेषदाईकोदेवे वमनंदूरवालकसुखलेवे जेकर-पेचसपेटदिखाय करेयतनपेचसहटजाय भडिंगीदेवदारमंगवावे गिलोमेलजलक्काथवनावे दाईपा-नकरेदुखजाय पेचसवद्दूरसुखपाय वाविडंगमुत्थरमगवावे हरडमेलनितचूरणखावे थोडाचूरनदूध-मिलाय वालककोदेवेदुखजाय जेकरवालकरोगीहोई वालरोगयुतमांनासोई जलपत्रीजैफलदोईमं-गावे तोलाएकएकसमपावे केसरमासेपांचमिलाय खुवटीकाकीडाइकल्याय पीसगर्मकरगोली-होई मसरप्रमानवांधिएसोई जलकेसंगप्रातनितदेवे वालरोगनिश्चेहरलेवे गिटकअंवअरुजामन-ल्यावे नागरमोथाहरडमिलावे करचूरनमधुसंगमिलाय ग्राहकचटनीदाईखाय निकलेदांतसमाजव-आवे मसूडेपरघृतप्रतिदिनलावे जेकरदस्तमरोडाहोई करेयतनहटजावेसोई गुलावपुष्पसितजी-राल्यावे पावेसिरकाखूपपिसावे पतलालेपपेटपरकीजें दस्तदूरसुंदरतनलीजें खरगोसजीवकी-मिंझजोहोई गोघृतमेलगर्मकरसोई मसूडेऊपरमर्दनकीजें निकलेदांतसहजसुखलीजें अथवाकुर्क-टचरवीहोई वनफसाघृतसोंमलिएसोई जेकरअतिकवजीहोजावे ताहिविठचूकेकील्यावे पीसनी-रसंगवत्तीकिजें कवजीदूरगुदामेदीजें गुडअरुमर्चसुंठलेकोई पीसनीरसंगवत्तीहोई गुदावीचव-त्तीपहचाय कवजीदूरवालसुखपाय लूणचोकसघसुंठमंगावे भाडंगीहिंगूसंगरलावे मासेतीनतींनस-मलेवे चूरनजलसोदाईसेवे पीडापेटअफाराहोई वालककाहटजावेसोई लोहवांनदईमुख-पाय चापेवूंदवालमुखलाय रोदनउदरपीडहटजावे दाईपालकरेसुखपावे दाईआदथोमनहिखाय कटुतीक्ष्यणअंवलनहिभाय ॥ इइिश्रीचिकित्सासंग्रहे श्रीरणवीरप्रकाशभाषयांवालरोगाऽधिकारकथ-नंनामसप्तपंचासत्तमोऽधिकारः ॥ ५७ ॥

॥ अथविषरोगनिदानवर्णनम् ॥

दोहा ॥ विषनिदानवर्णनकरोंसुश्रुतकेअनुसार अपनेमनतेंनाहिसोकीनातासउचार ॥ चौपै ॥ आदनारायणमनमोधारी खेलकरेकछुदेखविचारी एकखेलतिसमनमोंचीना नाभीकमलतेंब्रह्माकीना. नारायणतिसआज्ञादई उत्पतसृष्टीकरणेलई उत्पतसृष्टीहोवतजवाहिं कैटभदैत्यप्रगटभयोतवाहिं मदसंयु' तजवदैत्यजुहोये सृष्टिविघ्नमोंलागेसोये तिसकरकुत्तभयोजवब्रह्मा क्रोधतेजमुखतेंनहिथह्मा तेजपुंज. मुखवाहरआय भयानकरूपलियोजुवनाय मधुकैटभदैत्यनकाहेजोडा दग्धकरणतिन्हहींकोदौडा आव तकोंदेखेंततकाल देखतशब्दकरेंजुकराल कैटभदैत्यवडोवलकार मारक्रोधनेकीयोसंहार दैत्यमारक. रक्रौधहेयोय अद्भुतवृद्धिकोप्राप्तहोय विष्णोआदिजोदेवहेजेते तेजवृद्धकोंदेखेंतेते तेजवृद्धजवजानेमनमैं होताविषादजुसभकेतनमैं तातैंतिसविषनामकहायो लोकप्रसिद्धसभीजनगायो विषादयुक्तजवदेवजुजाने प्रजापतिअपनेमनयहमाने अवरश्रष्टीपुनउत्पतकरै जातेंदेवविषादसुहरै स्थावरजंगमजीवहेजोय क्रो. धतिन्हनमोंधारासोय यातेंदेवताभयनहिमाने तातेंपृथवीपरातिसठाने प्रजापतिमनयहविधजुविचारी तेज- पुंजदियोपृथवीडारी तेजपह्योजिन्हजीवनमाहिं विषकोरूपधरेडोतिसताहिं दोयभेदातिसविषकेअहैं स्थावरजंगमसोसुनलहै भेदतासकेकरोंउचार सोअपनेमनलियोविचार स्थावरविषप्रथमेजुवषानो तापा' छेविषजंगमजानो

॥ अन्यप्रकारविषनिदानम् ॥

॥ दोहा: ॥ असुरदेवकठेभये कीनामंत्रविचार चौदशरत्नसमुद्रमैंलीनोताहिनिकार तिन्हमो. एकजुरत्नहै अमृतनामहेयास तासपियेसभमिटतेहमृत्युकालकोत्रास ॥ चौपई ॥ यहमंत्रकरीसभदे- वताआये अवरसंगजिन्हअसुरबुलावे मथनसमुद्रलागेदोय निकसैरत्नजुसांभेसोय ॥ दोहा ॥ पुरुष- जुएकसमुद्रतेंनिकस्योघोरमहान दंष्टाचारप्रकासहेहरितकेशातिसमान ॥ चौपई ॥ अग्निसमानतिसनेत्र, दोई देषविषादजगतसभहोई ब्रह्मामनयहक्रियाविचार हुंकारशब्दकरदियानिकार स्थावरजंगमयो. नीदोय तिनमोप्राप्तकीनासोय सोविषरूपभयोततकाल जीवयोनीसभकरैविहाल तिसतेंविषतिसना. मकहायो लोकप्रसिद्धसभीजनगायो भेदतासकेवहुविस्तार सोसभदेषजुग्रंथविचार इतिविषनिदानम् विषजुपुरातनदूखीजानो विषहरऊैषधिहतइकमानो दावानलकरदग्धहेजोय वातदूपकरशोषितहोय वास्वभावतेंगुणजुविहीन दूखीविषइनविधकरचीन भक्षणअन्नस्वप्नदिनमाहि देसकालअनुसारलषांहि इनकरकोपकरेजुअनेक लषहेवुधजनसहितविवेक ॥ अथदूखीविषकार्यमाह ॥ चौपई ॥ अल्पवीर्ज- जिसविषमैंजानो प्राणघाततिसतेंनहिंमानो केतिकदिनवीतेंसुविचार कफमोंजायकरेसंचार कफ- सोंमिलकेरेधातुप्रवेश उपजावैनरवहुतक्लेश तिसकरपीडिततनजवजाने विष्टाभन्नविवर्णतामाने अवर- विंवधविरसिताहोय तृष्णामूर्छाउपजैजोय गदगदवाणीभ्रमहोयास मिश्रितचेष्टारतीप्रकास यहलक्ष' णातिसकेतुमजान सुश्रुतमेवहुकरेवषान आमाशयास्थितहोवैजवै कफअरवातरोगकरेतवै पक्वाशय- मोंगतजवहोय वातपित्तरुजकरेतवसोय शिरकेंकेशपतनहोइकैसे पक्षविनाजुविहंगहैजैसे रसादिक' क्रमतेंधातूजेऊ विषदूषीप्राप्तजानोतेऊ तासकेलक्षणकरोंवषान जैसेकहेजुग्रंथनिदान ॥

॥ अथदुखस्थावरविषअंतरधातुप्रवेशलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ अंतरधातुविषप्रविसंजवहिं एतेदोषप्रगटकरैतवहि निद्रागुरुताजृंभाजान अंगमर्दअत्रम-दआन मंडलकुष्टमांसक्षयहोत पांडुवर्णअरुकरहैशोथ छर्दश्वासत्रिष्णाज्वरलिये अरुचअरुदाहवीर्यक्षयकिये उदरवृद्दहोवैउन्मद प्रगटहोहिदोषइत्याद ॥

॥ अथविषसाध्यलक्षणं ॥

॥ चौपै ॥ जोविषधातुनदुष्टकरावै दुषीविषसोनामकहावै धीरजसहितजेऊनरकहिये नाहिसाध्याविष-सर्वलहैये ॥

॥ अथअसाध्यविषलक्षणं ॥

चौपै जोसंवत्सरएकपर्यंत विषरहिकष्टसाध्यसुकहंत पाछैंदुषीविषजोभनी क्षीणरहीअसाध्यसोगनी अरु जुअहितसेवीनरजोय तिसअसाध्यदुषीविषहोय ॥ दोहा ॥ विषनिदानवरननकरौंसोहैदोपरकार स्थावरजंगमसोसुनोवैद्यकमतअनुसार ॥ चौपई ॥ धातुमूलादिस्थावरकहियै सर्पादिकाविषजंगमलहि-यै इनकाविवरादेऊंवताय सोसमुझोअपनेचितलाय ॥ चौपई ॥ करवीरादिविषमूलकीजानो पत्रिकादिविषपत्रपकमांनो कर्कोटकादिकफलविषकहिये वेत्रादिविषपुष्पकीलहिये त्व-क्सारगूंदकरंभादिनी सुह्यादिविषक्षीरकीकीनी हरितालादिविषधातूंहोय वत्सनाभादिवि-षकंदकीसोय

॥ अथस्थावरविषकीसंख्या ॥

॥ चौपई ॥ स्थावरविषयाविधहैजेता दशस्थातमोरहहैतेता वृक्षजडपत्रफूलफलहोइ अवर-छालफुनदूधमोजोइ रसअरुगुंदधातुहरताल कंदजुमहुरादशविधचाल अष्टभेदविषमूलकेजा-नो पत्रनकीविषपंचसुमानो भेदजुद्वादशफलविषहोय पंचभेदविषपुष्पकेसोय त्वकरसगुंदसप्तविध कहिये तीनभेदविषक्षीरकेलहिये दोयभेदविषधातुकेजानो भेदत्रयोदशकंदपछानो नामभेदनहिंकि-योउचार देशदेशमोलियेविचार

॥ अथस्थावरविषसामान्यलक्षणनिरूपणं ॥

॥ चौपई ज्वरहिकागलग्रहप्रगटावै दांतहर्षमुर्छाछर्दउपजावै श्वासअरुचमुखफैनजुहोय स्था. वरलक्षणकहिएसोय

॥ अथविषदातापुरुषपरीक्ष्याकेलक्षण ॥

॥ चौपई ॥ मानुषकीचेष्टाजहजान इन्हलक्षणसोंविषद्पछान जाकोऊआयपुछैहैताहि ऊतरदे-नकरैसोचाहि तवसोमोहैप्रापतहोय बचननिरर्थकभाषैसोय अरुसंकीरणवचनउचारै त्रस्तहोयजुकंप-तनधारै अकस्मातहसैकरैअंगुलीसंग क्षितिपोदेविवरणहोइरंग नखसौंत्रिणछैदैहैसोय वरतनतास-विपर्जयहोय विषदाताकेऐसेलक्षण जानैहैहपुरुषविचक्षण विषदाताकेलक्षणकहै जैसेशास्त्रनतेंलषलहै

॥ अथविषत्यागसमयलक्षणं ॥

चौपई शत्रुभावतैंपुरुषजकोई विषजुमिलावैअन्नमोंसोई सोविषइकनृपभक्तनेजानी त्यागकरनअपनेमनमानी त्यागनलक्षणऐसासोई क्रौंचपक्षीमदसंयुतहोई देषमयूरमनहर्षवढावेशुकअरसारिकावहुकरलावेहंसजुअ

पनी स्वेलमचावे भृंगराजबहुशब्दसुनावे शीघ्रविष्टामरकटत्यागे हयलक्षणविषत्यागनलागै सोविषभूमीपरजवपरैं वायसादिकजीवजोभक्षणकरैं प्राणजुतिनकेहोतविनास यहलक्षणविषकेजुप्रकास हवाडजुजिस. कीनेत्रमोंलागै भ्रांतनेत्रहृदपीडाजागै अवरजुशिरमोंरुजप्रगठाये त्यागसमेंकेलक्षणगाये अथविषनेत्रअंजनं चौपई लामज्जनलदकुठमंगावे मधुयुतनेत्रमोंअंजनपावे तिसकरविषकोरोगनसाय वंगसेनमतादियोवताय ॥ अन्यच ॥ हाथोंकरजोविषकोत्यागे हाथदाहततक्षिणतिसत्यागे अवरजुकरहेनखकोघात तासकोलेपकरोंविख्यात ॥ अथलेपः ॥ इंद्रगोपप्रियंगूलीजै नीलकमलतिसमाहिरलीजै हाथोंलेपनकीजैतास हटेदाहहरहोतहुलास ॥ अथभक्षणं ॥ चौपई ॥ अज्ञातमीहतेंकरेजुभक्षण तासकेलक्षणसुनोविचक्षण छीलावतजिसजिव्हाहोय रसकाज्ञाननजानेसोय तनमोपीडाहोवतदाह श्लेष्ममुखमोंआवतताह विषहवाडकेकहेउपाय सोतत्कालकरेजुवनाय अथवाततक्षिणवमनकरावे तिसकीविषततक्षिणमिटजावे ॥

॥ अथविषपीतलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ वातसहितहोवैनरसोय अहधूमवरणविष्टातिसहोय मुखतेंफेनचलावतरहै विषपीताकेलक्षणकहै ॥ इतिस्थावराविषलक्षणम् ॥

॥ अथमूलजविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ मोहप्रलापपृथवीपरविलै गलसूकैवहुदुखमोरलै ॥

॥ अथपत्रजविलपक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ जृंभाकंपहोयअतिश्वास पत्रजविषयोंकिन्हिप्रकाश ॥

॥ अथपुष्पजीवलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ छर्दअफाराअरुबहुश्वास पुष्पजलक्षणकरैंकाश ॥

॥ अथफलजविषलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ वृषणशोथअवरहोयदाह अन्नद्वेषतिसप्रगटैआह ॥

॥ अथत्वचजतथारसजविषलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ मुखदुर्गंधजुषहुरीदेह शिरपीडातसलक्षणएह ॥

॥ अथक्षीरजविषलक्षणम् ॥

चौपई ॥ मुखहूंतैंबहुफैनचलावै विष्टाभग्नतासदरशावै भारीजिव्हाहोवैतास हृदिपीडाबहुकरैप्रकाश ॥

॥ अथकंदजविषलक्षणम् ॥

॥ चौपई ॥ हृदयपीडामूर्छापुनदाह तालूदाहअसरहोतहैताह ॥

॥ अथविषलिप्तशस्त्रहतलक्षणं ॥

॥ चौपई ॥ विषलिप्तशस्त्रकरहोयजिंहघाउ तातकालसोक्षतदग्धाउ पकैनिरंतररक्तप्रवाह श्यामवरणहोवतहैताह गलजावैदुर्गंधवहुआवै क्षततैंमांसतासगिरजावै त्रिषाजुमूर्छाज्वरअरुदाह शस्त्रालिप्तविषक्षतहोइजाह ॥

॥ अथहरतालादिकधातुयोंकेविषकेपानेकालक्षण ॥

चौपई हृदयदुःखिअतिमूर्छाहोय दाहशरीरतालूमेंसोय इसविषतेंप्राणिततक्षणमरै अथवाकालांतरकछुसरै

॥ अथआमस्थानप्राप्तविषलक्षणं ॥

चौपई ॥ आमाशयविषप्राप्तजवै मूर्छाछर्ददाहज्वरतवै क्षिनक्षिनमेंयहकरैंसंचार इंद्रयव्याकुलतासविचार

॥ अथयोगविषवरननं ॥

॥ चौपई ॥ मधुघृतसमयहखावेजोय स्थावरविषसमजानोसोय ताकीविषजुनिवारणअर्थ निंवका- थजलपानसमर्थ पूर्वंतासघृतपानकरावे तासतेंविषमधुघृतकीजावे ॥ अन्यच ॥ कपूरतैलसमभागजु, खावै स्थावरविषसमवैद्यसुगावै

॥ अथयोगविषउपाय ॥

चौपई जीयापोताफलजुमंगाय मज्जातासकीपीसवनाय कर्षप्रमाणजुकांजीसंग खावेसर्वजोगविषभंग

॥ अथस्थावरजंगमकृत्रिमविषदशगुणदोष ॥

नामवरननं ॥ चौपई ॥ रूक्षउष्णपुनतीक्षणजानो सूक्ष्मशीघ्रव्यवायीमानो विशदविकाशिलघूअ' विपाक विषकेदशगुणसुनयहवाक ॥ चौपई ॥ रौक्षधर्मतेंवातजुकुत उष्णधर्मतेंपित्तसरक्त तीक्षणधर्म तेंमनकरेमोहन अंगबंधसभकरितजुछेदन सूक्ष्मभावतेंदेहकेअंग जायप्रवेशकरेअतिचंग शीघ्रपनेतें शीघ्रविनासे व्यवायभावप्रकृतीजुप्रकासे विकाशिनामतिसतेंजुउचारे दोषधातुमलतीनविगारे विश दभावविरेचतेंजानो दुखितचिकित्सालघुतेंमानो अविपाकभावचिरकरैक्लेश दशगुणविषकेजानोलेश

॥ अथअन्यप्रकारविषप्रवेशनिरूपणं ॥

दोहा ॥ अपनीसेनवुलायकेहुकमकिआजुनरेश हमरोशत्रुजुएकहैजीतलडोतिसदेश ॥ दोहा ॥ नृपकीआज्ञापायकेचलीशेनवडजोर ताहिशत्रुऐसीकरीजुदीनीजलविषघोर ॥ चौपई ॥ सोजलपान कियोसभसेना विषप्रवेशसभकेतनकीना ताकेलक्षणदेऊंवताय सोसमुझोअपनेचितलाय छर्दमोहज्व- रउपजैदाह अवरशोथपुनजानोताह एतेलक्षणवतैंसेना तवजानोविषशत्रुनेदीना ताकोउौषधदेऊं- वताई सुस्रुतकेअनुसारलिखाई मुक्तामुष्ककपूरपिलाय इंद्रगोपतिसमाहिरलाय राजमुस्तअरुलेगो- रोचन पीसवजंतरमोंकरलेपन ताहिवाद्यकोशब्दसुनावे सभहनकीविषतुरतमिटावे अथवाविषहरमं- त्रजुहोय वजंतरकेमुखपरलिखेसोय ताहीवाद्यवजावैजोर सभहनकीविषउतरेघोर

॥ अथजलशुद्धकरणविधि ॥

॥ चौपई ॥ अश्वकरनपुनधातुकीलीजै असननिंवअरपाटलदीजै राजवृक्षजीयापोताआने सोम- वल्कतिसमोलेठाने इन्हकीभस्मजुजलमोडारे जलकीविषातिसतेंसभटारे

॥ अथस्थावरविषचिकित्सा ॥

॥ दोहा ॥ स्थावरजंगमजोइविषअैसेदोयप्रकार तासचिकित्साकहितहेंसुनलीजैचितधार ॥ चौपई ॥ शीतललेपनशीतलपान शीतलपवनशीतलइस्नान अरुमधुघृतकोपानपछानो स्थावरविषमोंयहहितमानो ॥ अन्यच ॥ चंदनलेपहृदयमोंकरे यहभीतामोहितलषधरै ॥ अन्यच ॥ सरींषहलदचंदनसमआन पीसेलेपनउरपरठान अरुयाहीकोकीजेपान होयस्थावरविषकीहान ॥ अन्यच ॥ जोविषप्राप्तिआमस्थान

ताहिवमनाहितकरलपमान ॥ अन्यच ॥ चौपै ॥ मदनअलाबुविंबींजोय अरकोशातकीजानोसोय इनकेले-
वेंफलवाबीज वमनकरायचतुरसुखलीज अमाशयविषततक्षिणजाय जैसेंसपैकोंगरुडनसाय ॥ अन्यच ॥
लेकपित्थत्वचाआनापिसाय तंडुलजलसोंपानकराय तातेंवमनहोततत्काल विषजावेरुचिहोतनिहाल
॥ अन्यच ॥ कटतूंबीअरुचित्राल्याय पाठासूर्यावर्तमिलाय वरुणाहरडगिलोयजोलीजै अरुशिरीष.
पुटकंडादीजै दोयहरिद्रादोयकंडयारी त्रिकुटासारिवाचहियेडारी अवरपुनर्नवाउत्पललीज पुनलेपा-
यसह्यालूवीज जवागूक्वाथपियेजवकोय स्थावरजंगमविषहरेदोय ॥ अन्यच ॥ मुलठक्वाथमधुपायपिला
वै स्थावरविषतातेंमिटजावै ॥ अन्यच ॥ केवलगोघृतकोकरैपान तौभीस्थावरविषकीहान ॥ अन्यच ॥
जिसेमूलविषषाईहोय तासउपायसुनोतुमसोय रजनीसेंधायहसमआन पीवेमधुघृतकरैमिलान तातेवि.
षकीहोवेहान यहमनमोंनिश्चैकरमान ॥ अन्यच ॥ असगंधचूर्णघृतसोंजोपीजै विषजुस्थावरमूलकीछीजै

॥ अथकनेरकीविषकायतन ॥

॥ दोहा ॥ हलदीपीसोदूधमेंमिसरीसंगमिलाय रोगीपीवैनेमकरविषकतेरहटजाय

॥ अथधत्तूरविषउपाय ॥

॥ दोहा ॥ चौलेरीजढआनकेपीजेदूधामिलाय विषधतूरकीनाशहोयदीनाग्रंथवताय गिलोयजुपीजैघो-
टकरशीतलजलकेसाथ विषधतूरकीजातहैकहाग्रंथमतगाथ पचांगकपासकोलीजियेघोटेंजलसेंपूर विष
धतूरकीहोतहैतासापियेसवदूर

॥ अथआककीविषकेदूरकरनेकाउपाय ॥

॥दोहा॥ हलदीदूर्वांतिलसमकहेअजादुग्धकेभाय पीसमहीनकरलेपियेविषअर्कजोतत्क्षणजाय ॥ अ
न्यच ॥ ॥ चौपै ॥ गोगोवररसमधुजुमिलाय स्थावरविषरुजिकोजुपिलाय विषजुस्थावरमूलकीछीजै'
अपनेमनानिश्चैकरलीजै इतिस्थावरविषचिकित्सा

॥ अथजंगमविषअन्यप्रकारनिदानम् ॥

॥ चौपई ॥ तीयसैभाग्यआपनेहेत विषजुसपतनीअपनीदेत रजनानाअंगमलइकठौर इकठीकरदेवै
द्रव्यघोर अरुआतूविषअन्नरलावै गुप्तदूसरेरिपुहिंपवावै तिन्हकरपांडुरोगवाधिआवत कृशतामंदअग्निप्रगा
टावत उदरअफाराहाथोंशोष अरुउपजितसंग्रहणीदोष यक्ष्मरोगज्वरउपजैताहि गुल्मकलैजैरुजप्रगटा.
हि इन्हचिन्होंकेहोवैरोग हैंप्रसिद्धजानतसभलोग

॥ अथजंगमविषसंख्यानिरूपणम् ॥

चौपई षोडशविधजंगमविषजान तासकोविवरोकरोंवषान निस्वासदृष्टिदंतनखजोय दंष्ट्रमूत्रपुरीषमेहोय ला
लाशुक्रस्पर्शमुखजानो संदंशविशर्द्धितअस्थीमानो गुदापित्तशूकशवमोविषहोय इन्हमोस्थितरहेजंगमसोय

॥ अथषोडशजंगमविषनामाश्रयभेदनिरूपणं ॥

॥ चौपै ॥ दिव्यसर्पदृष्टिनिःश्वास भोमसर्पदंष्टाजुप्रकास सिंहादिकनखदंष्टाजानो मूषिकादिविषशु-
क्रमेमानो गृहगोधादिविषमूत्रपुरीष चिटिंगादिकाविषलालादीष लालामूत्रपुरीषस्पर्शमुखदंश जुदंष्टघर्म-
शुक्राविश र्द्धितगुदविषयोय चित्रशीर्षादिकजानोसोय सर्पादिकाविषअस्थीकही नकुलमत्स्याविषपित्ता-
सही सर्पकीटकमिज्जायोई शवविषतिसतुमजानोसोइ शुश्रुतमैंकियोवहुविस्तारा ग्रंथवृद्धितेनाहिउचारा

॥ अथजंगमविषसामान्यलक्षणनिरूपणं ॥

चोपे निद्रातंद्राक्लमअरुदाह रोमहर्षशोथहोइताह होइसंपाकउपजैअतीसार जंगमविषयोंकीनउचार

॥ अथआगमसामान्यविषचिकित्सा ॥

॥ चौपई ॥ जोशाखादेहदंशअहिजास सुनोंचिकित्साभाषोंतास चतुरअंगुलीदंशस्थान तिसऊपरदृढबंधनठान तातेंविषऊपरनहींचरै वापछनआदिउपायसुकरै वाततकालहोयहतंत अहिकोदंशेसोनिजदंत आपपांनकरविषसुनिवारै इन्हप्रकारसर्पविषटारै ॥ अन्यउपाय ॥ प्रत्यंगरामूलतंडुलजलसंग पीसपियेअहिविषहोइभंग ॥ अन्यच ॥ सरीषपत्ररसमरचैंस्वेत षरलसातदिनकरैसुचेत ताकोअंजनअरुनसवार पानकरैपुनअहिविषटार ॥ अन्यच ॥ ककोडीवंध्यामूलमंगावै छागमूत्रताहिसंगघिसावै वाकांजीसंगलेनसवार लेपेदंशसर्पविषटार ॥ अन्यच ॥ ककोडीवंध्यामूलमंगावै छागमूत्रताहिसंगपिसावै वाकांजीसंगलेनसवार लेपेदंशसर्पविषटार ॥ अन्यच ॥ गृहकोधूमदोरजनीआन चुलाईमूलचूर्णसमठान दधिघृतसोंमिलायसोपीवै वासुकिकीभीविषहतथीवै ॥ अन्यच ॥ लसूडाकायफलस्वेताआन अपामार्गवांसापुनठान चुलाईविजोराचूर्णकीजै समदाधिघृतमिलायसोपीजै विषदारवीराजिलहोइनाश मनममोंउपजैपरमहुलास ॥ अन्यच ॥ निर्गुंडीस्वेतासमआन पीसपियेअहिफणिविषहान ॥ अन्यच ॥ निरगुंडीमरचनिंबकेवीज सैंधापुनसभसमलेलीज निरगुंडीरसमोंषरलकरावै मधुघृतताहिरलायपुलावै स्थावरजंगमविषहोइनाश निश्चैकीजैमनमोंतास ॥ अन्यच ॥ मरचांलीजैचारप्रमान चांगेरीकर्षएकपीसान घृतसोंपीवैलेपैतास होइजावितनतेंविषनाश ॥ अन्यच ॥ पारावतकोआनैमास पुष्करसटीमिलियेतास ताहिपकायषायविषनाश त्रिषाअरुचिहिडकीअरुकास अवरहुनाशहोयहैश्वास ऐसेंकहींचिकित्सातास ॥ अन्यच ॥ जढपटोलकीपीसवनाय लेनसवारसर्पविषजाय ॥ अन्यच ॥ चौपई ॥ मूललक्ष्मणाकोजोल्याय वांधेकर्णसर्पविषजाय अथवापीसकेलेनसवार विषजोसर्पकीतासतेंटार ॰ वालेपनकरेनरमूत्रसंग विषजुतासकोहोवतभंग ॥ अन्यच ॥ जीयापोताफलजुमंगावे मज्जातासकीपीसवनावे लेपसीतलजलकेसाथ वाअंजनकरेसुनवहगाथ अथवापानकरेतिसजवाहिं विषजुसर्पकीनासितवहि अन्यच देवदालीअरत्रिकुटापीस लेनसवारसर्पविषखीस अन्यच कटुतुंबीकोचूर्णकीजै गोमूत्रसोंवटीवनीजै लेपनअथवापानकरावे विषजुसर्पकीतातेंजावै ॥ अन्यच ॥ घृतनवनीतमधुत्रिकुटाय कुठसैंधातिसमाहिरलाय यहचाटेविषतात्क्षिकजावै अन्यसर्पकीक्याजुवतावे ॥ अन्यच ॥ अलाबुलांगलीअवरपतीस देवदालीलेसुंदरपीस कांजीसंगजुलेपनकीजै सर्वकीटकीविषहरलीजै ॥ अन्य र ॥ प्रपुंडरीकमुत्थरसुरदार स्थौणेयलेकौडपुनडार कालानुसारिस्यामकजान अवरहुंभीसंगकरैमिलान गजकेसरगुग्गुलमघाएला कुठकुटन्नटसोंचलमेला तगरप्रयंगुअंजनलोधर गेरीचंदनसैंधासंगधर शिलाजीतअरुआनपतीस ककडशृंगासिभसमपसि यहचूर्णमधुसहितपुलावे तक्षककीभीविषमिटजावे अथदशांगयोग ॥ चौपै ॥ बिल्वपुष्पपुनत्वचामंगाय सरीषतगरगजके, सरपाय मांसीमनछलअरुहरताल कुठप्रयंगूसभसमडाल जलसोंपीसदंशपरलावै समप्रकारकीविषनरहावै ॥ अन्यच ॥ मंजीठवटजटाजविकआन ऋषिविकाश्मरीसितामिलान अवरमुलठीपीसरलावै सभहीसमयहचूर्णषावै मंडलीसर्पहोयविषनाश भाष्योयहउपायलषतास अन्यच नतमुलठरेवंद